नई दिल्ली, उत्तराखंड व हरियाणा से प्रकाशित

उत्तम भारत

सत्य, निष्पक्ष भारत

कार्तिक शुक्ल पक्ष नवमी, विक्रम संवत् 2082 ▸▸ वर्ष: 10 ▸▸ अंक: 312 ▸▸ नई दिल्ली ▸▸ शुक्रवार, 27 नवम्बर 2026 ▸▸ मूल्य: 3.00 ▸▸ पृष्ठ: 12, (www.uttambharatnews.com), RNI No. DELHIN/2017/75336

12

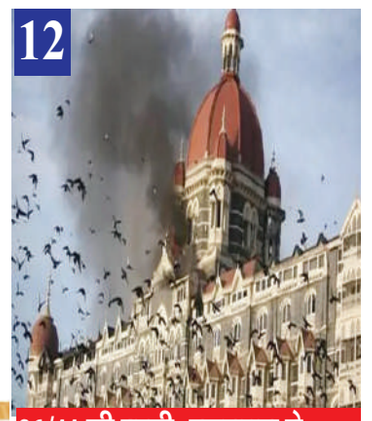

26/11 की बरसी: इजरायल ने.....

संविधान सिर्फ गाइडबुक नहीं, मोदी ने नागरिकों तक पहुंचाए इसके मूल्य: शाह





गृहमंत्री ने कसा विपक्ष पर करारा तंज

विपक्ष पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि जो लोग अपने हाथों में संविधान लेकर चलते हैं, उनसे मेरी विनम्र प्रार्थना है कि वे संसद की लाइब्रेरी में जाएँ, संविधान के लिए 15 मिनट का समय निकालें और संविधान की मूल भावना को समझने के लिए नंदलाल बोस द्वारा बनाए गए चित्रों को देखें।

शैलेंद्र कुमार शर्मा/उत्तम भारत

नई दिल्ली। गृह मंत्री अमित शाह ने दिल्ली भाजपा द्वारा आयोजित संविधान गौरव दिवस सेमिनार को संबोधित किया। संविधान दिवस के अवसर पर, अमित शाह, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और अन्य लोगों ने मिलकर भारत के संविधान की प्रस्तावना पढ़ी। इस दौरान अमित शाह ने कहा कि संविधान का सम्मान करना हम सभी भारतीयों के लिए एक बहुत ही महत्वपूर्ण और गर्व की जिम्मेदारी है। लेकिन, यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि आजादी के बाद, संविधान को केवल सरकार चलाने के लिए एक गाइडबुक की तरह मानने की कोशिश की गई और देश के किशोरों, युवाओं और नागरिकों के बीच इसकी भावना को जगाने और मजबूत करने की प्रक्रिया को भुला दिया गया।

शाह ने कहा कि जब 2014 में नरेंद्र मोदी जी देश के प्रधानमंत्री बने, तो 2015 में उन्होंने यह तय किया कि हर साल 26 नवंबर को संविधान गौरव दिवस के रूप में मनाया जाएगा, ताकि हमारे संविधान के सर्वोच्च मूल्यों को हर स्कूल, कॉलेज और सभी नागरिकों तक पहुँचाया जा सके। उन्होंने कहा कि जो लोग हमारी सभ्यता का विरोध कर रहे हैं, उनसे मैं कहना चाहता हूँ कि यदि आपके पास अपने जीवन में संविधान के लिए 10 से 15 मिनट का समय है, तो कृपया एक बार संविधान की मूल प्रति को देखें... संविधान की मूल प्रति के अध्यायों की शुरूआत उन चित्रों से होती है, जिनमें भगवान श्री राम का अयोध्या आगमन, भगवान बुद्ध, भगवान महावीर, दशम पिता गुरु गोबिंद सिंह जी, रानी लक्ष्मीबाई, दांडी मार्च और नेताजी सुभाष चंद्र बोस को दर्शाया गया है।

विपक्ष पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि जो लोग अपने हाथों में संविधान लेकर चलते हैं, उनसे मेरी विनम्र प्रार्थना है कि वे संसद की लाइब्रेरी में जाएँ, संविधान के लिए 15 मिनट का समय निकालें और संविधान की मूल भावना को समझने के लिए नंदलाल बोस द्वारा बनाए गए चित्रों को देखें। उन्होंने कहा कि हमारे संविधान निर्माताओं ने तय किया था कि सत्ता मिलेगी भी जनता के माध्यम से और जाएगी भी जनता के माध्यम से। सत्ता किसे सौंपनी है, इसका अधिकार जनता को दे दिया गया। और जिन्हें सत्ता मिलती है, उनके लिए यह मार्ग भी तय कर दिया कि शासन संविधान की मयार्दाओं के भीतर ही चलाना है।

शाह ने कहा कि दोस्तों, 26 नवंबर 1949 को हमारे देश की एक नई यात्रा शुरू हुई। 1857 से 1947 तक चले 90 साल के स्वतंत्रता संग्राम में अनगिनत बलिदान दिए गए, और कई महान स्वतंत्रता सेनानियों ने भारत माता को आजाद कराने के लिए अपने प्राण न्योछावर कर दिए। बहुत से लोगों ने इस महान राष्ट्र को आजाद कराने के लिए अपना घर, कारोबार, करियर और पढ़ाई-लिखाई तक छोड़ दी। 90 सालों की उन अनगिनत और असहनीय कठिनाइयों का ही परिणाम हमारा संविधान है, जिसे हमारे संविधान निर्माताओं ने देश की जनता के सामने एक महान दस्तावेज के रूप में रखा। एक तरह से देखा जाए तो, संविधान भले ही कागज पर लिखा गया हो, लेकिन इसमें उन सभी स्वतंत्रता सेनानियों की आकांक्षाएं, उम्मीदें और इच्छाएं समाहित हैं, जिन्होंने आजादी के 90 साल लंबे संघर्ष में अपना बलिदान दिया। अगर हम संविधान को सिर्फ एक किताब के तौर पर देखेंगे, तो हम इसे कभी नहीं समझ पाएंगे।

संविधान की शक्ति से सामान्य मानव हुआ सशक्त : मोदी



लेख में संविधान की ताकत बताई

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संविधान दिवस के अवसर पर गुरुवार को एक लेख लिखा है। उन्होंने लेख में कहा है कि संविधान की शक्ति से सामान्य मानव को सशक्त बनाने के आज ऐसे कई और उदाहरण हैं। पीएम मोदी ने लेख में लिखा कि प्रख्यात संवैधानिक विशेषज्ञ ग्रैनविले ऑस्टिन ने हमारे संविधान को फर्स्ट एंड फोरमोस्ट अ सोशल डॉक्यूमेंट बताया था। सामाजिक और आर्थिक न्याय की भावना हमारे संविधान के मूल में समाहित है। ऐसे में संविधान निर्माताओं के इस बहुमूल्य सपने को साकार करने के प्रयासों से अधिक संतोषजनक और क्या हो सकता है? पीएम मोदी ने लेख में लिखा कि विश्व बैंक की हाल में आई एक रिपोर्ट बताती है कि भारत के करीब 50 करोड़ लोग अत्यंत गरीबी से बाहर निकले हैं। पीढ़ियों से चले आ रहे अभावों से मुक्ति पाकर आज करोड़ों माता-पिता अपने बच्चों के बेहतर भविष्य के सपने देख पा रहे हैं। जब प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से किसी परिवार को झोपड़ी से निकलकर पक्के मकान में गृह प्रवेश का अवसर मिलता है, तब गरिमापूर्ण जीवन जीने का संवैधानिक संकल्प सही मायनों में साकार होता है। जब उज्ज्वला योजना किसी मां को धुएं से भरी रसोई की तकलीफों से मुक्ति दिलाती है, तब हम समानता और जनकल्याण के आदर्शों को आगे बढ़ाते हैं। पीएम मोदी ने लेख के जरिए बताया है कि जब आयुष्मान भारत की वजह से किसी गरीब परिवार को कर्ज की चिंता किए बिना अच्छा इलाज मिलता है, तब उसके जीवन में सामाजिक न्याय का संकल्प साकार होता है।

पूर्व सांसद आनंद मोहन को सरेंडर करने का आदेश, सुप्रीम कोर्ट ने रिहाई से जुड़े बिहार सरकार के फैसले को पलटा

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को पूर्व सांसद आनंद मोहन को समय से पहले रिहा करने के बिहार सरकार के फैसले को पलट दिया। साथ ही, आनंद मोहन को एक महीने में सरेंडर करने का आदेश दिया गया है। आनंद मोहन 1994 में गोपालगंज के तत्कालीन जिलाधिकारी जी कृष्णैया की हत्या के मामले में दोषी ठहराए गए थे।

बिहार सरकार की ओर से जेल नियमों में किए गए संशोधन के चलते आनंद मोहन की रिहाई हुई थी। आनंद मोहन की रिहाई के बाद जिलाधिकारी जी कृष्णैया की पत्नी उमा देवी कृष्णैया ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था और पूर्व सांसद को फिर से जेल भेजे जाने की मांग की। गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट ने बिहार सरकार के 2023 के संशोधन को भी असंवैधानिक घोषित किया।

अपने फैसले में कोर्ट ने कहा, 10 अप्रैल 2023 की अधिसूचना को असंवैधानिक, अमान्य और निष्प्रभावी घोषित किया जाता है, और इसे रद्द किया जाता है। इस फैसले में दर्ज निष्कर्षों को ध्यान में रखते हुए प्रतिवादी को समय से पहले रिहा करने का 24 अप्रैल 2023 का आदेश रद्द किया जाता है। प्रतिवादी को आज से एक महीने के भीतर सक्षम जेल प्राधिकरण के समक्ष अनिवार्य रूप से आत्मसमर्पण करना होगा। अदालत ने स्पष्ट किया है कि समयपूर्व रिहाई पर विचार करते समय पीड़ित को सुनवाई से वंचित नहीं किया जा सकता है।

अपनी भाषा में संविधान को समझना न्याय और सुशासन की कुंजी : अर्जुन मेघवाल



नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने गुरुवार को कहा कि अपनी भाषा में संविधान को समझना प्रभावी न्याय और सुशासन के लिए जरूरी है। उन्होंने नागरिकों को अपने अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूक करने के महत्व पर जोर दिया।

केंद्रीय मंत्री मेघवाल ने संविधान अंगीकार किए जाने की 77वीं वर्षगांठ के अवसर पर दिल्ली में कानून मंत्रालय द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि देश के इस मूलभूत दस्तावेज को, आठवीं अनुसूची में शामिल सभी 22 भाषाओं में उपलब्ध कराने से संवैधानिक जागरूकता और लोकतांत्रिक भागीदारी मजबूत होगी। इस कार्यक्रम में उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन भी शामिल हुए। उन्होंने संविधान के अद्यतन संस्करणों का विमोचन किया।

अपने संबोधन में मेघवाल ने कहा कि नागरिकों को अपनी भाषाओं में अपने अधिकारों, संस्थाओं की जिम्मेदारियों और सहायता प्राप्त करने के तरीकों को समझने में सक्षम होना चाहिए। इस पहल को बी आर आंबेडकर के एक व्यक्ति, एक वोट और एक मूल्य के सिद्धांत का प्रतिबिंब बताते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इससे विद्यार्थियों, महिलाओं और दूरदराज के क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को संवैधानिक मूल्यों को बेहतर ढंग से समझने में मदद मिलेगी।

आतंकवाद कभी भी साहस और दृढ़ता से एकजुट राष्ट्र के हौसले को नहीं तोड़ सकता : मुर्मु

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गुरुवार को 26/11 मुंबई आतंकी हमलों के पीड़ितों और शहीदों को श्रद्धांजलि दी। इस दौरान उन्होंने कहा कि आतंकवाद कभी भी उस राष्ट्र के हौसले को नहीं तोड़ सकता, जो एकजुट होकर खड़ा हो।

राष्ट्रपति मुर्मु ने बयान में कहा कि 26/11 के मुंबई आतंकी हमलों की इस बरसी पर मैं अपनी जान गंवाने वाले निर्दोष लोगों को नमन करती हूं। साथ ही, मैं हमारे बहादुर सैनिकों, पुलिसकर्मियों और उन सभी लोगों के साहस को सलाम करती हूं, जो आतंकवाद के खिलाफ निडर होकर खड़े रहे। उनका बलिदान और निस्वार्थ सेवा हमेशा हमारे देश की आत्मा में बसी रहेगी।

उन्होंने कहा कि आतंकवाद भले ही लोगों की जिंदगी तबाह कर दे लेकिन यह उस देश के हौसले को कभी नहीं तोड़ सकता, जो साहस, करुणा और दृढ़ता के साथ एकजुट हो। राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा कि आज हम पीड़ितों और उनके परिवारों के साथ खड़े हैं।

उत्तराखंड विधानसभा चुनाव 2027 के लिए भाजपा का चुनावी शंखनाद

धामी सरकार ने पेश किया अपना रिपोर्ट कार्ड

उत्तम भारत संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड विधानसभा चुनाव 2027 के लिए भाजपा ने बड़ा कदम उठाते हुए धामी सरकार के पिछले 5 साल के कार्यकाल का रिपोर्ट कार्ड पेश कर दिया है। देहरादून के एक निजी होटल में भाजपा द्वारा आयोजित कार्यक्रम में धामी सरकार ने अपना रिपोर्ट कार्ड पेश किया। इस मोके पर पूरी सरकार और भाजपा का संगठन मौजूद रहा। इस मौके पर सीएम धामी ने कहा कि, हम जनता के बीच में अपना रिपोर्ट कार्ड लेकर आए हैं। 2022 में भी लेकर आए थे, जो भी संकल्प हमने जनता को दिया था, वो हमने पूरा किया था और आगे बढ़ रहे हैं। 2022 में उत्तराखंड की जनता ने मिथक को तोड़ा और लगातार बीजेपी पर विश्वास जताया। हम लगातार तीसरी बार सरकार बनाने की ओर अग्रसर हैं।

सीएम धामी ने सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए कहा कि आज उत्तराखंड के अंदर लगभग 2000 स्टार्टअप चल रहे हैं। नए उद्योगों के लिए 200 करोड़ रुपए के आर्थिक वेंचर फंड की व्यवस्था है। मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना से युवाओं को अपना काम शुरू करने में सहायता मिल रही है। वरदान छात्रवृत्ति योजना के तहत मेधावी और जरूरतमंद छात्रों को आर्थिक सहायता की मदद मिल रही है। अब तक 21 हजार से ज्यादा छात्रों को लाभ मिल चुका है। मुख्यमंत्री मेधावी छात्र प्रोत्साहन योजना छात्रवृत्ति योजना है। इसमें प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को उनके शैक्षणिक उपलब्धियां के आधार पर छात्रवृत्ति प्रदान की जा रही है। इसका उद्देश्य है कि कोई ऐसा बच्चा जिसके माता-पिता आर्थिक रूप से संपन्न न हो, लेकिन उनकी क्षमता रुकनी नहीं चाहिए।

सीएम धामी ने मातृशक्ति पर बात करते हुए कहा कि मातृशक्ति हमारे राज्य के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। उनका जीवन बहुत कठिनाइयों में आगे बढ़ता है। यह परिस्थितियां देखते हुए सरकारी नौकरियों में 30 प्रतिशत का क्षैतिज आरक्षण सुनिश्चित किया है। सहकारी प्रबंध समितियों में 33 फीसदी का आरक्षण सुनिश्चित किया है। साढ़े 3 लाख से अधिक बहनें आज लखपति दीदी बनी हैं, जो अपने रोजगार के साथ दूसरों को भी रोजगार दे रही हैं। 5 लाख महिलाएं स्वयं सहायता समूह से जुड़ी हैं और इनको 5 लाख तक ऋण बिना ब्याज के दिया जा रहा है। हाउस ऑफ हिमालय ब्रांड के तहत पूरे देश और दुनिया में राज्य की महिलाओं द्वारा बनाए गए उत्पादों की आज डिमांड काफी बढ़ी है। उनको अच्छा बाजार मिल रहा है। इस ब्रांड के तहत साढ़े 6 करोड़ से अधिक का टर्नओवर किया है।

बहनें अपना कारोबार आगे बढ़ा सकें, इसके लिए बैंणी-भुली योजना को भी अभी शुरू करने का फैसला लिया है। इसमें साढ़े 5 लाख के लगभग बहनों को सीधे-सीधे सहायता मिलेगी। एकल महिला रोजगार योजना शुरू करने के लिए 75 फीसदी सरकारी सहायता प्रावधान किया गया है। नंदा गौरा योजना में बेटी के जन्म लेते ही 11 हजार और 12वीं की पढ़ाई पूरी करने पर 51 हजार की सहायता दी जाती है। महालक्ष्मी किट योजना के तहत मां और नवजात शिशु की देखभाल के लिए एक किट उनको दी जाती है। अभी हमने देवभूमि परिवार योजना में परिवार की सबसे वरिष्ठ महिला को परिवार का मुखिया माना है.। देवभूमि परिवार पोर्टल शुरू किया गया है, जो महिला सशक्तिकरण में हमारा एक कदम है।



सीएम धामी ने सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए कहा कि आज उत्तराखंड के अंदर लगभग 2000 स्टार्टअप चल रहे हैं। नए उद्योगों के लिए 200 करोड़ रुपए के आर्थिक वेंचर फंड की व्यवस्था है। मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना से युवाओं को अपना काम शुरू करने में सहायता मिल रही है।

मुख्यमंत्री धामी ने गिनाईं सरकार की उपलब्धियां

- 2021 कोरोना महामारी के समय हमने पर्यटन, परिवहन और संस्कृति के क्षेत्र में काम करने वाले लोगों के लिए 200 करोड़ रुपए का आर्थिक पैकेज दिया था।
- चिकित्सा क्षेत्र के लिए 205 करोड़ और स्वयं सहायता समूहों और स्वरोजगार से जुड़े लोगों के लिए 118 करोड़ के राहत पैकेज जारी किया।
- कोविड वॉरियर्स का सम्मान किया। महामारी में अपने परिवार को खोने वाले बच्चों के लिए वात्सल्य योजना शुरू की थी।
- कोविड वॉरियर्स का सम्मान किया। महामारी में अपने परिवार को खोने वाले बच्चों के लिए वात्सल्य योजना शुरू की थी।
- भर्ती की तैयारी करने वाले युवाओं के लिए नकल विरोधी कानून लागू किया।
- इन वर्षों में 36 हजार युवाओं को नौकरी मिली। बिना पर्ची-बिना खर्ची के नौकरी मिली है।
- प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करने के लिए नई योजना मुख्यमंत्री भविष्य निर्माण योजना शुरू की है।
- योजना के पहले साल में भी प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे 11 हजार युवाओं को कोचिंग उनके घर पर ही मिलेगी।
- वैश्विक रोजगार योजना के तहत युवाओं को जर्मन और जापानी भाषा की ट्रेनिंग दी जा रही है। इस पहल के तहत 106 युवाओं को विदेश में रोजगार मिला है।
- युवाओं के लिए युवा आयोग गठन का फैसला लिया है, जल्द धरातल पर उतरेगा।

संविधान एवं विधि दिवस पर सीएम पुष्कर सिंह धामी की बड़ी सौगात

उत्तम भारत संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने संविधान एवं विधि दिवस के अवसर पर पुलिस लाइन देहरादून में आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। इस दौरान उन्होंने अभियोजन विभाग के लिए तीन महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं। उन्होंने नए आपराधिक कानूनों की प्रशिक्षण और जन-जागरूकता के लिए संविधान सभा के सदस्यों के योगदान को याद किया। सीएम ने विधि, समाजसेवा, चिकित्सा, शिक्षा और अभियोजन क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाली 12 विभूतियों को भी सम्मानित किया। साथ ही सीएम ने उत्तराखण्ड अभियोजन पत्रिका और हमारा राज्य, हमारा कानून का विमोचन किया।

सीएम ने कहा कि अभियोजन सेवा आपराधिक



अभियोजन विभाग के लिए की तीन महत्वपूर्ण घोषणाएं

विभाग को 25 लाख रुपये की अतिरिक्त धनराशि स्वीकृत करने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि अभियोजन विभाग, पुलिस और अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों-कर्मचारियों को नए आपराधिक कानूनों का प्रशिक्षण दिया जाएगा। साथ ही आमजन को इन कानूनों के प्रति जागरूक करने के लिए भी प्रयास किए जाएंगे।

सीएम धामी ने अभियोजन विभाग के कार्यालयों के आधुनिकीकरण के लिए कंप्यूटर और अन्य आवश्यक सुविधाओं हेतु अतिरिक्त धनराशि उपलब्ध कराने की भी घोषणा की।

इसके अलावा प्रदेश के सभी जनपदों में अभियोजन कार्यालयों की बुनियादी सुविधाओं को मजबूत किया जाएगा। इन पहलों से अभियोजन विभाग की कार्यक्षमता बढ़ेगी और राज्य की अभियोजन व्यवस्था और सुदृढ़ होगी।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने उपस्थित लोगों को संविधान की शपथ दिलाई और विधि रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने भारतीय संविधान के शिल्पकार डॉ. भीमराव आंबेडकर तथा न्याय व्यवस्था का महत्वपूर्ण स्तंभ है। अभियोजन अधिकारियों की जिम्मेदारी है कि वे साक्ष्यों का विधिक परीक्षण करें, तथ्यों को न्यायालय के समक्ष निष्पक्ष रूप से प्रस्तुत करें। पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए मजबूत पक्ष रखें। उन्होंने कहा कि नए आपराधिक कानूनों के लागू होने से अभियोजन अधिकारियों की भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। राज्य सरकार न्याय व्यवस्था को आधुनिक और सशक्त बनाने के लिए ई-फाइलिंग, डिजिटल न्यायालयों तथा वर्चुअल सुनवाई की सुविधाओं का विस्तार कर रही है।

सीएम धामी ने प्रदेश में कानून के शासन और अपराध के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि कानून तभी प्रभावी होता है, जब उसका पालन बिना भेदभाव हो और उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो। उन्होंने अभियोजन विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों से ईमानदारी, पारदर्शिता और निष्पक्षता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने का आह्वान किया।

चिड़ियाघर में आवारा कुत्ते की तलाश जारी, हिरणों की सुरक्षा को लेकर चिंता

उत्तम भारत संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली के चिड़ियाघर में करीब दो सप्ताह से एक आवारा कुत्ते की तलाश की जा रही है। यह कुत्ता मुख्य द्वार से परिसर में घुसा और इसकी मौजूदगी से चिड़ियाघर के अन्य जानवरों की सुरक्षा को खतरा पैदा हो गया है।

अधिकारियों के मुताबिक, कुत्ता 12 नवंबर को चिड़ियाघर में दाखिल हुआ था और इसकी तस्वीर सीसीटीवी कैमरों में रिकॉर्ड हुई थी। उसे पकड़ने के लिए विभिन्न स्थानों पर पिंजरे और जाल लगाए गए हैं, लेकिन 176 एकड़ में फैले चिड़ियाघर में घनी वनस्पति और जानवरों के बाड़ों की वजह से तलाशी अभियान में



मुश्किल आ रही है।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि कई टीमें कुत्ते की लगातार तलाश कर रही हैं। हर शाम सात से आठ अतिरिक्त सुरक्षाकर्मी तैनात किए जा रहे हैं, जो विशेष रूप से जानवरों के बाड़ों और उस स्थान के आसपास गश्त करते हैं, जहां कुत्ता आखिरी बार देखा गया था। प्रवेश द्वारों और बाड़ों के आसपास भी सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

कुत्ते को पकड़ने में हो रही देरी से चिंता बढ़ गई है, क्योंकि चिड़ियाघर में पहले भी ऐसी घटनाओं में हिरणों की मौत हो चुकी है। वर्ष 2022 में आवारा कुत्तों को देखकर घबराए तीन हिरणों, जिनमें दो हॉग हिरण और एक सीका हिरण शामिल था, की मौत हो गई थी। वर्ष 2012 में भी आवारा कुत्तों के चिड़ियाघर में घुसने के बाद चार चिंकारा मारे गए थे। अधिकारी ने बताया कि 2022 की घटना के बाद आवारा कुत्तों को रोकने के लिए चिड़ियाघर की चारदीवारी के कुछ हिस्सों को ऊंचा और मजबूत किया गया था। चिड़ियाघर ने हाल ही में परिसर में निगरानी मजबूत करने के लिए करीब 488 सीसीटीवी कैमरे लगाने का टेंडर भी जारी किया है।

विशेषज्ञों के अनुसार, कुत्ते जैसे शिकारी जानवरों को देखकर हिरणों में अत्यधिक डर पैदा हो सकता है। इससे वे जान बचाने के लिए लगातार भागते हैं और उनकी मांसपेशियों को गंभीर नुकसान पहुंच सकता है। इस स्थिति को 'एक्सर्शनल मायोपैथी' कहा जाता है, जो गंभीर मामलों में हिरणों की मौत का कारण भी बन सकती है।

इस साल जनवरी में प्रकाशित एक वैज्ञानिक अध्ययन में इस स्थिति के प्रभावों का आकलन किया गया था। नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर और मध्य प्रदेश वन विभाग के शोधकताओं ने 26 चीतल और सात काकड़ हिरणों के रक्त के नमूनों का अध्ययन किया था। ये हिरण पीछा किए जाने, कुत्तों के काटने या पकड़ने के दौरान शारीरिक तनाव से गुजरे थे।

हवा फिर जहरीली, कई इलाकों में 300 के पार पहुंचा पीएम2.5

उत्तम भारत संवाददाता



नई दिल्ली। दिल्ली में वायु प्रदूषण का स्तर एक बार फिर चिंता बढ़ा रहा है। राजधानी के कई इलाकों में हवा में मौजूद बेहद बारीक प्रदूषण कण पीएम2.5 का स्तर काफी अधिक दर्ज किया गया है। सीपीसीबी के आंकड़ों के अनुसार, आईटीओ में पीएम2.5 का स्तर 304 और दिल्ली टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी (डीटीयू) में 300 दर्ज किया गया। वहीं, दिल्ली विश्वविद्यालय के नॉर्थ कैंपस में यह स्तर 284 तक पहुंच गया। इन आंकड़ों से साफ है कि दिल्ली के कई इलाकों में लोगों को प्रदूषित हवा में सांस लेनी पड़ रही है।

आंकड़ों के अनुसार, आईटीओ और डीटीयू के अलावा सीआरआरआई मथुरा रोड में पीएम2.5 का स्तर 279, आनंद विहार में 270, बुराड़ी क्रॉसिंग में 269 और चांदनी चौक में 264 दर्ज किया गया। वहीं, पंजाबी बाग में 260, बुराड़ी में 259, आया नगर में 258 और विवेक विहार में 252 का स्तर रहा। ज्यादातर निगरानी केंद्रों पर पीएम2.5 का स्तर 200 से अधिक दर्ज किया गया।

इनमें बवाना, छावला, जहांगीरपुरी, मुंडका, नरेला, रोहिणी, नेहरू नगर, आरके पुरम और सोनिया विहार जैसे इलाके शामिल हैं। वहीं, पटपड़गंज में 180, मंदिर मार्ग में 182 और वासुंधरा एन्क्लेव में 187 का स्तर दर्ज किया गया। आंकड़ों के अनुसार, पूसा और श्री अरबिंदो मार्ग के निगरानी केंद्रों पर पीएम2.5 का स्तर 141 दर्ज किया गया। वहीं, लोदी रोड में 151, नजफगढ़ में 158 और करणी सिंह शूटिंग रेंज में 175 का स्तर रहा। हालांकि, इन इलाकों में भी प्रदूषण का स्तर सामान्य से काफी अधिक है।

चांदनी चौक स्थित फतेहपुरी मस्जिद के पास गोलीबारी में एक जख्मी

उत्तम भारत संवाददाता

नई दिल्ली। पुरानी दिल्ली में चांदनी चौक स्थित शाही फतेहपुरी मस्जिद के बाहर कुछ लड़कों के बीच हुए झगड़े के दौरान गोलीबारी में एक शख्स जख्मी हो गया है। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि बुधवार देर रात कुछ लड़को में झगड़ा हुआ था, जिस दौरान एक गोली चली जो एक व्यक्ति के पैर में लगी और उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। यह घटना मुगलकालीन मस्जिद के कटरा बाड़ियान के गेट की तरफ हुई। उन्होंने बताया कि जख्मी की हालत ठीक है।

भीड़भाड़ वाले इलाके में गोलीबारी की सूचना मिलने के बाद पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) निहारिका भट्ट समेत वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे। साथ में



अपराध दल और फॉरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला की टीमें भी पहुंचीं और उन्होंने मौके से जरूरी सबूत इकट्ठा किए। पुलिस ने बताया कि टीम आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही हैं और सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही हैं।

पुलिस ने बताया कि इस बाबत लाहौरी गेट थाने में संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया गया है और घटना में शामिल लोगों का पता लगाने के लिए जांच जारी है।

जल्दी पैसा कमाने के लिए कर रहा था चोरी, धरा

नई दिल्ली। जल्दी पैसा कमाने के लालच में मोती नगर और कीर्ति नगर इलाके में लगातार चोरी की वारदातों को अंजाम दे रहे एक आरोपी को कीर्ति नगर थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान सूरज के रूप में हुई है। पुलिस ने उसकी निशानदेही पर चोरी के दो लैपटॉप, एक बैग और एक पेन ड्राइव बरामद की है। आरोपी की गिरफ्तारी से कीर्ति नगर थाने में दर्ज चोरी के चार मामलों का खुलासा हुआ है। जिला पुलिस उपायुक्त हरेश्वर वी स्वामी ने बताया कि 18 नवंबर को सुदर्शन पार्क निवासी रंजीत सिंह ने कीर्ति नगर थाने में शिकायत दी थी कि उनके घर से दो लैपटॉप और नकदी चोरी हो गई है। थाना प्रभारी महाबीर सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने इलाके में छानबीन करने के साथ तकनीकी निगरानी और सूचनाओं के आधार पर आरोपी की तलाश शुरू की। 24 नवंबर को पुलिस टीम ने एक सूचना पर आरोपी को राजौरी गार्डन से गिरफ्तार कर लिया।

छठ पर्व पर अश्लील कॉमेडी मामले में दिल्ली पुलिस की कार्रवाई, कॉमेडियन के खिलाफ एफआईआर दर्ज



उत्तम भारत संवाददाता

नई दिल्ली। बिहार की महिलाएं, छठ पर्व और सिंदूर लगाने पर किए गए अश्लील कॉमेडी मामले में दिल्ली पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। दिल्ली के साकेत पुलिस स्टेशन में स्टैंड-अप कॉमेडियन यश माहेश्वरी के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। बिहार की महिलाओं और पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से जुड़ी कथित आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर विवाद हुआ था। शिकायतकर्ता निलोटपाल मृणाल ने साकेत थाने में एफआईआर दर्ज कराई है।

शिकायत में आरोप है कि 24 अक्टूबर को साकेत स्थित एक क्लब में आयोजित कार्यक्रम के दौरान बिहार की महिलाओं, उनकी गरिमा, धार्मिक आस्था और सांस्कृतिक परंपराओं को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणियां की गईं। शिकायत में कॉमेडियन यश माहेश्वरी, कार्यक्रम के आयोजकों और कॉमेडी क्लब के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई है। शिकायतकर्ता ने कार्यक्रम की वीडियो रिकॉर्डिंग, सोशल मीडिया पोस्ट और अन्य डिजिटल सामग्री की जांच की मांग की है। एफआईआर में बीएनएस की धारा 79, 196, 296 और 352 लगाई गई हैं। पुलिस कार्यक्रम की वीडियो रिकॉर्डिंग और अन्य साक्ष्यों की जांच करेगी।

बता दें कि इससे पहले पटना के साइबर थाने में भी उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज हो चुकी है। विवाद बढ़ने के बाद यश माहेश्वरी ने संबंधित वीडियो हटाने, सोशल मीडिया अकाउंट निष्क्रिय करने और सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की बात कही है।

14 साल में देशभर में बनाई पहचान पार्टी ने बदली राजनीति: केजरीवाल

उत्तम भारत संवाददाता

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी ने 14वें स्थापना दिवस पर अपने अब तक के राजनीतिक सफर को उपलब्धि बताते हुए भविष्य के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सामाजिक सुरक्षा से जुड़े संकल्प दोहराए। पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि राजनीति पार्टी को नहीं बदल पाई, बल्कि पार्टी ने राजनीति को बदलने का काम किया है।

केजरीवाल ने सोशल मीडिया पर कार्यकताओं और समर्थकों को बधाई देते हुए कहा कि 14 साल पहले जब पार्टी बनी थी, तब उसकी सफलता और अस्तित्व को लेकर कई सवाल उठाए गए थे। इसके बावजूद पार्टी न केवल कायम रही, बल्कि देशभर के लोगों का विश्वास और प्यार भी हासिल किया। उन्होंने कहा कि दिल्ली और पंजाब में सरकार बनाने के साथ जम्मू-कश्मीर, गोवा और गुजरात तक पार्टी को लोगों का समर्थन मिला। पार्टी ने शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे मुद्दों पर काम की राजनीति की है। देश के लिए अभी बहुत कुछ करना बाकी है और पार्टी न डरेगी, न पीछे हटेगी।

पार्टी के वरिष्ठ नेता मनीष सिसोदिया ने कहा कि दिल्ली और पंजाब में सरकारी स्कूलों, अस्पतालों और बिजली-पानी की सुविधाओं में किए गए काम से ईमानदार राजनीति का असर लोगों की जिंदगी में दिखा है। उन्होंने कहा कि पार्टी ऐसा भारत बनाने का सपना देखती है, जहां हर बच्चे को बेहतर शिक्षा, युवाओं को रोजगार, किसानों को उपज का पूरा दाम और बेटियों को सुरक्षा मिले। किसी परिवार को इलाज के लिए जीवनभर की बचत खर्च न करनी पड़े। उन्होंने संविधान और लोकतंत्र की रक्षा करते हुए इस दिशा में काम करते रहने का संकल्प दोहराया।

कमरे में कई दिन पुराना शव मिला

नई दिल्ली। पुल प्रहलादपुर के लालकुआं, चुंगी नंबर दो में एक कमरे से 25 वर्षीय युवक का कई दिन पुराना शव मिलने से सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान आमिर खान के रूप में हुई है। वह मकान में किराए पर रहता था और दिहाड़ी मजदूरी करता था। कमरे से तेज दुर्गंध आने पर गुरुवार को पड़ोसियों ने पुलिस को सूचना दी थी। पुलिस के अनुसार, पड़ोसियों ने कमरे का दरवाजा खोलने का प्रयास किया, लेकिन वह अंदर से बंद था। सूचना पर पहुंची पुल प्रहलादपुर थाना पुलिस ने दरवाजा तोड़कर अंदर प्रवेश किया। कमरे में आमिर का शव बिस्तर पर पड़ा मिला। पुलिस ने क्राइम टीम और फॉरेंसिक विशेषज्ञों को मौके पर बुलाकर जांच कराई। टीम ने साक्ष्य जुटाए।प्राथमिक जांच में कमरे में संघर्ष के निशान नहीं मिले और न ही मृतक के शरीर पर चोट के निशान पाए गए। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

12 दिसंबर को उत्तरी रिज में होगी हेरिटेज वॉक

अशोक स्तंभ, म्यूटिनी मेमोरियल और पीर गाइब समेत पांच ऐतिहासिक स्थल देखेंगे प्रतिभागी, 500 रुपये होगा शुल्क

उत्तम भारत संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली की ऐतिहासिक धरोहरों और उनसे जुड़ी कहानियों को करीब से जानने का मौका मिलने जा रहा है। दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) और इंटैक के दिल्ली अध्याय की ओर से 12 दिसंबर को उत्तरी रिज में हेरिटेज वॉक आयोजित की जाएगी। उपराज्यपाल सरदार तरनजीत सिंह संधू के निर्देश पर होने वाली इस यात्रा में प्रतिभागियों को दिल्ली के प्राचीन इतिहास से लेकर 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम और अंग्रेजी शासन के दौर की जानकारी दी जाएगी। डीडीए और इंटैक के समझौते के तहत छह महीने में कुल 12 हेरिटेज वॉक आयोजित होंगी। इससे पहले महरौली पुरातात्विक पार्क और संजय वन में भी ऐसी यात्राएं आयोजित की जा चुकी हैं। इसका उद्देश्य लोगों को दिल्ली की



विरासत से जोड़ना और उसके संरक्षण के प्रति जागरूक करना है।

हेरिटेज वॉक के दौरान पांच प्रमुख ऐतिहासिक स्थलों का भ्रमण कराया जाएगा। इनमें म्यूटिनी मेमोरियल (अजीतगढ़), अशोक स्तंभ, हिंदू राव अस्पताल, पुरानी बावली और पीर गाइब शामिल हैं। प्रतिभागियों को बताया जाएगा कि तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व का अशोक स्तंभ मूल रूप से मेरठ क्षेत्र में स्थापित था, जिसे 14वीं शताब्दी में सुल्तान फिरोज शाह तुगलक दिल्ली लेकर आए थे। वहीं, वर्ष 1863 में बना म्यूटिनी मेमोरियल 1857 की घटनाओं से जुड़ा है। डीडीए के अनुसार, इस हेरिटेज वॉक के लिए ऑनलाइन पंजीकरण कराया जा सकता है। प्रति व्यक्ति 500 रुपये और लागू जीएसटी शुल्क निर्धारित है।

गुजरात की तांबे की घंटियां और काजल की पेंटिंग, केरलम के जायके भी बने आकर्षण

नारियल के रेशे से बने गमले, जंगल की चाय और चंदन तेल के भी खरीदार

उत्तम भारत संवाददाता

नई दिल्ली। व्यापार मेले में गुजरात और केरलम के स्टॉल पर परंपरा, हुनर और स्थानीय कारोबार की अनूठी झलक देखने को मिल रही है। गुजरात के कच्छ की हाथ से तैयार तांबे की घंटियां और विंड चाइम लोगों का ध्यान खींच रहे हैं, वहीं अहमदाबाद की दिव्यांग कलाकार काजल अपनी पेंटिंग के जरिये प्रतिभा का प्रदर्शन कर रही हैं। दूसरी ओर, केरलम के स्टॉल पर समुद्री खानपान, नारियल के रेशे से बने पर्यावरण अनुकूल उत्पाद, जंगल की चाय और चंदन के सामान खरीदारों को आकर्षित कर रहे हैं। इन स्टॉलों पर हस्तशिल्प से लेकर खानपान तक की ऐसी रेंज है, जिसमें अलग-अलग बजट के विकल्प मौजूद हैं।

गुजरात के कच्छ से आए साहिल अपने स्टॉल पर पारंपरिक तरीके से तैयार तांबे की घंटियां यानी कॉपर



बेल और विंड चाइम लेकर पहुंचे हैं। हाथ से तैयार इन उत्पादों में कच्छ की पारंपरिक कारीगरी की झलक दिखाई देती है। यहां 100 रुपये से कॉपर की-रिंग उपलब्ध है, जबकि कॉपर बेल की कीमत 6000 रुपये तक है। विंड चाइम 600 से 3000 रुपये तक में खरीदी जा सकती हैं। सजावट के लिए इस्तेमाल होने वाले इन उत्पादों की अलग-अलग डिजाइन और कीमतें ग्राहकों को आकर्षित कर रही हैं।

काजल की पेंटिंग में दिख रही कला की ताकत

अहमदाबाद की सुनने और बोलने में असमर्थ कलाकार काजल अपनी रचनात्मकता से मेले में अलग पहचान बना रही हैं। वह कैनवास के साथ कांच, पत्थर और बोतलों पर भी पेंटिंग करती हैं। उनकी बनाई कलाकृतियों और सजावटी उत्पादों की कीमत 500 से 5000 रुपये तक है। काजल पहले भी व्यापार मेले में हिस्सा ले चुकी हैं। इस बार भी वह अपनी कलाकृतियों के साथ पहुंची हैं। रोजमर्रा की वस्तुओं को अपनी कला से आकर्षक रूप देना उनके काम की खासियत है।

नारियल के रेशे से तैयार हो रहे पर्यावरण के अनुकूल उत्पाद

केरलम के कॉयर विभाग के स्टॉल पर नारियल के रेशे यानी कॉयर से बने उत्पादों की विस्तृत रेंज उपलब्ध है। विभाग से जुड़े गिरीश बहादुर के मुताबिक, यहां रस्सी से तैयार मैट 300 से 3000 रुपये तक में मिल रहे हैं। बागवानी के लिए कोको पॉट की कीमत 25 से 120 रुपये है। इसके अलावा रस्सी से बने गमले 250 रुपये और नेस्ट 150 रुपये में उपलब्ध हैं। उत्पादों के डेमो पीस 300 से 700 रुपये तक में खरीदे जा सकते हैं। इनका इस्तेमाल घरों, बालकनी और गार्डन की सजावट के साथ बागवानी में भी किया जा सकता है।

नए रंग रूप में दिखेगा डीयू का दूसरा साहित्य महोत्सव

12 से 14 फरवरी तक होगा आयोजन, भारतीय लोक नाटक भी महोत्सव का होंगे हिस्सा



उत्तम भारत संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय में एक बार फिर साहित्य की महफिल सजने जा रही है। यह मौका है डीयू के दूसरे साहित्य महोत्सव का, जो कि पहले महोत्सव से ज्यादा भव्य होगा। डीयू 12 से 14 फरवरी तक दूसरे साहित्य महोत्सव का आयोजन करने जा रहा है। बृहस्पतिवार को डीयू कुलपति प्रो. योगेश सिंह की अध्यक्षता में हुई साहित्य महोत्सव कमेटी की बैठक में यह निर्णय लिया गया। बैठक में महोत्सव की तैयारियों और आयोजन से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई। कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने कहा कि पिछले वर्ष आयोजित विश्वविद्यालय का पहला साहित्य महोत्सव सफल रहा था। उन्हें उम्मीद है कि इस बार का आयोजन पहले से भी बड़ा और बेहतर होगा। उन्होंने सुझाव दिया कि साहित्य महोत्सव के दौरान उन हस्तियों को भी सम्मानित किया जाए, जिन्होंने देश का मान बढ़ाया है। कुलपति ने कहा कि महोत्सव में दिल्ली विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों की अधिक से अधिक भागीदारी होनी चाहिए। इसके साथ ही सभी कॉलेजों और शिक्षण विभागों को भी आयोजन से जोड़ा जाए। महोत्सव के कार्यक्रम देशहित को ध्यान में रखकर तैयार किए जाने चाहिए। इनमें ऐसी कोई गतिविधि शामिल नहीं होनी चाहिए, जो सामाजिक सौहार्द और राष्ट्रहित के खिलाफ हो।

साहित्य महोत्सव कमेटी की चेयरपर्सन और डीयू दक्षिणी परिसर की निदेशक प्रो. रजनी अब्बी भी बैठक में शामिल रही। महोत्सव के संयोजक अनूप लाठर ने बताया कि इस बार के साहित्य महोत्सव में देशभर के जाने-माने लेखक, कवि, मीडिया जगत की हस्तियां और साहित्य से जुड़े लोग शामिल होंगे। महोत्सव के दौरान पुस्तक विमोचन और पुस्तकों पर चर्चा के कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे।

ट्रैवल सर्विस के नाम पर 25 लाख की ठगी, दो गिरफ्तार

गलती से 2.50 लाख की जगह ट्रांसफर हो गए थे 25 लाख रुपये

उत्तम भारत संवाददाता

नई दिल्ली। ट्रैवल सर्विस उपलब्ध कराने का झांसा देकर 25 लाख रुपये की साइबर ठगी करने के मामले में शाहदरा जिला साइबर थाना पुलिस ने लखनऊ से दो लोगो को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान 32 वर्षीय बुद्धन रामजनम यादव उर्फ श्रीकेश और 22 वर्षीय गौतम यादव के रूप में हुई है। ठगी की रकम में से अब तक 15 लाख रुपये पीड़ित को वापस कराए जा चुके हैं।

पुलिस उपायुक्त आरपी मीणा ने बताया कि सात अक्तूबर को क्रेनलिंक इंफ्रा सर्विसेज के चार्टर्ड अकाउंटेंट और अधिकृत प्रतिनिधि सिद्धांत शुक्ला ने साइबर थाना पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने कंपनी के लिए ट्रैवल सर्विस तलाशते हुए कुछ लोगों से व्हाट्सऐप पर संपर्क किया था। बातचीत के बाद 2.50 लाख रुपये अग्रिम भुगतान करने का समझौता हुआ। इसके लिए आरोपियों ने श्रीकिशुन ट्रैवल्स के एचडीएफसी बैंक खाते की जानकारी दी। शिकायतकर्ता ने गलती से 2.50 लाख रुपये के



बजाय 25 लाख रुपये ट्रांसफर कर दिए। गलती का पता चलने पर उन्होंने रकम वापस मांगी, लेकिन आरोपी टालमटोल करने लगे। बाद में श्रीकिशुन ट्रैवल्स का मोबाइल फोन भी बंद हो गया।

इंस्पेक्टर श्वेता शर्मा की टीम ने एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू की। एएसआई राजदीप और हेड कांस्टेबल दीपक की टीम ने बैंक खातों, मोबाइल नंबरों, कॉल डिटेल और लेनदेन की पड़ताल की। जांच में सामने आया कि 20 लाख रुपये शिवा ट्रेडर्स के एक्सिस बैंक खाते में दो किस्तों में 15 लाख और पांच लाख रुपये भेजे गए। दो लाख रुपये दूसरे बैंक खाते में ट्रांसफर किए गए, जबकि तीन लाख रुपये लखनऊ के गोमती ज्वेलर्स में पीओएस मशीन के जरिए सोने के आभूषण खरीदने में खर्च किए गए। वित्तीय लेनदेन की कड़ियां जोड़ते हुए पुलिस ने दोनों आरोपियों की पहचान की और लखनऊ में छापेमारी कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया।

डीसीपी के अनुसार, बुद्धन ने दूसरे स्तर के बैंक खाते से चेक के जरिए 20 लाख रुपये निकाले और अपने साथियों को सौंप दिए। उसने गोमती ज्वेलर्स की पीओएस मशीन से तीन लाख रुपये के दो सोने के हार भी खरीदे और 20 फीसदी कमीशन के बदले साथियों को दे दिए। वहीं, गौतम ने अपने नाम पर जारी सिम कार्ड उपलब्ध कराया था, जो शुरूआती स्तर के एचडीएफसी बैंक खाते से जुड़ा था। दोनों आरोपी अपने साथियों के साथ मिलकर बैंक खातों और सिम कार्ड का इस्तेमाल ठगी की रकम छिपाने और उसे अलग-अलग खातों में भेजने के लिए करते थे।

पुलिस ने आरोपियों से तीन मोबाइल फोन, आठ सिम कार्ड, सात एटीएम कार्ड, दो चेकबुक, आभूषण खरीदने की ट्रांजेक्शन स्लिप, श्रीकिशुन ट्रैवल्स की बिल बुक की एक पर्ची और एक सोने की चेन बरामद की है। पुलिस के मुताबिक, पीड़ित को अब तक 15 लाख रुपये वापस कराए जा चुके हैं।

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

वरि0 मण्डल यांत्रिक इंजीनियर/उत्तर रेलवे, ट्रेनसेट डिपो, शकूरबस्ती, भारत के राष्ट्रपति की ओर से उनके लिए निम्नलिखित कार्य के लिए IREPS साइट **(www.ireps.gov.in)** पर आमंत्रित की जाती है।

निविदा संख्या	2581033TSDSSB
कार्य का विवरण	जिंद स्थित हाइड्रोजन प्लांट में वाटर इलेक्ट्रोलाइजर प्लांट की आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण, कमीशनिंग एवं प्रशिक्षण की व्यवस्था, साथ ही 02 वर्ष की वारंटी अवधि के दौरान निवारक अनुरक्षण अनुबंध (PMC) तथा वारंटी अवधि पूर्ण होने के उपरांत 05 वर्ष की व्यापक वार्षिक अनुरक्षण अनुबंध (CAMC) की व्यवस्था।
अनुमानित लागत	₹ 18,41,49,124.40 (GST सहित)
बयाना राशि	₹ 36,83,000.00
कार्य अवधि	93 माह
निविदा खुलने की तिथि, समय	15.12.2026, 15:00 बजे
निविदा प्रपत्र डाउनलोड करने के इंटरनेट साइट	उपरोक्त निविदा IREPS साइट पर उपलब्ध है जो कि है **www.ireps.gov.in** दिनांक 23.11.2026, 16:42 बजे से प्रभावी है।

संः 25.8.1033.TSD.SSB दिनांक : 25.11.2026 4108/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

कपिल मिश्रा के कार्यालय के बाहर हुई हत्या के मामले में शामिल आरोपी मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार

उत्तम भारत संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली खजूरी खास इलाके में कानून मंत्री कपिल मिश्रा के कैंप कार्यालय के पास दिनदहाड़े हुई एक व्यक्ति की हत्या के मामले में वांछित आरोपी को पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि इस दौरान आरोपी ने पुलिस टीम पर चार गोलियां चलाईं, जिनमें से एक गोली एक पुलिसकर्मी की बुलेटप्रूफ जैकेट पर लगी। पुलिस ने आत्मरक्षा में छह गोलियां चलाईं, जिनमें से एक आरोपी के पैर में लगी। पुलिस के अनुसार, आरोपी की पहचान अमान गाजी उर्फ नासिर कमाल उर्फ अमान उर्फ पहलवान (26) के रूप में हुई है।



वह करावल नगर का रहने वाला है और कुख्यात बदमाश नसीम दुरानी का करीबी सहयोगी बताया जा रहा है। उसके पास से एक अर्ध-स्वचालित पिस्तौल, नौ कारतूस, दो मैगजीन और चोरी की एक मोटरसाइकिल बरामद की गई है। पुलिस ने बताया कि बुधवार रात करीब साढ़े 11 बजे उत्तर-पूर्वी दिल्ली के नानक सर से तीसरे पुश्ते की ओर जाने वाली सड़क पर श्मशान घाट के पास आरोपी को पकड़ने के लिए जाल बिछाया गया था। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि पुलिस टीम को देखते ही उसने मोटरसाइकिल छोड़कर गोलीबारी शुरू कर दी और चेतावनी के बावजूद उसने गोली चलाना जारी रखा। अधिकारी ने बताया कि जवाबी कार्रवाई में उसके बाएं पैर में गोली लगी, जिसके बाद उसे पकड़कर जग प्रवेश चंद्र अस्पताल ले जाया गया।

पुलिस के मुताबिक, आरोपी 16 नवंबर को खजूरी खास इलाके के जीरो पुश्ता, सोनिया विहार में समीर उर्फ भूरा की हत्या के मामले में वांछित था। समीर अपने दोस्त के साथ स्कूटी पर जा रहा था, तभी मोटरसाइकिल सवार दो हमलावरों ने उन्हें रोककर गोलीबारी की थी, जिसमें उसकी मौत हो गई थी।

जांच में नसीम दुरानी और हारून सैफी के गिरोहों के बीच पुरानी रंजिश की बात सामने आई।

इसी हत्याकांड के सिलसिले में पिछले हफ्ते दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा और उत्तर प्रदेश पुलिस के विशेष कार्य बल ने संयुक्त अभियान में बुलंदशहर में नसीम दुरानी को मुठभेड़ के बाद ढेर कर दिया था।

पुलिस ने बताया कि अमान पर हत्या की साजिश में शामिल होने और वारदात के दौरान हमलावरों की मोटरसाइकिल चलाने का आरोप है। वह हथियार के बल पर लूटपाट के गांधी नगर थाने में दर्ज एक मामले में भी शामिल रहा है। पुलिस ने बताया कि बरामद मोटरसाइकिल ज्योति नगर इलाके से चोरी की गई थी। मामले की जांच जारी है।

दुरानी अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम गिरोह से कथित तौर पर जुड़ा हुआ था।

पुलिस 'डी-कंपनी' और दुरानी से जुड़े आपराधिक नेटवर्क के साथ उसके कथित संबंधों की भी जांच कर रही है।

रेखा गुप्ता ने माता अमृतानंदमयी देवी 'अम्मा' से की मुलाकात
अमृतश्री स्वयं सहायता समूह कार्यक्रम का किया शुभारंभ



उत्तम भारत संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने गुरुवार को ब्रह्मस्थानम महोत्सव में माता अमृतानंदमयी देवी 'अम्मा' से मुलाकात कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने अमृतश्री स्वयं सहायता समूह कार्यक्रम का भी शुभारंभ किया।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने आज सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट साझा करते हुए कहा कि ब्रह्मस्थानम महोत्सव में माता अमृतानंदमयी देवी अम्मा का सान्निध्य और आशीर्वाद प्राप्त करना उनके लिए सौभाग्य की बात है। उन्होंने कहा कि अम्मा का जीवन सेवा परमो धर्मः की सनातन संस्कृति का जीवंत स्वरूप है। मुख्यमंत्री ने बताया कि अमृतश्री स्वयं सहायता समूह कार्यक्रम के माध्यम से महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई है। उन्होंने कहा कि देश के 21 राज्यों में 15 हजार से अधिक स्वयं सहायता समूहों के जरिए लाखों महिलाओं को स्वावलंबी बनाने का अम्मा का सेवा कार्य अत्यंत प्रेरणादायी है। इस अवसर पर सांसद बांसुरी स्वराज, विधायक शिखा राय, गजेंद्र यादव सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

पैसों के विवाद में युवक पर चलाई गोली

नई दिल्ली। उत्तरी दिल्ली के लाहौरी गेट इलाके में पैसों के लेन-देन को लेकर हुए विवाद में एक युवक ने दूसरे युवक पर गोली चला दी। गोली लगने से बाड़ा हिंदू राव निवासी अमान (20) घायल हो गया। वारदात के बाद आरोपी फरार हो गया। पुलिस ने घायल को लोकनायक जयप्रकाश (एलएनजेपी) अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसकी हालत स्थिर है। पुलिस के मुताबिक, बुधवार देर रात लाहौरी गेट इलाके में कुछ युवकों के बीच पैसों के लेन-देन को लेकर कहासुनी हो गई थी। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया। इसी दौरान एक युवक ने पिस्तौल निकालकर फायरिंग कर दी। गोली अमान के पैर में जा लगी। पुलिस घायल के बयान के आधार पर आरोपी की पहचान कर तलाश में जुटी है। पुलिस के अनुसार, घायल अमान के खिलाफ भी पहले से विभिन्न थानों में चोरी और झपटमारी के मामले दर्ज हैं।

सफाई के लिए दक्षिणपुरी वार्ड को मिलीं 30 टिपर गाड़ियां
विधायक बोले- वाहन बढ़ाने से नहीं सुधरेगी व्यवस्था

उत्तम भारत संवाददाता

नई दिल्ली। देवली विधानसभा के दक्षिणपुरी वार्ड नंबर-164 में सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए दिल्ली सरकार ने 30 नई टिपर वाहन उपलब्ध कराए हैं। विधायक प्रेम चौहान ने बुधवार को हरी झंडी दिखाकर इन वाहनों को रवाना किया।

विधायक प्रेम चौहान ने कहा कि दिल्ली के हर वार्ड में कम से कम 40 टिपर गाड़ियों की जरूरत है। उन्होंने कहा कि पहले वार्ड में 6 से 10 गाड़ियों से ही काम चलाया जा रहा था, जिसकी वजह से सफाई व्यवस्था प्रभावित हो रही थी। सदन में लगातार आवाज उठाने के बाद अब 30 गाड़ियां उपलब्ध कराई गई हैं।

हालांकि, विधायक ने बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहा कि सिर्फ गाड़ियों की संख्या बढ़ाने से



दिल्ली साफ नहीं होगी। जब तक कर्मचारी और अधिकारी ग्राउंड पर काम नहीं करेंगे और उनकी नियमित मानिटरिंग नहीं होगी, तब तक सफाई व्यवस्था में सुधार मुश्किल है। इस अवसर पर निगम पार्षद रामस्वरूप कनौजिया भी उपस्थित रहे।

चोरी के मामले में दो नाबालिग पकड़े

नई दिल्ली। उत्तर पश्चिम जिला सेंधमार निरोधक शाखा ने मुखर्जी नगर इलाके में चोरी के मामले में दो नाबालिगों को पकड़ा है। पुलिस ने इनके पास से चोरी के 35 हजार रुपये, एक मोबाइल फोन, तांबे का तार और पानी के दो मीटर बरामद किए हैं। जिला पुलिस उपायुक्त आकांक्षा यादव ने बताया कि 18 नवंबर को मुखर्जी नगर के एक मकान में चोरी की शिकायत मिली थी। पुलिस टीम ने घटनास्थल और आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। फुटेज में दिख रहे आरोपियों की स्थानीय स्तर पर पहचान करवाने के बाद दोनों को पकड़ लिया। पुलिस नाबालिगों से पूछताछ कर मामले की छानबीन कर रही है।

सीजेपी नेता सौरव दास के खिलाफ लुकआउट सर्कुलर जारी, केंद्र ने दिल्ली हाईकोर्ट में दी जानकारी

उत्तम भारत संवाददाता

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के सह-संयोजक सौरव दास के खिलाफ एक ह्यलुक आउट सर्कुलर (एलओसी) जारी किया गया है, जिससे उनके विदेश जाने पर रोक लगी है। गुरुवार को केंद्र सरकार ने दिल्ली हाईकोर्ट में यह जानकारी दी।

सौरव दास की विदेश जाने से रोकने के खिलाफ दायर याचिका पर गुरुवार को दिल्ली हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। केंद्र की ओर से पेश हुए एडिशनल सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) चेतन शर्मा ने हाईकोर्ट को बताया कि सौरव दास के खिलाफ ह्यलुक आउट सर्कुलर (एलओसी) जारी किया गया है। चेतन शर्मा ने बताया कि सौरव दास के पासपोर्ट में पाई गई कमियों का असर उनकी भारतीय नागरिकता पर भी पड़ सकता है।

वहीं, सौरव दास की ओर से पेश हुए वकील ने कोर्ट में पक्ष रखा कि जब इमिग्रेशन अधिकारियों ने उन्हें फ्लाइट में



चढ़ने से रोका, तो उन्हें इस ह्यलुक आउट सर्कुलर के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई थी।

इसके बाद दिल्ली हाईकोर्ट ने सौरव दास की याचिका पर केंद्र सरकार से जवाब मांगा और मामले को 9 दिसंबर को अगली सुनवाई के लिए सूचीबद्ध कर दिया।

सीजेपी नेता सौरव दास ने हाईकोर्ट में उन्हें विदेश जाने से रोकने के सरकारी अधिकारियों के फैसले को चुनौती दी है। सौरव दास का आरोप है कि उन्हें दिल्ली एयरपोर्ट पर अधिकारियों ने लंदन जाने से रोक दिया, जहां उन्हें ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी में एक लेक्चर देना था। वहीं, बुधवार को भारतीय विदेश मंत्रालय (एमईए) ने बताया कि पासपोर्ट आवेदन में जन्मस्थान से संबंधित जानकारी में कथित विसंगति को लेकर सौरव दास को चेन्नई स्थित क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय (आरपीओ) की ओर से कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। उन्हें सात दिनों के भीतर स्पष्टीकरण देने को कहा गया है।

संविधान दिवस पर डीयू में एनएसयूआई ने निकाला मार्च

उत्तम भारत संवाददाता

नई दिल्ली। संविधान दिवस के अवसर पर बृहस्पतिवार को छात्र संगठन एनएसयूआई ने दिल्ली विश्वविद्यालय परिसर में संविधान बचाओ मार्च निकाला। यह मार्च पटेल चेस्ट से शुरू होकर आर्ट्स फैकल्टी गेट तक पहुंचा। इसमें एनएसयूआई के पदाधिकारियों, छात्र नेताओं और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया। इस दौरान एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने संविधान बचाने के लिए नारे भी लगाए।

मार्च के दौरान छात्रों ने संविधान के सम्मान, लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा और नागरिकों के संवैधानिक अधिकारों को सुरक्षित रखने का संदेश दिया। मार्च के दौरान एनएसयूआई के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी रवि पांडेय ने कहा कि भारतीय संविधान देश के लोकतंत्र की नींव है। यह हर नागरिक को समानता, न्याय और मौलिक अधिकार प्रदान करता है। संविधान की रक्षा करना हम सभी की जिम्मेदारी है। संगठन छात्रों के अधिकारों, सामाजिक न्याय और संविधान के आदर्शों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। मार्च के माध्यम से एनएसयूआई ने संविधान के मूल्यों की रक्षा और देश में लोकतांत्रिक सिद्धांतों को मजबूत करने का संकल्प दोहराया।

एसकेएम के जंतर-मंतर विरोध मार्च की अनुमति नहीं दी गई: दिल्ली पुलिस

उत्तम भारत संवाददाता

नई दिल्ली। संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) और अन्य कार्यकर्ताओं द्वारा प्रस्तावित विरोध मार्च से पहले दिल्ली पुलिस ने बृहस्पतिवार को निषेधाज्ञा लागू होने का हवाला देते हुए नई दिल्ली जिले में अनधिकृत रूप से सभा और प्रदर्शन करने पर रोक लगा दी है। पुलिस द्वारा जारी एक सार्वजनिक नोटिस में कहा गया है कि ऐसी सूचना मिली है कि संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) और अन्य कार्यकर्ता बृहस्पतिवार को काली बाड़ी से जंतर-मंतर तक मार्च निकालने की योजना बना रहे



हैं। नोटिस में कहा गया, हालांकि, इस प्रस्तावित मार्च की अनुमति मांगने के लिए कोई आवेदन प्राप्त नहीं हुआ है और न ही इसके लिए कोई अनुमति दी गई है।

पुलिस ने बताया कि नई दिल्ली जिले में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस), 2023 की धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा लागू है। इस आदेश के तहत अनधिकृत रूप से सभा करने, जुलूस निकालने, प्रदर्शन करने, भाषण देने, नारेबाजी करने और धरना देने पर प्रतिबंध लगाया गया है।

पुलिस ने लोगों से इन प्रतिबंधों का पालन करने का आग्रह किया और चेतावनी दी कि इनका उल्लंघन करने पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

जैन स्थानक में चोरी करने वाला आरोपी पकड़ा

नई दिल्ली। मौर्या एन्क्लेव में जैन स्थानक में हुई चोरी के मामले को पुलिस ने कुछ ही घंटे में सुलझाते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान बुध विहार फेज-1 निवासी सुभाष जैन के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके पास से चोरी का मोबाइल फोन, 2700 रुपये, तीन डेबिट-क्रेडिट कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस और ब्लड बैंक कार्ड बरामद किया है। उत्तर पश्चिम जिला पुलिस उपायुक्त आकांक्षा यादव ने बताया कि 18 नवंबर को पीयू ब्लॉक, पीतमपुरा स्थित जैन स्थानक में चोरी की वारदात की सूचना मिली थी। शिकायत के आधार पर पुलिस ने चोरी का मामला दर्ज कर जांच शुरू की। उत्तर-पश्चिम जिला पुलिस की सेंधमारी निरोधक शाखा को जांच सौंपी गई। टीम ने सीसीटीवी, स्थानीय स्तर पर पूछताछ और मुखबिरों से मिली जानकारी के आधार पर आरोपी की पहचान की।

मंडावली में जलभराव से लोग परेशान
जाम नालियों ने बढ़ाई मुश्किल

उत्तम भारत संवाददाता

नई दिल्ली। लक्ष्मी नगर विधानसभा क्षेत्र के मंडावली स्थित साकेत ब्लॉक में जाम नालियों के कारण जलभराव की समस्या गंभीर हो गई है। नालियों का गंदा पानी गलियों और घरों के सामने जमा होने से लोगों का घरों से निकलना मुश्किल हो गया है।

स्थानीय महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों को सबसे अधिक परेशानी हो रही है। स्कूली बच्चों को भी रोजाना गंदे पानी से होकर गुजरना पड़ रहा है। निवासियों के अनुसार, लंबे समय से नालियों की सफाई नहीं होने के कारण उनमें गाद और कचरा जमा हो गया है। मुख्य नाले से पानी की निकासी बाधित होने के कारण गंदा पानी वापस गलियों में भर रहा है।

स्थानीय निवासी राहुल ने बताया कि लगातार जलभराव से दुर्गंध फैल रही है और मच्छरों का प्रकोप बढ़ने से बीमारियों का खतरा बना हुआ है। कई बार शिकायत के बावजूद समस्या का समाधान नहीं हुआ है। निवासियों ने संबंधित विभाग से नालियों की तत्काल सफाई कराने और जल निकासी की उचित व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है।

चोरी की बाइक से लूटपाट करने वाला गिरफ्तार

नई दिल्ली। उत्तर-पश्चिम जिले की वाहन चोरी निरोधक शाखा ने चोरी की बाइक से लूटपाट करने वाले बदमाश को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान आदर्श नगर निवासी जुनेद खान के रूप में हुई है। पुलिस ने उसकी निशानदेही पर चोरी की तीन बाइक बरामद की हैं। आरोपी पर पहले से झपटमारी, चोरी, लूट, सेंधमारी और आर्म्स एक्ट के 25 आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस उपायुक्त आकांक्षा यादव ने बताया कि 24 नवंबर को वाहन चोरी निरोधक शाखा की टीम शाह आलम बांध रोड के पास गश्त कर रही थी। इसी दौरान सूचना मिली कि जुनेद खान चोरी की बाइक के साथ जहांगीरपुरी की मछली मार्केट में मौजूद है। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और आरोपी को दबोच लिया। दस्तावेजों की जांच करने पर पता चला कि बाइक चोरी की है। पूछताछ में उसने बाइक चोरी की कई वारदातों में शामिल होने की बात कबूल की है।

'गरीबी अपराध का बहाना नहीं', चेन लूटने वाली दो महिलाओं को छह माह की जेल

उत्तम भारत संवाददाता

नई दिल्ली। रोहिणी कोर्ट की न्यायिक मजिस्ट्रेट भारती बेनीवाल ने शाहबाद डेयरी लूट मामले में दो महिलाओं को छह-छह माह के कठोर कारावास की सजा सुनाते हुए टिप्पणी की है कि यह अचानक हुई घटना नहीं थी।

दोनों ने योजनाबद्ध तरीके से महिला के भरोसे का फायदा उठाया और वारदात को अंजाम दिया। गरीबी या आर्थिक परेशानी आपराधिक कृत्य को उचित नहीं ठहरा सकती। प्रत्येक व्यक्ति को बिना किसी भय के सुरक्षित घूमने का अधिकार है।

न्यायिक मजिस्ट्रेट भारती बेनीवाल का फैसला

न्यायिक मजिस्ट्रेट भारती बेनीवाल ने सपना और प्रियंका को दोषी करार दिया है। मुकदमे की सुनवाई महज 32 दिनों में पूरी की गई है। पुलिस के अनुसार, दोनों महिलाओं ने शिकायतकर्ता महिला को बहाने से एक सुनसान स्थान पर बुलाया था। उन्होंने महिला से कहा कि उनकी सास झाड़ियों के पीछे बेहोश पड़ी है और उसे मदद की जरूरत है।

उनकी बातों में आकर महिला वहां पहुंच गई। इसके बाद दोनों ने उसे पकड़ लिया और शारीरिक बल का इस्तेमाल कर उसके गले से सोने की चेन छीन ली। घटना की सूचना मिलते ही शाहबाद डेयरी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों महिलाओं को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस ने लूटी गई सोने की चेन भी बरामद कर ली। मामले में मुकदमा दर्ज किया गया था। अभियोजन पक्ष की ओर से एपीपी प्रमोद कुमार ने मामले की पैरवी की। अदालत ने दोनों दोषियों को सजा सुनाई व साथ ही कानून के अनुसार विचाराधीन अवधि का लाभ देने का भी आदेश दिया।

आउटर-नॉर्थ जिला पुलिस का क्या कहना है?

आउटर-नॉर्थ जिला पुलिस के अनुसार, पिछले छह महीनों में त्वरित सुनवाई और एसआईटी मामलों में यह आठवीं सजा है। पुलिस ने इसे जांच, अभियोजन और न्यायपालिका के बीच बेहतर समन्वय का परिणाम बताया है।

दिल्ली में बिना साफ किया गया सीवेज नालों में बहाए जाने पर एनजीटी सख्त, दिल्ली जल बोर्ड से मांगा जवाब

उत्तम भारत संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली में सीवेज प्रदूषण के मुद्दे पर राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने सख्त रुख अपनाया है। बिना शोधन (ट्रीटमेंट) किए गए सीवेज को नालों में छोड़े जाने के मामले में एनजीटी ने दिल्ली जल बोर्ड से जवाब तलब किया है। एनजीटी ने इस व्यवस्था पर नाराजगी जताते हुए दिल्ली जल बोर्ड को फटकार लगाई। एनजीटी ने दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) को मौके पर जाकर जांच करने और पानी के सैंपल लेने का आदेश दिया है। एनजीटी ने दिल्ली जल बोर्ड से पूछा कि काम पूरा होने का दावा करने के बावजूद नालों में गंदा पानी कैसे बह रहा है।

सुनवाई के दौरान तस्वीरें पेश की गईं, जिनमें दावा किया गया कि पंत नगर और लाजपत नगर के ड्रेन नंबर-22 में अब भी बिना ट्रीट किया हुआ सीवेज बह रहा है। इसको लेकर एनजीटी ने दिल्ली जल बोर्ड के चीफ इंजीनियर से जवाब मांगा है, जिन्होंने 21 नवंबर को काम पूरा होने और प्रगति को लेकर हलफनामा दिया था। ट्रिब्यूनल ने कहा कि अगर हलफनामे में दी गई जानकारी गलत या झूठी पाई गई तो कानूनी कार्रवाई की जा सकती है।

एनजीटी ने दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति को मौके पर जाकर जांच करने और नालों के पानी के सैंपल लेकर उनकी जांच कराने का आदेश दिया है। दिल्ली जल बोर्ड को दो हफ्ते में नया हलफनामा दाखिल करना होगा। इसमें सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट और छोटे सीवेज ट्रीटमेंट प्लांटों के काम की असली स्थिति, देरी की वजह और काम पूरा होने की नई तारीख बतानी होगी।

एनजीटी ने इस बात पर भी सवाल उठाया कि जिन कामों के



टेंडर पहले एक साथ जारी किए गए थे, उन्हें बाद में तीन-चार हिस्सों में बांटकर अलग-अलग कंपनियों को क्यों दिया गया। डिफेंस कॉलोनी के पास लगाए जा रहे नैनो बबल्स प्लांट को लेकर भी दिल्ली जल बोर्ड से जवाब मांगा गया है।

बोर्ड को बताना होगा कि प्लांट शुरू हुआ या नहीं, कब से काम कर रहा है और इससे कितना फायदा हो रहा है। एनजीटी ने कहा कि केवल काम जारी है, यह बताना काफी नहीं है। विभाग को यह भी बताना होगा कि कितना काम पूरा हो चुका है।

दिल्ली के 22 नालों को साफ करने और सीवेज रोकने के काम की समय सीमा भी बढ़ाई गई है। कई काम अब मार्च और जून 2027 तक पूरे होने की उम्मीद है। मामले में दिल्ली शहरी आश्रय सुधार बोर्ड (डीयूएसआईबी) को भी दिल्ली जल बोर्ड के हलफनामे पर जवाब देने के लिए एक हफ्ते का समय दिया गया है। वहीं, एनजीटी में मामले की अगली सुनवाई 22 दिसंबर को होगी।

संविधान दिवस पर पुलिस आयुक्त कार्यालय में शपथ ग्रहण समारोह

आयुक्त सतेंद्र कुमार गुप्ता ने दिलाई संविधान के प्रति समर्पण की शपथ



उत्तम भारत संवाददाता

फरीदाबाद। संविधान दिवस के अवसर पर 26 नवंबर को फरीदाबाद पुलिस की ओर से पुलिस आयुक्त कार्यालय, सेक्टर-21उ में शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। इस दौरान पुलिस आयुक्त सतेंद्र कुमार गुप्ता ने उपस्थित पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को संविधान के प्रति समर्पण, राष्ट्र की एकता, अखंडता एवं आपसी भाईचारा बनाए रखने की शपथ दिलाई।

पुलिस आयुक्त ने कहा कि संविधान दिवस देश की एकता, अखंडता एवं सामाजिक सद्भाव बनाए रखने के संकल्प को दोहराने का महत्वपूर्ण अवसर है। भारत की विविधता में एकता ही देश की सबसे बड़ी ताकत है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि संविधान दिवस के अवसर पर फरीदाबाद के विभिन्न पुलिस थानों एवं चौकियों में भी शपथ ग्रहण कार्यक्रम आयोजित किए गए, जहां पुलिसकर्मियों को संविधान के प्रति समर्पित, देश की अखंडता एवं सुरक्षा बनाए रखने की शपथ दिलाई। सभी पुलिसकर्मियों ने राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए अपने कर्तव्यों का निष्ठा एवं ईमानदारी से निर्वहन करने तथा समाज में भाईचारा एवं सौहार्द बनाए रखने का संकल्प लिया।

बच्चे का जन्म प्रमाणपत्र बनवाया

पलवल (एजेंसी)। जिला सचिवालय में गुरुवार को आयोजित समाधान शिविर में उपायुक्त डॉ. जयेंद्र सिंह छिल्लर ने एक बच्चे का जन्म प्रमाण पत्र मौके पर ही बनवाकर परिजन को सौंप दिया। इससे खुश होकर बच्चे के पिता ने जिला प्रशासन का आभार जताया। शिविर में उपायुक्त ने विभिन्न विभागों से जुड़ी नागरिकों की समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को समयबद्ध समाधान के निर्देश दिए। पलवल निवासी रोहताश कुमार ने अपने बेटे ध्रुव का जन्म प्रमाण पत्र बनवाने के लिए शिकायत दी थी। उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश देकर मौके पर ही प्रमाण पत्र बनवा दिया।

शिविर में परिवार पहचान पत्र, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, राशन कार्ड, सरकारी योजनाओं का लाभ और अतिक्रमण से संबंधित शिकायतें भी आईं।

दुकान से बैटरी चुराने के मामले में 2 आरोपी गिरफ्तार

3 बैट्री बरामद, क्राईम ब्रांच सेक्टर-85 की कार्रवाई

उत्तम भारत संवाददाता



फरीदाबाद- फरीदाबाद पुलिस द्वारा चोरो पर लगातार कार्रवाई की जा रही है, जिस पर नेहरु ग्राउंड ठक्कछ फरीदाबाद से दुकान से बैटरी चुराने के मामले में कार्रवाई करते हुए क्राईम ब्रांच सेक्टर-85 की टीम ने 2 आरोपितों को गिरफ्तार किया है। जिनकी पहचान संदीप व भारत वासी लौनी गाजियाबाद उत्तर प्रदेश के रुप में हुई है।

पुलिस प्रवक्ता अनुसार रामस्वरुप वासी पलवल ने थाना कोतवाली में दी अपनी शिकायत में बताया कि उसकी नेहरु ग्राउण्ड ठक्छ में दुकान है। जहां से किसी नामपता नामालुम व्यक्ति द्वारा 3 बैटरी चोरी कर ली गई। जिस संबंध में थाना कोतवाली में चोरी से संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया गया। पूछताछ में सामने आया कि दोनों आरोपितों ने 9/10 नवंबर की रात को दुकान का शटर तोडकर चोरी की वारदात को अंजाम दिया था आरोपित 3 बैटरी को वैगनार गाडी में रखकर ले गये थे। संदीप पर पूर्व में चोरी के 11 मामले दर्ज है वहीं भारत पर पूर्व में चोरी के 6 मामले दर्ज है। आरोपितों से 3 चोरीशुदा बैटरी बरामद कि गई है। दोनों को माननीय न्यायलय में पेश कर जेल भेजा गया है।

हिंदुस्तान स्काउट्स एंड गाइड्स का 28वां वार्षिक उत्सव धूमधाम से मनाया

विद्यार्थियों ने दी सांस्कृतिक प्रस्तुतियां

सुमित गोयल



बल्लभगढ़। हिंदुस्तान स्काउट्स एंड गाइड्स एसोसिएशन का 28वां वार्षिक उत्सव बल्लभगढ़ के ऊंचा गांव स्थित एसआरएस पब्लिक स्कूल में धूमधाम से आयोजित किया गया। कार्यक्रम में एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. वीरेंद्र परमार मुख्य रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता स्कूल के अध्यक्ष सुनील अधाना ने की।

कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर स्कूल के विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर उपस्थित अतिथियों का मन मोह लिया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. वीरेंद्र परमार ने कहा कि एसोसिएशन का मुख्य उद्देश्य आज की युवा पीढ़ी को जागरूक, अनुशासित और जिम्मेदार नागरिक बनाना है। इसी उद्देश्य को लेकर संगठन देशभर में विभिन्न गतिविधियों और राष्ट्रीय अधिवेशनों का आयोजन कर रहा है। उन्होंने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें समाज और राष्ट्र की सेवा के लिए आगे आने का संदेश दिया।

इस अवसर पर स्काउट्स एंड गाइड्स के पदाधिकारी राजेंद्र सिंह सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे। स्कूल अध्यक्ष सुनील अधाना ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया।

साइबर अपराधों से बचाव के लिए चलेगा जागरूकता अभियान

उत्तम भारत संवाददाता



फरीदाबाद : राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (ठअछरअ) के निदेर्शानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, फरीदाबाद द्वारा जिले के सभी सरकारी एवं निजी विद्यालयों में बच्चों की ऑनलाइन सुरक्षा एवं साइबर अपराधों से बचाव के लिए विशेष जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। अभियान का उद्देश्य विद्यार्थियों को साइबर खतरों के प्रति जागरूक करना तथा उन्हें इंटरनेट के सुरक्षित एवं जिम्मेदार उपयोग के लिए प्रेरित करना है।

यह अभियान जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, फरीदाबाद जगदीप सिंह के कुशल मार्गदर्शन तथा मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट-सह-सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, फरीदाबाद जितेंद्र सिंह के नेतृत्व में संचालित किया जाएगा।

सीजेएम जितेंद्र सिंह ने बताया कि अभियान के तहत जिला के विद्यालयों में चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098, साइबर क्राइम हेल्पलाइन नंबर 1930 तथा राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल से संबंधित जागरूकता पोस्टर लगाए जाएंगे। इन माध्यमों के जरिए बच्चों को साइबर अपराध की स्थिति में सहायता एवं शिकायत दर्ज कराने के उचित तरीकों की जानकारी दी जाएगी।

विद्यालयों में आयोजित होने वाले जागरूकता कार्यक्रमों के दौरान विद्यार्थियों को साइबर बुलिंग, ऑनलाइन ग्रूमिंग, सेक्सटॉर्शन तथा एआई के माध्यम से तैयार की जाने वाली भ्रामक एवं फर्जी सामग्री जैसे ऑनलाइन खतरों के प्रति भी जागरूक किया जाएगा। इसके साथ ही बच्चों को सुरक्षित पासवर्ड, व्यक्तिगत जानकारी की गोपनीयता, संदिग्ध लिंक एवं संदेशों से बचाव तथा सोशल मीडिया के जिम्मेदार उपयोग सहित डिजिटल स्वच्छता के विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी जाएगी।

सीजेएम जितेंद्र सिंह ने कहा कि वर्तमान डिजिटल दौर में बच्चों को ऑनलाइन खतरों से सुरक्षित रखने के लिए जागरूकता और सही जानकारी बेहद आवश्यक है। उन्होंने कहा कि अभियान का उद्देश्य विद्यार्थियों को साइबर अपराधों से बचाव के प्रति सजग करना तथा किसी भी साइबर घटना की स्थिति में उचित माध्यम से शिकायत करने के लिए सक्षम बनाना है। उन्होंने अभिभावकों एवं शिक्षकों से भी अपील की कि वे बच्चों की ऑनलाइन गतिविधियों के प्रति सजग रहें और उन्हें सुरक्षित एवं जिम्मेदार डिजिटल व्यवहार के लिए निरंतर प्रेरित करें।

बड़खल एसडीएम कार्यालय में प्राकृतिक आपदा से निपटने के लिए मॉक ड्रिल आयोजित

उत्तम भारत संवाददाता



फरीदाबादः डीजी होमगार्ड एवं सिविल डिफेंस के आदेश अनुसार उपायुक्त आयुष सिन्हा के मार्गदर्शन, बड़खल उपमंडलाधीश त्रिलोक चंद और जिला राजस्व अधिकारी विकास कुमार के नेतृत्व में एसडीम ऑफिस बड़खल में भूकंप आपदा पर मॉकड्रिल का आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम में एसडीआरएफ, होमगार्ड, सिविल डिफेंस, फायर ब्रिगेड, रेडक्रॉस एवं सिविल डिफेंस के स्वयंसेवकों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में गिरी हुई इमारत में से 21 घायल को 2 हैंड शीट, 3 हैंड शीट, चार हाथ शीट, फायरमैन लिफ्ट, पिक ए बैक, रिवर्स पिक ए बैग, फोर आर्म लिफ्ट, स्ट्रेचर, ब्लैंकेट लिफ्ट, व्हीलचेयर की मदद से निकाला गया। फायर अधिकारी ने पानी के द्वारा आग पर काबू पाया। कार्यक्रम के कोऑर्डिनेटर एवं सिविल डिफेंस के चीफ वार्डन डॉ एमपी सिंह ने मॉक ड्रिल कराने हेतु टीमों का गठन हुए तथा सभी क्विक रिस्पांस टीमों की जिम्मेदारियां को बताकर उनके तालमेल के साथ भूकंप मॉकड्रिल को संपन्न कराया।

उपमंडलाधीश त्रिलोक चंद ने कहा कि फरीदाबाद समेत पूरा दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र भूकंप के लिहाज से सेस्मिक जोन 4 में आता है। यहां पर भूकंप का अंदेशा बना रहता है। ऐसे आपात स्थिति में अपनी सुरक्षा के अलावा नागरिकों की सुरक्षा करने के लिए पूर्व अभ्यास करना बहुत जरूरी है। होमगार्ड के कंपनी कमांडर मनजीत सिंह, सिविल डिफेंस के विक्की, सीडी आई की टीमों ने पांच घायलों को आपदा मित्र आसिफ के नेतृत्व में चार घायलों को बहुमंजिला इमारत से विभिन्न तरीकों से निकाला गया। सिविल अस्पताल तथा रेड क्रॉस के द्वारा फर्स्ट एड पोस्ट लगाई गई। इस कार्यक्रम को संपन्न कराने में नायब तहसीलदार उमेश कुमार और प्रोजेक्ट ऑफिसर गुरकरण की सराहनीय भूमिका रही। जिला राजस्व अधिकारी विकास कुमार ने आए हुए सभी क्विक रिस्पांस टीमो का धन्यवाद किया। यह मॉक ड्रिल सुबह 11:30 बजे शुरू होकर दोपहर बाद 2 बजे सम्पन्न हुई। किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है यह सिर्फ सभी विभागों की तैयारी का आकलन करने के लिए तथा जागरूकता के लिए की गई थी।

फरीदाबाद में बाल विवाह के खिलाफ प्रशासन की बड़ी कार्रवाई

एक सप्ताह में दो बाल विवाह रुकवाए

उत्तम भारत संवाददाता



फरीदाबाद : उपायुक्त आयुष सिन्हा के मार्गदर्शन में बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीति के उन्मूलन के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत फरीदाबाद जिला प्रशासन को महत्वपूर्ण सफलता मिली है। जिला प्रशासन की तत्पर कार्रवाई और आमजन के सहयोग से एक सप्ताह के भीतर दो बाल विवाह रुकवाए गए हैं। समय रहते की गई कार्रवाई से नाबालिग बच्चों का भविष्य सुरक्षित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, पहला मामला एसजीएम नगर क्षेत्र से सामने आया, जहां एक नाबालिग लड़के का विवाह राजस्थान में प्रस्तावित था तथा बारात राजस्थान जानी थी। प्रशासन को इस संबंध में सूचना मिलते ही संबंधित अधिकारियों एवं टीम द्वारा तत्परता से कार्रवाई की गई और बाल विवाह को रुकवा दिया गया। वहीं, दूसरा मामला 26 नवंबर को जिला के एक गांव से सामने आया। प्रशासन को फोन के माध्यम से सूचना मिली कि गांव में एक नाबालिग लड़की का विवाह प्रस्तावित है और बारात जेवर से आने वाली है। सूचना प्राप्त होते ही संबंधित अधिकारियों एवं टीम ने मौके पर पहुंचकर आवश्यक कार्रवाई की और बाल विवाह को रुकवाने में सफलता प्राप्त की।

संरक्षण अधिकारी एवं बाल विवाह निषेध अधिकारी हेमा कौशिक ने बताया कि दोनों मामलों में आमजन का सहयोग अत्यंत सराहनीय रहा है। उन्होंने कहा कि लोगों की जागरूकता और समय पर प्रशासन को दी गई सूचना के कारण ही बाल विवाह जैसी कुप्रथा को रोकना संभव हो पाया। उन्होंने आमजन से अपील की कि जिले में कहीं भी बाल विवाह की जानकारी मिलने पर तुरंत संबंधित अधिकारियों, जिला प्रशासन अथवा डायल 112 को इसकी सूचना दें। सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान पूर्ण रूप से गोपनीय रखी जाएगी तथा प्राप्त शिकायत पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने कहा कि बाल विवाह न केवल कानूनन अपराध है, बल्कि यह बच्चों के शिक्षा, स्वास्थ्य और उज्ज्वल भविष्य के अधिकारों को भी प्रभावित करता है। इसलिए समाज के प्रत्येक व्यक्ति की जिम्मेदारी है कि वह बाल विवाह के विरुद्ध जागरूक बने और ऐसी किसी भी घटना की जानकारी मिलने पर प्रशासन का सहयोग करे।

जिला प्रशासन ने कहा कि ह्यबाल विवाह मुक्त भारत-2030ह्ल के संकल्प को साकार करने के लिए प्रशासनिक प्रयासों के साथ-साथ समाज की सक्रिय भागीदारी भी आवश्यक है। प्रशासन ने जिले के नागरिकों से अपील की है कि वे जागरूक नागरिक की भूमिका निभाते हुए बाल विवाह के विरुद्ध अभियान में सक्रिय सहयोग दें और बाल विवाह मुक्त समाज के निर्माण में अपना योगदान सुनिश्चित करें।

नगर निगम फरीदाबाद में संविधान दिवस मनाया गया



उत्तम भारत संवाददाता

फरीदाबाद। नगर निगम फरीदाबाद द्वारा आज संविधान दिवस मनाया गया, यह कार्यक्रम निगम के कॉन्फ्रेंस रूम में आयोजित किया गया। नगर निगम आयुक्त यशेंद्र सिंह के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम में जॉइंट कमिश्नर रणवीर सिंह की उपस्थिति में निगम अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने संविधान के मूल सिद्धांतों का पालन करते हुए अपने कर्तव्यों का निष्ठा, ईमानदारी और जिम्मेदारी के साथ निर्वहन करने की शपथ ली।

इस अवसर पर अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भारतीय संविधान में निहित मूल्यों, लोकतांत्रिक व्यवस्था, समानता, न्याय, स्वतंत्रता और बंधुत्व की भावना को आत्मसात करने तथा जनसेवा के कार्यों में संवैधानिक मयार्दाओं का पालन करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर संविधान निमार्ता डॉक्टर भीमराव अंबेडकर सहित संविधान को निर्माण में योगदान करने वाले सभी महानुभावों को नमन कर याद किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्रीय एवं कर अधिकारी सुमन रतरा, क्षेत्रीय एवं कर अधिकारी विकास कन्हैया, मुख्यालय सफाई निरीक्षक बिशन तेवतिया सहित सहायक सफाई निरीक्षक, लिपिक एवं नगर निगम के अन्य अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

ड्रोन उद्यमी योजना से युवाओं को मिलेगा स्वरोजगार का मौका

फरीदाबाद (एजेंसी)। आधुनिक तकनीक के जरिए स्वरोजगार शुरू करने के इच्छुक अनुसूचित जाति के युवाओं के लिए हरियाणा सरकार ने नई पहल की है। हरियाणा अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम (एचएसएफडीसी) की ड्रोन उद्यमी योजना के तहत युवा ड्रोन संचालन का प्रशिक्षण और वित्तीय सहायता लेकर अपना व्यवसाय शुरू कर सकेंगे। योजना का उद्देश्य युवाओं को ड्रोन तकनीक से जोड़कर रोजगार के नए अवसर उपलब्ध कराना और उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है। उपायुक्त आयुष सिन्हा ने बताया कि योजना के तहत पात्र अनुसूचित जाति के युवाओं को ड्रोन तकनीक का प्रशिक्षण देने के साथ नियमानुसार ऋण और अन्य वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। इसके माध्यम से युवा विभिन्न क्षेत्रों में ड्रोन आधारित सेवाओं का व्यवसाय स्थापित कर सकेंगे। योजना के तहत कृषि क्षेत्र में कीटनाशक और उर्वरक का छिड़काव, कृषि भूमि का सर्वेक्षण और डिजिटल मैपिंग, भूमि एवं संपत्ति सर्वेक्षण, निर्माण कार्यों और आधारभूत संरचना परियोजनाओं में ड्रोन सेवाएं देने जैसी गतिविधियां शामिल हैं। इसके अलावा ऊर्जा क्षेत्र में बिजली लाइनों के निरीक्षण सहित अन्य अनुमोदित व्यावसायिक गतिविधियों में भी ड्रोन का इस्तेमाल किया जा सकेगा। योजना का लाभ हरियाणा के निर्धारित पात्रता एवं शर्तें पूरी करने वाले अनुसूचित जाति के युवा उठा सकते हैं। ऋण, अनुदान और प्रशिक्षण सहित अन्य सुविधाएं योजना के दिशा-निदेर्शों के अनुसार दी जाएंगी। इच्छुक युवा योजना की जानकारी और आवेदन संबंधी विवरण निगम की आधिकारिक वेबसाइट पर प्राप्त कर सकते हैं।

बीके अस्पताल के शवगृह के बाहर डेढ़ घंटे पड़ा रहा शव, चाबी न मिलने पर पत्थर से तोड़ा ताला

उत्तम भारत संवाददाता



फरीदाबाद : बीके अस्पताल एक बार फिर व्यवस्थाओं को लेकर चर्चा में है। बुधवार शाम ट्रेन की चपेट में आने से 32 वर्षीय युवक पवन की मौत के बाद शव लेकर पहुंची महिला एएसआई को शवगृह के बाहर करीब डेढ़ घंटे तक इंतजार करना पड़ा। अस्पताल कर्मचारियों के पास शवगृह के गेट की चाबी नहीं मिल सकी, जिसके बाद रात करीब साढ़े नौ बजे हाउसकीपिंग कर्मचारियों ने पत्थर से ताला तोड़कर शव अंदर रखवाया। जीआरपी की महिला एएसआई सुरेश के अनुसार, पवन बुधवार शाम ओल्ड रेलवे स्टेशन पर सुशासन एक्सप्रेस ट्रेन की चपेट में आ गए थे। वह अपने फूफा को ट्रेन में छोड़ने आए थे और उन्हें छोड़ने के बाद वापस लौट रहे थे, तभी यह हादसा हो गया। सूचना मिलने पर जीआरपी पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए बीके अस्पताल भिजवाया।

महिला एएसआई सुरेश रात करीब 8 बजे शव लेकर बीके अस्पताल के पोस्टमॉर्टम हाउस पहुंचीं। वहां शवगृह के गेट पर ताला लगा मिला। उन्होंने कर्मचारियों से चाबी लाने को कहा, तो वे तलाश में निकले, लेकिन करीब डेढ़ घंटे तक चाबी नहीं मिल पाई। इस दौरान महिला एएसआई को शव के साथ बाहर ही खड़े रहना पड़ा। काफी तलाश के बावजूद चाबी न मिलने पर रात करीब साढ़े नौ बजे हाउसकीपिंग कर्मचारी संदीप और बलबीर मौके पर पहुंचे। उनके पास भी चाबी नहीं थी, जिसके बाद दोनों ने पत्थर से गेट का ताला तोड़ा और शव को शवगृह के अंदर रखवाया। इसके बाद पोस्टमॉर्टम की प्रक्रिया आगे बढ़ाई गई।

मामले को लेकर बीके अस्पताल के सीएमओ डॉ. जयंत आहूजा ने कहा कि शवगृह में शव रखवाने की जिम्मेदारी पुलिस की होती है और पुलिस द्वारा शव को पोस्टमॉर्टम हाउस में रखवाने के बाद ही अस्पताल की जिम्मेदारी शुरू होती है। हालांकि, करीब डेढ़ घंटे तक ताला लगे रहने और चाबी उपलब्ध न होने के सवाल पर उन्होंने स्पष्ट जवाब नहीं दिया।

फरीदाबाद में जरूरतमंदों के लिए पूरी तरह संचालित हैं रैन बसेरे

उत्तम भारत संवाददाता



फरीदाबाद। सर्दी के मौसम को देखते हुए नगर निगम फरीदाबाद द्वारा शहर में संचालित रैन बसेरों को जरूरतमंद एवं बेघर लोगों के लिए पूरी तरह से संचालित किया जा रहा है। नगर निगम का उद्देश्य है कि ठंड के मौसम में कोई भी जरूरतमंद व्यक्ति खुले में रात बिताने के लिए मजबूर न हो और उसे सुरक्षित स्थान पर ठहरने की सुविधा मिल सके।

नगर निगम आयुक्त यशेंद्र सिंह के दिशा-निदेर्शों पर शहर के सभी रैन बसेरों में रात्रि के समय जरूरतमंद लोगों के ठहरने की समुचित व्यवस्था की गई है। सभी संबंधित नोडल अधिकारी अपने-अपने क्षेत्रों में रैन बसेरों की नियमित निगरानी कर रहे हैं सभी 6 रेन बसेरों में वहां उपलब्ध सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं का जायजा ले रहे हैं। रैन बसेरों में ठहरने वाले जरूरतमंद लोगों को ठंड से बचाव के लिए गर्म कपड़े एवं अन्य आवश्यक सामान उपलब्ध कराया जा रहा है, ताकि उन्हें सर्दी के मौसम में किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। निगम प्रशासन द्वारा रैन बसेरों में आवश्यक सुविधाओं को सुनिश्चित करने के साथ-साथ उनकी साफ-सफाई और व्यवस्थाओं पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। नगर निगम आयुक्त यशेंद्र सिंह ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि रैन बसेरों में आने वाले प्रत्येक जरूरतमंद व्यक्ति को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं और रात के समय भी व्यवस्थाओं की नियमित निगरानी रखी जाए। नगर निगम का प्रयास है कि सर्दी के दौरान जरूरतमंद एवं बेसहारा लोगों को सुरक्षित आश्रय मिले और वे सम्मानपूर्वक रात गुजार सकें।

हिसार एयरपोर्ट पर 1,457 करोड़ खर्च के बावजूद कम यात्री

कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल से वापस लिया गया सिविल एविएशन विभाग

उत्तम भारत संवाददाता

फरीदाबाद : हिसार एयरपोर्ट के भारी खर्च और कम यात्रियों को लेकर उठे विवाद के बीच मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल से नागरिक उड्डयन (सिविल एविएशन) विभाग वापस ले लिया है।अब यह विभाग मुख्यमंत्री ने अपने पास रख लिया है। इस बदलाव को लेकर सियासी गलियारों में हिसार एयरपोर्ट से जुड़े आंकड़ों और विवादों पर चर्चा तेज हो गई है।

हिसार एयरपोर्ट पर करीब 1,457 करोड़ रुपये खर्च किए जा चुके हैं, लेकिन यात्रियों की संख्या अपेक्षाकृत कम है।एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एएआई) के आंकड़ों के मुताबिक, अप्रैल 2025 से मार्च 2026 के बीच यहां से सिर्फ 9,559 यात्रियों ने सफर किया।इस अवधि में 474 विमानों की आवाजाही हुई, जबकि एक भी माल ढुलाई (कार्गो) नहीं हुई। फिलहाल हिसार एयरपोर्ट से हर हफ्ते 7 उड़ानें आती हैं और 7 जाती हैं, जिनमें दिल्ली, चंडीगढ़, जयपुर और अयोध्या की कनेक्टिविटी शामिल है।कुल यात्रियों में करीब 47 फीसदी अकेले अयोध्या रूट के हैं। वहीं, अप्रैल


Haryana Government Gazette
EXTRAORDINARY
Published by Authority
HARYANA GOVERNMENT
GENERAL ADMINISTRATION
CABINET SECRETARIAT
Notification

और मई 2026 में यात्रियों की संख्या पिछले साल की इसी अवधि के मुकाबले 8.3 फीसदी कम रही।

हरियाणा सरकार ने 2026-27 के बजट में इंटीग्रेटेड एविएशन हब के लिए 315 करोड़ रुपये रखे हैं, जो नागरिक उड्डयन विभाग के कुल 495 करोड़ रुपये के पूंजीगत बजट का करीब 63 फीसदी है।इसके अलावा दिल्ली एयरपोर्ट से देश के कई शहरों के लिए सीधी उड़ानों की उपलब्धता भी हिसार के लिए चुनौती मानी जा रही है।

जुलाई में एयरपोर्ट के आंकड़े सामने आने पर तत्कालीन नागरिक उड्डयन मंत्री विपुल गोयल ने कहा था कि हिसार से व्यावसायिक उड़ानें अप्रैल 2025 में ही शुरू हुई हैं, इसलिए इसे शुरूआती दौर माना जाना चाहिए। उन्होंने सीमित उड़ानों, अलग टर्मिनल की क्षमता और इंस्ट्रूमेंट अप्रोच सिस्टम की कमी का जिक्र करते हुए कहा था कि एयरलाइंस, मेंटेनेंस कंपनियों और लॉजिस्टिक्स ऑपरेटरों से बातचीत चल रही है।

बुधवार देर रात मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने विपुल गोयल से नागरिक उड्डयन विभाग वापस लेकर अपने पास रख लिया। मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी और राज्यपाल के सचिव विजय कुमार भाविकट्टी की ओर से इसकी आधिकारिक अधिसूचना जारी की गई। इस बदलाव के बाद विपुल गोयल के पास राजस्व, आपदा प्रबंधन और शहरी स्थानीय निकाय (यूएलबी) विभाग रहे हैं।सरकार ने विभाग वापस लेने की स्पष्ट वजह नहीं बताई है, जबकि मंत्री विपुल गोयल की ओर से भी इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

भूपानी में 11वीं के छात्र की संदिग्ध हालत में मौत

परिजनों ने एक-दूसरे पर लगाए हत्या के आरोप

उत्तम भारत संवाददाता

फरीदाबाद : भूपानी स्थित मक्कड़ फार्म हाउस के पास बुधवार देर रात 11वीं कक्षा के एक छात्र की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतक की पहचान करीब 18 वर्षीय आदित्य भाटी के रूप में हुई है। घटना के बाद परिवार के सदस्यों के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया है, जिसमें मां और चाचा-ताऊ पक्ष ने एक-दूसरे पर हत्या और जमीन हड़पने जैसे गंभीर आरोप लगाए हैं।

मृतक आदित्य भाटी की मां ने बच्चे के चाचा और ताऊ पर हत्या करने का आरोप लगाया है। मां ने बताया कि उनके पति की वर्ष 2016 में मौत हो गई थी, जिसके बाद से वह बच्चे को अकेले ही पाल रही थीं। दूसरी ओर, चाचा और ताऊ ने इन आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए उल्टा आदित्य की मां पर ही जमीन हड़पने और हत्या करने का आरोप मढ़ दिया है। चाचा-ताऊ पक्ष का कहना है कि मृतक की मां किसी अन्य व्यक्ति के साथ रहती है, जो आदित्य का सौतेला पिता है, और उसी ने आदित्य की हत्या की है।

मृतक की मां ने बताया कि 28 नवंबर को आदित्य का जन्मदिन आने वाला था और उसने मोबाइल फोन दिलाने की मांग की थी। मां के मुताबिक, अभी कुछ दिन पहले ही उन्होंने बेटे के लिए 150 गज का एक



प्लॉट खरीदा था, जिस कारण उन्होंने आदित्य से कहा था कि वह जन्मदिन तक मोबाइल दिला देंगी। हालांकि, आदित्य जन्मदिन से पहले ही मोबाइल लेने की बात कह रहा था।

घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए बीके अस्पताल भिजवाया। पुलिस के मुताबिक, फिलहाल दोनों पक्षों के आरोपों और घटनास्थल से जुड़े तथ्यों की गहनता से जांच की जा रही है। मौत के असली कारणों का खुलासा पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा।

फरीदाबाद की बेटी सिया सोरौत ने ताइक्वांडो टूर्नामेंट में जीता गोल्ड मेडल

फरीदाबाद (एजेंसी)। शहर की होनहार बेटी सिया सोरौत ने अपनी प्रतिभा, मेहनत और खेल के प्रति समर्पण का शानदार प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रीय स्तर पर फरीदाबाद और हरियाणा का नाम रोशन किया है। सिया ने 24 नवंबर 2026 को दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में आयोजित ओपन नेशनल ताइक्वांडो टूर्नामेंट के सब-जूनियर वर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। राहुल सीनियर सेकेंडरी स्कूल की छठी कक्षा की छात्रा सिया ने राष्ट्रीय स्तर की इस प्रतियोगिता में अपनी खेल प्रतिभा का परिचय देते हुए गोल्ड मेडल हासिल किया। उनकी इस उपलब्धि से परिवार के सदस्यों, शिक्षकों और स्कूल प्रबंधन



में खुशी का माहौल है। सिया की सफलता को शहर के लिए भी गौरवपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। सिया की इस कामयाबी ने एक बार फिर साबित किया है कि बेटियां किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं हैं। यदि उन्हें सही मार्गदर्शन, प्रशिक्षण और आगे बढ़ने के अवसर मिलें तो वे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना सकती हैं। सिया की उपलब्धि अन्य बच्चों, विशेषकर बेटियों के लिए भी प्रेरणादायक है। उनकी सफलता पर परिजनों और शुभचिंतकों ने खुशी जाहिर करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

गुरुग्राम में वाहनों के लिए ऑड-ईवन योजना लागू करने की मांग

गुरुग्राम (एजेंसी)। मिलेनियम सिटी गुरुग्राम में प्रदूषण कम करने के सरकार के प्रयासों के बीच अब गुरुग्राम में निजी वाहनों के लिए ऑड-ईवन योजना को लागू करने की मांग उठी है। आईओन गुरुग्राम संस्था की ओर से इस बारे में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को पत्र लिखा है।

गुरुग्राम में वाहनों से होने वाले प्रदूषण को कम करने के लिए एक अतिरिक्त उपाय के तौर पर निजी वाहनों के लिए ऑड-ईवन योजना लागू करने का आईओनगुरुग्राम संस्था ने अनुरोध किया है। पत्र में कहा गया है कि बच्चों को स्कूल छोडड्रे और वापस लाने, रोजमर्रा के छोटे-मोटे कामों के लिए बाहर जाने, ऑफिस आने-जाने और इसी तरह की अन्य निजी यात्राओं से शहर में वाहनों की आवाजाही बढ़ती है। वर्क फ्रॉम होम (घर से काम करने) की व्यवस्था होने के बावजूद, इस तरह की कई यात्राएं जारी रहती हैं, जिससे ट्रैफिक जाम बढ़ता है, वाहन लंबे समय तक चालू हालत में खड़े रहते हैं और प्रदूषण (उत्सर्जन) भी बढ़ता है। इसलिए ऑड-ईवन योजना लागू करने का प्रस्ताव दिया है। इसके तहत वाहनों के रजिस्ट्रेशन



नंबर के आखिरी अंक के आधार पर तय दिनों में ही उन्हें सडक पर चलाने की अनुमति होगी। इसमें कुछ जरूरी छूट का भी प्रावधान होगा। वर्क फ्रॉम होम के साथ इन दोनों उपायों को लागू करने से वाहनों की आवाजाही और उनसे होने वाले उत्सर्जन को कम करने में अधिक व्यापक और प्रभावी मदद मिल सकती है।

संगठन ने यह भी माना कि ऐसा कदम तभी संभव हो पाएगा, जब इसके लिए सावधानीपूर्वक योजना बनाई जाए। सभी संबंधित पक्षों के बीच समन्वय हो और छूट के प्रावधान भी सोच-समझकर तय किए जाएं। संगठन ने आगे कहा कि यह योजना तभी बेहतर तरीके से काम करेगी, जब इसके साथ सार्वजनिक परिवहन के पर्याप्त विकल्प उपलब्ध हों और नियमों को प्रभावी ढंग से लागू किया जाए। इससे लोग निजी वाहनों पर अपनी निर्भरता कम करने के बारे में गंभीरता से विचार कर सकेंगे। आईओन गुरुग्राम के फाउंडर डॉ. सर्वेश कुमार तिवारी ने कहा कि वाहनों से प्रदूषण एक ऐसा क्षेत्र है जहां केंद्रित प्रयासों से कुछ बदलाव लाया जा सकता है। हमारा मानना है कि वर्क फ्रॉम होम और ऑड-ईवन दो ऐसे उपाय हैं, जो एक-दूसरे के पूरक हैं। एक तो बाहर से आने वाले वाहनों की आवाजाही कम होगी, जबकि दूसरा शहर के भीतर पहले से चल रहे ट्रैफिक को नियंत्रित करने में मदद करेगा। उचित छूट और सार्वजनिक परिवहन के पर्याप्त विकल्पों के साथ इस पर गंभीरता से विचार किया जाए। गुरुग्राम हम सभी का है और स्वच्छ हवा में हर निवासी की हिस्सेदारी है।

विकास कार्यों में देरी, गुणवत्ता से समझौता बर्दाश्त नहीं: डॉ. पंकज

गुरुग्राम (एजेंसी)। नगर निगम गुरुग्राम के आयुक्त डॉ. पंकज ने स्पष्ट किया है कि शहर में विकास कार्यों के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की देरी, लापरवाही अथवा गुणवत्ता के साथ समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इंजीनियरिंग विंग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी विकास कार्यों की नियमित निगरानी करें और यह सुनिश्चित करें कि प्रत्येक कार्य निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरा हो।

निगमायुक्त गुरुवार को अपने कार्यालय में इंजीनियरिंग विंग के अधिकारियों के साथ आयोजित समीक्षा बैठक में दिए। बैठक में चीफ इंजीनियर विजय ढाका सहित अधीक्षण अभियंता, कार्यकारी अभियंता, सहायक अभियंता और कनिष्ठ अभियंता उपस्थित रहे। निगमायुक्त ने निर्देश दिए कि सभी जूनियर इंजीनियर अपने-अपने वार्ड में चल रहे विकास कार्यों का नियमित निरीक्षण करें। सहायक अभियंता और कार्यकारी अभियंता भी समय-समय पर मौके पर जाकर कार्यों की जांच करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी विकास कार्य का एस्टीमेट तैयार करने से पहले संबंधित साइट का पूरी तरह निरीक्षण किया जाए और यह सुनिश्चित किया जाए कि वहां किसी प्रकार का विवाद या अतिक्रमण न हो।

एस्टीमेट में सटीकता व जनप्रतिनिधियों के सुझावों को प्राथमिकता

निगमायुक्त ने कहा कि विकास कार्यों के एस्टीमेट में पूरी सटीकता होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि कार्यों का चयन और क्रियान्वयन सही तथ्यों एवं जरूरतों के आधार पर किया जाए, ताकि नागरिकों को वास्तविक लाभ मिल सके। सडक निर्माण के दौरान सीएक्यूएम के दिशा-निदेर्शों का पूरी तरह पालन सुनिश्चित किया जाए, ताकि धूल और प्रदूषण नियंत्रण के मानकों की अनदेखी न हो।

काम पूरा होने पर पार्षद का संतुष्टि-पत्र जरूरी

निगमायुक्त ने स्पष्ट किया कि किसी भी विकास कार्य को पूरा तभी माना जाएगा, जब वह पूरी तरह उपयोग योग्य हो।

कार्य समाप्त होने के बाद संबंधित पार्षद का संतुष्टि-पत्र प्राप्त करना अनिवार्य होगा। उन्होंने कहा कि यदि कोई एजेंसी निर्धारित समय-सीमा के बाद भी कार्य लंबित रखती है या गुणवत्ता के अनुरूप काम नहीं करती है, तो ऐसी एजेंसियों को एक सप्ताह के भीतर नोटिस जारी किया जाए।

रंगदारी मामले में भाजपा नेता ने भाई के खिलाफ दी शिकायत

नूंह (एजेंसी)। भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य जाहिद हुसैन से लॉरेंस बिश्नोई और गोदारा गैंग के नाम पर पांच करोड़ रुपये की रंगदारी मांगने के मामले में नया मोड़ आ गया है। भाजपा नेता जाहिद हुसैन ने नूंह विधायक आफताब अहमद और उनके छोटे भाई मेहताब अहमद के खिलाफ नूंह सिटी थाने में शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की है।

जाहिद हुसैन ने आरोप लगाया है कि रंगदारी मामले में सामने आए चौथे व्यक्ति को बचाने के लिए विधायक आफताब अहमद प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने उक्त व्यक्ति को इस पूरे मामले का मास्टरमाइंड भी बताया है। हालांकि, विधायक और उनके भाई पर लगाए गए आरोपों की पुलिस स्तर पर पुष्टि होना बाकी है।

भाजपा नेता जाहिद हुसैन ने बताया कि पांच करोड़ रुपये की रंगदारी मांगने के मामले में उत्तर प्रदेश के इटावा निवासी एक व्यक्ति ने उन्हें फोन पर धमकी दी थी। उनके अनुसार,



धमकी दिलवाने में बाई गांव के एक व्यक्ति की भूमिका है, जबकि इस मामले का मुख्य आरोपी पश्चिम बंगाल का बताया जा रहा है। पुलिस अब तक इस मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है। वहीं, गिरफ्तार आरोपी मुकीम ने पूछताछ के दौरान आबिद, रहीश, शकील और वसीम के नाम बताए हैं। जाहिद हुसैन का आरोप है कि मामले में चौथे व्यक्ति का नाम सामने आने के बाद विधायक आफताब अहमद उसे बचाने के प्रयास में जुट गए हैं।

उन्होंने दावा किया कि जिस व्यक्ति को बचाने की कोशिश की जा रही है, वही इस पूरे प्रकरण का मास्टरमाइंड है।नक्शे देखें

भाजपा नेता के मुताबिक, दो दिन पहले दीहाना गांव में एक शादी समारोह के दौरान कांग्रेस विधायक आफताब अहमद से उनकी मुलाकात हुई थी। इस दौरान विधायक ने उनसे सवाल किया कि रंगदारी मामले में उनका नाम क्यों लिया जा रहा है। इस पर जाहिद हुसैन ने जवाब दिया कि आरोपियों को बचाने के प्रयास किए जा रहे हैं, जिससे उन्हें इस मामले में विधायक की भूमिका पर संदेह हो रहा है।

गौरतलब है कि 27 सितंबर को भाजपा नेता जाहिद हुसैन को लॉरेंस बिश्नोई और गोदारा गैंग के नाम पर पांच करोड़ रुपये की रंगदारी मांगने के लिए फोन पर धमकी दी गई थी। इसके बाद उन्होंने पुलिस को शिकायत देकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी। मामले में पुलिस की ओर से अब तक तीन आरोपियों की गिरफ्तारी की जा चुकी है। अब विधायक और उनके भाई के खिलाफ दी गई शिकायत के बाद इस प्रकरण में नया विवाद खड़ा हो गया है।

हरियाली के लिए पर्यावरण शाखा सिर्फ बिल्डरों के भरोसे नहीं रहेगी

गुरुग्राम (एजेंसी)। हरियाली के लिए गुरुग्राम महानगर विकास प्राधिकरण (जीएमडीए) की पर्यावरण शाखा अब सिर्फ बिल्डरों के सीएसआर फंड के भरोसे नहीं रहेगी। पर्यावरण शाखा में नए अधिकारियों और कर्मचारियों की नियुक्ति के लिए 38 पद सृजित किए हैं। उम्मीद है कि इनकी नियुक्ति के बाद हरित क्षेत्र की निगरानी रखना आसान होगा।

गुरुग्राम में करीब 350 किमी लंबी सड़कें हैं। इनके दोनों तरफ और डिवाइडर पर हरित क्षेत्र विकसित है। इसके अलावा सेक्टर-29 स्थित लेजरवैली, सेक्टर-22 स्थित ताऊ देवीलाल पार्क, सेक्टर-52ए स्थित जैव विविधता पार्क आदि हैं। पर्यावरण शाखा में स्टॉफ के नाम पर 10 अधिकारी और कर्मचारी तैनात हैं। इनमें इस शाखा के मुखिया के अलावा तीन कार्यकारी अभियंता, तीन एसडीओ, दो पटवारी और एक कनिष्ठ अभियंता है। इस शाखा में एक भी माली नहीं है।

हरित क्षेत्र की देखरेख के लिए जीएमडीए अब तक सिर्फ सीएसआर फंड के भरोसे था। जीएमडीए ने ठेके पर सेवानिवृत्त अधिकारियों और कर्मचारियों को नियुक्त करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसके तहत दो प्रबंधक नियुक्त करने के लिए विज्ञापन जारी किया है, जिन्हें हरियाली में 15 साल का अनुभव कम से कम हो। छह सहायक प्रबंधक, 10 कनिष्ठ अभियंता के अलावा 20 सुपरवाइजर या माली नियुक्त करने के लिए विज्ञापन जारी किया है। दावा किया जा रहा है कि इनकी नियुक्ति से सीएसआर के तहत आवंटित कार्यों पर आसानी से निगरानी रखी जा सकेगी। इसके अलावा जीएमडीए की तरफ से यदि ठेके पर किसी ठेकेदार को काम आवंटित किया जाता है तो उसकी निगरानी हो सकेगी।

सिर्फ विज्ञापन लगा रहे बिल्डर



सुभाष चौक से लेकर सेक्टर-31 यातायात सिग्नल तक हरित क्षेत्र की हालत बदतर अवस्था में है। इस जगह पर हरित क्षेत्र के रखरखाव की जिम्मेदारी जीएमडीए ने सीएसआर के तहत एक बिल्डर को सौंपी हुई है। इस बिल्डर की तरफ से न तो हरित क्षेत्र में पानी का छिड़काव किया जा रहा है और न ही गंदगी उठवाई जा रही है। बिल्डर ने सिर्फ हर 30 मीटर पर अपना विज्ञापन लगा दिया है। हरित क्षेत्र में मलबा भी पड़ा है। सेक्टर-चार-सात, सेक्टर-नौ-नौए, ओल्ड दिल्ली रोड, महाराणा प्रताप चौक से अतुल कटारिया चौक, इफको चौक से एसपीआर, एसपीआर पर वाटिका चौक से लेकर द्वारका एक्सप्रेसवे तक, ऊपरी द्वारका एक्सप्रेसवे पर हरित क्षेत्र की हालत बदहाल अवस्था में है।

गोल्फ कोर्स एक्सटेंशन रोड की सफाई शुरू

जीएमडीए सीईओ डीके बेहेरा के निरीक्षण के बाद गोल्फ कोर्स रोड पर जीएमडीए की पर्यावरण शाखा ने सफाई अभियान छेड़ दिया है। करीब 100 कर्मचारी डिवाइडर के हरित क्षेत्र को दुरुस्त करने में लगे हुए हैं। इस रोड पर कुछ बिल्डर को भी सीएसआर के तहत हरित क्षेत्र के रखरखाव की जिम्मेदारी सौंपी हुई है, जिन्हें भी सख्त निर्देश दिए हैं कि हरित क्षेत्र के रखरखाव में कोताही नहीं बरती जाए।

विकास कार्यों में जीआईएस मैपिंग, जियो-टैग फोटो व थर्ड-पार्टी जांच अनिवार्य

गुरुग्राम (एजेंसी)। नगर निगम गुरुग्राम में विकास कार्यों की गुणवत्ता सुधारने और भ्रष्टाचार पर नकेल कसने के उद्देश्य से निगम आयुक्त डॉ. पंकज ने शक्तियों के विकेंद्रीकरण के नए सख्त आदेश जारी किए हैं। अब तक निगम में बिना थर्ड-पार्टी जांच के ही विकास कार्यों के बिलों का भुगतान कर दिया जाता था, जिससे निर्माण की गुणवत्ता पर सवाल उठते थे। नए आदेश के तहत अब विकास कार्यों में जीआईएस मैपिंग, कार्य के तीनों चरणों की जियो-टैग्ड फोटो और थर्ड-पार्टी गुणवत्ता जांच को पूरी तरह अनिवार्य कर दिया गया है।

नए आदेश में निर्माण गुणवत्ता से समझौता न हो, इसके लिए कड़े मानक तय किए गए हैं। नए नियमों के अनुसार 50 लाख रुपये या उससे अधिक लागत वाले प्रत्येक विकास कार्य के लिए थर्ड-पार्टी क्वालिटी टेस्टिंग अनिवार्य कर दी गई है। निर्माण सामग्री की जांच एनएबीएल मान्यता प्राप्त या विभागीय प्रयोगशाला में निर्धारित मानकों के अनुसार करानी होगी। बिना टेस्ट रिपोर्ट के कोई भी रनिंग बिल और बिना संपूर्ण क्वालिटी-कंट्रोल रजिस्टर के अंतिम बिल पास नहीं किया जाएगा। मुख्य सतर्कता अधिकारी हर महीने पास होने वाले बिलों में से कम से कम पांच प्रतिशत बिलों की रैंडम आधार पर मौके पर जाकर क्रॉस-चेकिंग कराएंगे। 25 लाख रुपये या उससे अधिक के कार्यों के लिए एक निगरानी समिति गठित होगी, जिसमें संबंधित एक्सईएन, एई और जेई के अलावा दूसरे डिवीजन का एक एई (हर तिमाही रोटेशन पर) शामिल होगा। यह समिति मौके पर कम से कम 10 प्रतिशत कार्यों की स्वयं जांच करेगी। आदेश के अनुसार किसी भी कार्य के शुरू होने से पहले, कार्य के दौरान और पूरा होने के बाद की जियो-टैग्ड फोटो पोर्टल पर अपलोड करना अनिवार्य होगा। नींव, सरिया और पाइपलाइन जैसे भूमिगत कार्यों को मिट्टी या कंक्रीट से ढकने से पहले उनकी माप व फोटो लेना जरूरी है। बिना जीआईएस मैपिंग और जीआईएस लैब के प्रमाण पत्र के कोई भी बिल पास नहीं होगा। इसके अलावा, डिफेक्ट लायबिलिटी पीरियड (डीएलपी) के दौरान किसी भी सड़क या ढांचे की मरम्मत पर निगम का पैसा खर्च नहीं किया जाएगा। यदि कोई अधिकारी ऐसा करता है, तो उससे राशि की वसूली के साथ अनुशासनात्मक कार्रवाई होगी और खामी ठीक न करने पर संबंधित एजेंसी को डिबार किया जाएगा। गलत सत्यापन या लापरवाही पर अधिकारियों से वित्तीय रिकवरी के साथ आपराधिक कार्रवाई भी की जाएगी।प्रशासनिक कार्यप्रणाली को चुस्त-दुरुस्त करने के लिए निगम आयुक्त ने निगम क्षेत्र को दो क्लस्टरों में विभाजित कर वरिष्ठ अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी है।

रात में बाजारों की सफाई कराने की योजना मंजूर

सोहना (एजेंसी)। नगर परिषद की दिन के अलावा रात के समय में भी बाजारों की सफाई कराने की योजना को चंडीगढ़ से हरी झंडी मिल गई है। दिसंबर माह के आखिर सप्ताह तक परिषद द्वारा रात्रि सफाई का ठेका एजेंसी को देने की पूरी संभावना जताई जा रही है। जनवरी से रात में भी बाजारों की सफाई शुरू होगी।

नगर परिषद ने स्थानीय बाजारों को 24 घंटे गंदगी मुक्त बनाने की योजना जल्द ही सिरे चढ़ने वाली है। परिषद ने उक्त योजना को तैयार करके चंडीगढ़ उच्चाधिकारियों की मंजूरी के लिए भेजा था। चंडीगढ़ से नगर परिषद की योजना को हरीझंडी दे दी गई है। योजना को मंजूरी मिलने के बाद से परिषद ने टेंडर लगाकर निगम आयुक्त के पास भेजा है। जहां से भी दिसंबर माह के पहले सप्ताह में योजना को



मंजूरी मिलने की आशंका जताई जा रही है।

नगर परिषद ने शहर के बाजारों में दिन की अपेक्षा रात के समय में भी 40 कर्मचारियों से सफाई करने की योजना बनाई थी। इसमें दो सुपरवाइजरों को तैनात किया जाएगा। एक वाहन साथ के साथ कचरे को उठाएगा और कूड़ा केन्द्र तक पहुंचाएगा।

रात्रि सफाई अभियान को प्रदेश स्तरीय अधिकारियों से मंजूरी मिलने के बाद टेंडर लगा दिया गया है। उक्त टेंडर प्रक्रिया को मंजूरी के लिए निगम आयुक्त के पास भेजा है। जल्द ही योजना को मंजूरी मिलने पर जनवरी में ही अमलीजामा पहनाने का प्रयास है।

सम्पादकीय

दल-बदल कानून में सुधार की जरूरत

भारत का संसदीय लोकतंत्र केवल चुनाव कराने और सरकारें बनाने तक सीमित नहीं है, बल्कि इसकी वास्तविक शक्ति जनता द्वारा दिए गए जनादेश के सम्मान, निर्वाचित प्रतिनिधियों की जवाबदेही और संवैधानिक संस्थाओं की निष्पक्षता में निहित है। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में देश की राजनीति में जिस तरह दल-बदल, विधायकों व सांसद के सामूहिक इस्तीफे और सरकारों के बहुमत को प्रभावित करने की घटनाएं सामने आई हैं, उन्होंने लोकतांत्रिक व्यवस्था की विश्वसनीयता पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। संविधान की दसवीं अनुसूची के अंतर्गत लागू दल-बदल विरोधी कानून का उद्देश्य राजनीतिक अस्थिरता और अवसरवादी राजनीति पर अंकुश लगाना था, लेकिन समय के साथ इस कानून की सीमाएं भी उजागर हुई हैं। ऐसे में दल-बदल कानून में व्यापक सुधार की मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट का केंद्र सरकार और चुनाव आयोग सहित संबंधित संस्थाओं को नोटिस जारी करना एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम है।

यह मुद्दा इसलिए चर्चा में आया है कि सुप्रीम कोर्ट में दायर जनहित याचिका ने एक ऐसी संवैधानिक खामी की ओर ध्यान आकर्षित किया है, जिसका इस्तेमाल राजनीतिक परिस्थितियों में सरकारों के बहुमत को प्रभावित करने के लिए किया जा सकता है। याचिका में आरोप लगाया गया है कि कुछ सांसद और विधायक दल-बदल के मामलों में अयोग्यता की कार्रवाई से बचने के लिए इस्तीफे का रास्ता अपनाते हैं। यदि किसी जनप्रतिनिधि के विरुद्ध अयोग्यता की कार्यवाही लंबित है और वह फैसला आने से पहले इस्तीफा दे देता है, तो दल-बदल कानून की प्रभावशीलता पर सवाल उठना स्वाभाविक है। विशेष रूप से तब, जब ऐसे इस्तीफों के परिणामस्वरूप सदन की संख्या और सरकार के बहुमत का गणित बदल जाता है।

यहां सबसे महत्वपूर्ण सवाल यह है कि क्या कोई निर्वाचित प्रतिनिधि अपनी राजनीतिक जिम्मेदारी से बचने के लिए इस्तीफे को कानूनी ढाल के रूप में इस्तेमाल कर सकता है? लोकतंत्र में इस्तीफा देना किसी जनप्रतिनिधि का अधिकार है, लेकिन इस अधिकार का इस्तेमाल यदि संवैधानिक जवाबदेही से बचने या जनादेश को प्रभावित करने के लिए किया जाता है, तो उसकी निष्पक्ष जांच आवश्यक हो जाती है। इस्तीफा व्यक्तिगत राजनीतिक निर्णय हो सकता है, लेकिन उसके पीछे की परिस्थितियों और समय का संवैधानिक महत्व भी है। वर्ष 1985 में संविधान के 52वें संशोधन के माध्यम से दसवीं अनुसूची को जोड़ा गया था। इसका प्रमुख उद्देश्य निर्वाचित प्रतिनिधियों की राजनीतिक निष्ठा में अवसरवादी बदलाव को रोकना और सरकारों को अनावश्यक अस्थिरता से बचाना था। बाद में 91वें संविधान संशोधन के माध्यम से दल-बदल संबंधी प्रावधानों को और कठोर बनाया गया तथा मंत्रिपरिषद के आकार पर भी सीमा निर्धारित की गई। इसके बावजूद राजनीतिक दलों के बीच सत्ता हासिल करने की प्रतिस्पर्धा में नए-नए रास्ते तलाशे जाते रहे हैं। कभी सामूहिक इस्तीफे, कभी सदन से अनुपस्थिति और कभी अयोग्यता की कार्यवाही को लंबा खींचने जैसे मामलों ने इस कानून की व्यावहारिक प्रभावशीलता पर प्रश्नचिह्न लगाए हैं। इस कानून की सबसे बड़ी कमजोरी यह मानी जाती है कि अयोग्यता संबंधी मामलों पर प्रारंभिक निर्णय लेने का अधिकार सदन के अध्यक्ष अर्थात स्पीकर या सभापति के पास होता है। संवैधानिक रूप से यह व्यवस्था संसदीय संस्थाओं की स्वायत्तता और गरिमा को ध्यान में रखकर बनाई गई थी। लेकिन जब स्पीकर स्वयं किसी राजनीतिक दल से निर्वाचित होकर आते हैं, तब राजनीतिक निष्पक्षता को लेकर सवाल उठने लगते हैं। कई बार अयोग्यता याचिकाओं पर निर्णय में लंबी देरी होती है। परिणामस्वरूप संबंधित सदस्य सदन की कार्यवाही में भाग लेते रहते हैं और इस दौरान राजनीतिक समीकरण भी बदल सकते हैं। यह स्वीकार करना होगा कि स्पीकर का पद केवल सदन की कार्यवाही संचालित करने तक सीमित नहीं है, बल्कि उससे संवैधानिक निष्पक्षता और संस्थागत मयार्दा की अपेक्षा भी की जाती है।

भारत की बढ़ती ताकत से दुनिया में बदल रहा शक्ति संतुलन

कांतिलाल मांडोत



भारत की प्रगति और वैश्विक मंच पर उसकी बढ़ती भूमिका आज केवल आर्थिक उपलब्धियों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह दुनिया के बदलते शक्ति संतुलन का भी महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुकी है। भारत जिस गति से आर्थिक, तकनीकी, सामरिक और सामाजिक क्षेत्रों में आगे बढ़ने की कोशिश कर रहा है, उससे अंतरराष्ट्रीय राजनीति में उसकी स्थिति मजबूत हो रही है। लेकिन किसी देश की उन्नति केवल उसकी आर्थिक क्षमता या सैन्य शक्ति से नहीं मापी जाती, बल्कि उसके विचार, नीतियां, सामाजिक एकता और आत्मविश्वास भी उसकी विकास यात्रा का आधार होते हैं। इसी संदर्भ में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत का छत्रपति संभाजीनगर में दिया गया वक्तव्य भारत के भविष्य, वैश्विक प्रतिस्पर्धा और आंतरिक चुनौतियों पर व्यापक चर्चा का विषय बन गया है। पांचवें पद्मा फेस्टिवल के उद्घाटन समारोह में मोहन भागवत ने कहा कि दुनिया की कोई भी ताकत भारत को आगे बढ़ते हुए नहीं देखना चाहती, क्योंकि कई शक्तियां अपना वर्चस्व कायम रखना चाहती हैं। उनके अनुसार भारत यदि मजबूत और विकसित देश बनता है तो उन व्यवस्थाओं को चुनौती मिल सकती है, जो लंबे समय से वैश्विक स्तर पर अपना प्रभाव बनाए हुए हैं। भारत की विशेषता यह है कि वह केवल अपनी उन्नति तक सीमित रहने की सोच नहीं रखता, बल्कि दूसरे देशों की सहायता करने की भावना भी रखता है। भारत उन पड़ोसी देशों की मदद के लिए भी आगे आता है, जिनके साथ उसके संबंध कभी-कभी तनावपूर्ण रहते हैं। यही दृष्टिकोण भारत की विदेश नीति में सहयोग, मानवीय सहायता और साझा विकास की भावना को प्रतिबिंबित करता है।

आज दुनिया में आर्थिक और सामरिक शक्ति का संतुलन तेजी से बदल रहा है। एक समय वैश्विक निर्णयों में कुछ विकसित देशों का प्रभाव अधिक था, लेकिन अब एशिया, अफ्रीका और अन्य क्षेत्रों की उभरती अर्थव्यवस्थाएं भी अपनी भूमिका बढ़ा रही हैं। भारत की विशाल आबादी, युवा शक्ति, तकनीकी क्षमता, औद्योगिक विकास, डिजिटल व्यवस्था और मजबूत बाजार उसे वैश्विक अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण स्थान दिला रहे हैं। इस परिवर्तन को सभी देश एक समान दृष्टिकोण से नहीं देखते। कुछ देश भारत के साथ व्यापार, निवेश और रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करना चाहते हैं, वहीं कुछ देशों के लिए भारत का उभार प्रतिस्पर्धा का विषय भी हो सकता है। ऐसी परिस्थितियों में भारत को अपनी नीतियों, आर्थिक क्षमता और राष्ट्रीय हितों के प्रति सजग रहना होगा। पूर्व चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान ने भी बदलते वैश्विक शक्ति संतुलन के बीच विकसित देशों की ओर से संभावित बाधाओं का उल्लेख किया। हालांकि उन्होंने आंतरिक चुनौतियों को अधिक संवेदनशील बताया। यह बात गंभीरता से समझने योग्य है कि बाहरी दबावों का सामना करने के लिए देश का आंतरिक ढांचा मजबूत होना आवश्यक है। यदि देश के भीतर शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, बुनियादी सुविधाओं, तकनीकी प्रशिक्षण और सामाजिक समरसता की स्थिति बेहतर होगी, तो बाहरी चुनौतियों का सामना करने की क्षमता भी बढ़ेगी। किसी देश को कमजोर करने के लिए केवल सीमा पर खतरे ही पर्याप्त नहीं होते, बल्कि सामाजिक विभाजन, आर्थिक असमानता, अविश्वास और संस्थागत कमजोरियां भी उसकी प्रगति को प्रभावित कर सकती हैं।

मोहन भागवत ने युवाओं को लेकर भी महत्वपूर्ण विचार रखे।

बाल विवाह और जबरन विवाहः बचपन, स्वतंत्रता और सपनों पर सामाजिक प्रहार

सुरेश सिंह बैस शाश्वत



बचपन सीखने, खेलने, शिक्षा प्राप्त करने और अपने भविष्य के सपने संजोने की उम्र है। यह वह समय है, जब बच्चों को सुरक्षित वातावरण, उचित पोषण, परिवार का स्नेह और अपनी क्षमताओं को विकसित करने के अवसर मिलने चाहिए। लेकिन जब किसी बच्चे को कम उम्र में विवाह के बंधन में बांध दिया जाता है या उसकी इच्छा के विरुद्ध विवाह के लिए मजबूर किया जाता है, तब उसका बचपन, स्वतंत्रता और भविष्य गंभीर रूप से प्रभावित हो सकते हैं। बाल विवाह और जबरन विवाह केवल सामाजिक परंपरा या पारिवारिक निर्णय का विषय नहीं हैं। ये बच्चों के अधिकारों, शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा और गरिमापूर्ण जीवन से जुड़े गंभीर प्रश्न हैं। किसी भी बच्चे के जीवन का इतना महत्वपूर्ण निर्णय उसकी सुरक्षा, परिपक्वता और अधिकारों की अनदेखी करके नहीं लिया जाना चाहिए।

बाल विवाह वह विवाह है, जिसमें विवाह के समय दोनों में से कोई एक पक्ष 18 वर्ष से कम आयु का हो। संयुक्त राष्ट्र की विभिन्न संस्थाएं बाल विवाह को मानवाधिकारों के उल्लंघन और लैंगिक असमानता से जुड़ी समस्या मानती हैं। कम उम्र में विवाह होने से बच्चों, विशेषकर लड़कियों, की शिक्षा बाधित होने, कम उम्र में गर्भधारण, स्वास्थ्य संबंधी जोखिमों तथा घरेलू हिंसा और आर्थिक निर्भरता की आशंका बढ़ सकती है। इसके पीछे गरीबी, शिक्षा की कमी, लैंगिक भेदभाव, सामाजिक दबाव, असुरक्षा की भावना और कुछ स्थानों पर लंबे समय से चली आ रही परंपराएं जैसे कारण हो सकते हैं। कभी-कभी परिवार आर्थिक कठिनाइयों या सामाजिक प्रतिष्ठा की चिंता में बाल विवाह को समाधान समझ लेते हैं। लेकिन इससे समस्या समाप्त नहीं होती; अक्सर बच्चे और अधिक कठिन परिस्थितियों में पहुंच जाते हैं। बाल विवाह को रोकने के लिए परिवारों को दोष देने भर से काम नहीं चलेगा। शिक्षा, सामाजिक सुरक्षा, रोजगार के अवसर, बालिकाओं की सुरक्षा और समुदाय की भागीदारी को मजबूत करना भी आवश्यक है। जबरन विवाह वह स्थिति है, जिसमें किसी व्यक्ति को उसकी स्वतंत्र और वास्तविक सहमति के बिना विवाह के लिए बाध्य किया जाता है। दबाव, धमकी, भावनात्मक ब्लैकमेल, हिंसा या पारिवारिक प्रतिष्ठा के नाम पर निर्णय थोपना व्यक्ति की स्वतंत्रता को प्रभावित कर सकता है। विवाह जैसे महत्वपूर्ण निर्णय में स्वतंत्र सहमति और व्यक्ति की गरिमा का सम्मान अनिवार्य है। किसी लड़की या लड़के को केवल परिवार की इच्छा, सामाजिक दबाव या आर्थिक लाभ के आधार पर विवाह के लिए विवश करना उचित नहीं है। बच्चों के मामले में उनकी सुरक्षा, कानूनी अधिकार और सर्वोत्तम हित को प्राथमिकता मिलनी चाहिए। यह समझना भी आवश्यक है कि बाल विवाह और जबरन विवाह एक-दूसरे से जुड़े हो सकते हैं, लेकिन दोनों की अवधारणाएं अलग हैं। कम उम्र में विवाह बच्चों के अधिकारों को प्रभावित करता है, जबकि जबरन विवाह में स्वतंत्र सहमति का अभाव केंद्रीय प्रश्न है।

बाल विवाह की रोकथाम में शिक्षा की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। विद्यालयों में नियमित उपस्थिति, माध्यमिक शिक्षा पूरी करने के अवसर, छात्रवृत्ति, सुरक्षित परिवहन और परिवारों को आर्थिक सहायता जैसी व्यवस्थाएं बालिकाओं को शिक्षा से जोड़े रखने में मदद कर सकती हैं। शिक्षा बच्चों को अपने अधिकारों की जानकारी देती है और उन्हें भविष्य के बारे में निर्णय लेने की क्षमता विकसित करने का अवसर प्रदान करती है। शिक्षित और जागरूक समुदाय सामाजिक रूढ़ियों पर प्रश्न उठाने तथा बाल विवाह जैसी प्रथाओं को रोकने में अधिक सक्रिय भूमिका निभा सकते हैं शिक्षकों, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, पंचायत प्रतिनिधियों, स्वास्थ्य कर्मियों और सामाजिक संगठनों को मिलकर ऐसे बच्चों की पहचान और सहायता करनी चाहिए, जिन पर कम उम्र में विवाह का दबाव हो। शिकायत या आशंका मिलने पर संबंधित बाल संरक्षण तंत्र तक जानकारी पहुंचाना महत्वपूर्ण है।

भारत में बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, 2006 के अंतर्गत बाल विवाह रोकने के लिए कानूनी प्रावधान किए गए हैं। इस



मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरुवार को मुख्यमंत्री निवास पर केन्द्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेन्द्र सिंह का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। शिष्टाचार मुलाकात के दौरान दोनों के बीच प्रदेश में वैज्ञानिक नवाचारों एवं प्रौद्योगिकी विस्तार सहित विभिन्न मुद्दों पर विमर्श हुआ।



केन्द्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेन्द्र सिंह एवं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरुवार को जयपुर स्थित राजस्थान कॉन्स्टिट्यूशनल क्लब में संविधान गौरव दिवस कार्यक्रम को संबोधित किया। इससे पहले उन्होंने डॉ भीमराव अंबेडकर के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। साथ ही उन्होंने इस अवसर पर लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। कार्यक्रम में बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़, उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी, डॉ. प्रेमचंद बैरवा सहित अन्य जनप्रतिनिधि, प्रदेश भाजपा पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में प्रबुद्धजन उपस्थित रहे।

शिक्षा वंचितों को मुख्यधारा से जोड़ रहा है एनआईओएस : सचिव, शिक्षा मंत्रालय

37वें स्थापना दिवस पर दो डिजिटल ऐप और छह रोजगारोन्मुख पाठ्यक्रमों का लोकार्पण

उत्तम भारत संवाददाता



नोएडा। राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान (एनआईओएस) ने सोमवार को अपना 37वाँ स्थापना दिवस मनाया।इस अवसर पर नोएडा स्थित एनआईओएस क्षेत्रीय केंद्र के कल्याण सिंह सभागार में आयोजित समारोह में शिक्षा को अधिक समावेशी, सुलभ और रोजगारोन्मुख बनाने की दिशा में दो डिजिटल ऐप तथा छह नए पाठ्यक्रमों का लोकार्पण किया गया।कार्यक्रम में संस्थान की शैक्षिक उपलब्धियों,डिजिटल नवाचारों और कौशल विकास से जुड़ी पहलों को रेखांकित किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि टी.के.अनिल कुमार, आईएएस,सचिव,स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, शिक्षा मंत्रालय,भारत सरकार ने अपने संबोधन में एनआईओएस के कार्यों की सराहना करते हुए डिजिटल साक्षरता,शिक्षा से वंचित वर्गों को मुख्यधारा से जोड़ने तथा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की पहुँच बढ़ाने पर जोर दिया।उन्होंने कहा कि एनआईओएस विभिन्न सामाजिक वर्गों और कार्यक्षेत्रों से जुड़े ऐसे लोगों तक शिक्षा पहुँचा रहा है, जो किसी कारणवश औपचारिक शिक्षा व्यवस्था से नहीं जुड़ पाए।यह संस्था उनके उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। एनआईओएस के शिक्षार्थियों का वैश्विक मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व करना भी गौरव का विषय है।

पद्मश्री श्री चमू कृष्ण शास्त्री,अध्यक्ष,भारतीय भाषा समिति,शिक्षा मंत्रालय,भारत सरकार, सम्मानित अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।उन्होंने एनआईओएस की डिजिटल पहलों की सराहना करते हुए कहा कि संस्थान का कार्यक्षेत्र और संभावनाएं असीमित हैं। एनआईओएस व्यावसायिक शिक्षा के साथ-साथ शिक्षक-शिक्षा के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय कार्य कर रहा है।उन्होंने कहा कि शिक्षा के माध्यम से ही विकसित भारत 2047 के संकल्प को साकार किया जा सकता है। प्राची पाण्डेय, आईए एंड एएस,संयुक्त सचिव(संस्थाएँ एवं प्रशिक्षण),स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग,शिक्षा मंत्रालय,भारत सरकार, विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं।उन्होंने कहा कि एनआईओएस व्यावसायिक शिक्षा के माध्यम से शिक्षार्थियों को रोजगारपरक शिक्षा एवं कौशल प्रदान कर रहा है। विभिन्न भाषाओं में शिक्षा प्राप्त करने की सुविधा शिक्षार्थियों को अपनी क्षमता विकसित करने और बेहतर भविष्य बनाने के अवसर उपलब्ध करा रही है।एनआईओएस के अध्यक्ष प्रो.अखिलेश मिश्र ने स्वागत भाषण में सभी अतिथियों का अभिनंदन करते हुए कहा कि एनआईओएस ने भारत ही नहीं,विदेशों में भी मुक्त विद्यालयी शिक्षा की विशिष्ट पहचान स्थापित की है। संस्थान ने शिक्षा को समावेशी,लचीला और शिक्षार्थी-केंद्रित बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। एनआईओएस शिक्षा को कक्षाओं तक सीमित न रखकर समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुँचाने के लिए प्रतिबद्ध है।

डिजिटल शिक्षा एवं निगरानी व्यवस्था को सशक्त बनाने की पहलः-

इस अवसर पर एनआईओएस की दो महत्वपूर्ण डिजिटल पहल एनआईओएस मित्र और एनआईओएस नेत्र ऐप का लोकार्पण किया गया। एनआईओएस मित्र का उद्देश्य शिक्षा से वंचित व्यक्तियों,विद्यालय छोड़ चुके विद्यार्थियों,प्रवासी श्रमिकों,प्रथम पीढ़ी के शिक्षार्थियों तथा समाज के अन्य वंचित वर्गों तक मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा की पहुँच सुनिश्चित करना है।यह पहल अधिक से अधिक लोगों को शिक्षा से जोड़ने और उन्हें आगे बढ़ने के अवसर उपलब्ध कराने में सहायक होगी।वहीं, एनआईओएस नेत्र ऐप परीक्षा केंद्रों के निरीक्षण एवं निगरानी व्यवस्था को पारदर्शी,व्यवस्थित और प्रभावी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।इसके माध्यम से निरीक्षण अधिकारी वास्तविक समय में अपनी लोकेशन,समय, फोटो एवं वीडियो साक्ष्य दर्ज कर सकेंगे,निर्धारित चेकलिस्ट भर सकेंगे तथा परीक्षा केंद्रों पर घटित किसी भी घटना की तत्काल रिपोर्ट कर सकेंगे।

शिक्षा एवं व्यावसायिक कौशल के छह नए पाठ्यक्रमों का शुभारंभः-

स्थापना दिवस के अवसर पर शैक्षिक विभाग द्वारा तीन नए पाठ्यक्रमों का लोकार्पण किया गया। इनमें भारतीय ज्ञान परंपरा पर आधारित प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम ह्यभारताभिज्ञानम्, माध्यमिक स्तर का ह्यआयुर्वेदशास्त्र पाठ्यक्रम तथा छह माह का विशेष प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम ह्यकस्टमर रिलेशनशिप मैनेजमेंट शामिल हैं।इस अवसर पर डी-व्यू रिपोर्ट का भी लोकार्पण किया गया।

व्यावसायिक शिक्षा विभाग द्वारा रोजगार एवं कौशल विकास की बढ़ती आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए तीन एनसीवीईटी (एनसीवीईटी)अनुमोदित पाठ्यक्रमों का शुभारंभ किया गया।इनमें ह्यएआई असिस्टेंटह्ल,ह्यआईटी हेल्पडेस्क अटेंडेंट और फायर मार्शल पाठ्यक्रम शामिल हैं।इन पाठ्यक्रमों के माध्यम से शिक्षार्थियों को आधुनिक कार्यक्षेत्रों की आवश्यकताओं के अनुरूप व्यावहारिक कौशल एवं रोजगार के नए अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में पहल की गई है।

37वें स्थापना दिवस समारोह में राजभाषा कार्यान्वयन के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए एनआईओएस के तीन क्षेत्रीय केंद्रों– गांधीनगर, हैदराबाद और गुवाहाटी को राजभाषा शील्ड प्रदान कर सम्मानित किया गया। समारोह में एनआईओएस के अधिकारी एवं कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में एनआईओएस के सचिव ने सभी अतिथियों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

झालावाड़ में भाजपा के कुशवंत नागर बने उप जिला प्रमुख

कांग्रेस के बालचन्द को 3 मतों से हराया

झालावाड़ (एजेंसी)। झालावाड़ जिला परिषद के उप जिला प्रमुख चुनाव में भाजपा के 27 वर्षीय कुशवंत नागर ने कांग्रेस के बालचन्द को तीन मतों से हराया। नागर को 18 और बालचन्द को 15 मत मिले। नागर एमकॉम और एलएलबी तक शिक्षित हैं।

पंचायती राज संस्थाओं के आम चुनाव के तहत गुरुवार को जिला परिषद में उप जिला प्रमुख पद के लिए निर्वाचन प्रक्रिया संपन्न हुई। इसमें भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी कुशवंत नागर ने कांग्रेस के प्रत्याशी बालचन्द को तीन मतों से हराकर जीत दर्ज की। कुशवंत नागर को कुल 18 मत मिले, जबकि कांग्रेस प्रत्याशी बालचन्द को 15 मत प्राप्त हुए।

जिला निर्वाचन अधिकारी अजय सिंह राठौड़ ने बताया कि निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार मतदान कराया गया। इसके बाद मतगणना पूरी पारदर्शिता और निष्पक्षता के साथ संपन्न कराई गई। मतगणना के बाद भाजपा प्रत्याशी कुशवंत नागर को विजेता घोषित किया गया।



27 साल के कुशवंत नागर सबसे अधिक शिक्षित जनप्रतिनिधि

झालावाड़ के नवनिर्वाचित उप जिला प्रमुख कुशवंत नागर जिले के जनप्रतिनिधियों में सबसे अधिक शिक्षित बताए जा रहे हैं। अलावा गांव निवासी नागर की उम्र महज 27 साल है। उन्होंने एमकॉम और एलएलबी तक शिक्षा प्राप्त की है। वे अविवाहित हैं और छात्र राजनीति से अपने राजनीतिक सफर की शुरूआत की है।कुशवंत नागर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) से जुड़े रहे हैं। वे संगठन में जिला संयोजक की जिम्मेदारी निभा चुके हैं। इसके अलावा भवानीमंडी स्थित बिरला कॉलेज में एबीवीपी की ओर से छात्रसंघ अध्यक्ष भी रह चुके हैं। छात्र राजनीति में सक्रिय रहने के बाद अब भाजपा ने उन्हें जिला परिषद में उप जिला प्रमुख की जिम्मेदारी सौंपी है। फिलहाल नागर अपने पिता के साथ भवानीमंडी कृषि उपज मंडी में मर्चेंट का काम देखते हैं। उनके दादा भंवरलाल नागर भी लंबे समय से भाजपा में सक्रिय रहे हैं। परिवार की राजनीतिक पृष्ठभूमि और छात्र संगठन में सक्रियता ने उनके राजनीतिक सफर को आगे बढ़ाने में भूमिका निभाई है।

क्रॉस वोटिंग से भाजपा ने कांग्रेस के वोट बैंक में लगाई सेंध

झालावाड़ जिला परिषद चुनाव में भाजपा ने 17 सीटें और कांग्रेस ने 16 सीटें जीती थीं। दोनों दलों के बीच मुकाबला लगभग बराबरी का रहा था। जिला प्रमुख के चुनाव में भाजपा ने 17 मत हासिल कर एक मत के अंतर से जीत दर्ज की थी।

राजस्थान में एयरगन साफ करते समय चली गोली, नागौर की नव निर्वाचित सरपंच की मौत

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान में नागौर के टुंकलिया गांव की नव निर्वाचित सरपंच शैलू राजपुरोहित की मंगलवार को एयरगन के छर्रे लगने से मौत हो गई। बताया जा रहा है कि शैलू एयरगन साफ कर रही थीं। इसी दौरान अचानक ट्रिगर दबने से छर्रे उनके सीने में जा लगे।

स्वजन उन्हें उपचार के लिए जोधपुर ले जा रहे थे, लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। गोटन पुलिस थाना



अधिकारी सुमन चौधरी ने बताया कि शैलू ने हाल ही में हुए पंचायत चुनाव में 155 मतों से सरपंच का चुनाव जीता था। नागौर सांसद और राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के अध्यक्ष हनुमान बेनीवाल ने शैलू की गोली मारकर हत्या करने की आशंका जताई है। उन्होंने पुलिस से मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है। हालांकि शैलू के स्वजन ने हत्या की आशंका को खारिज किया है।

गांव में दूषित पानी से पीलिया का कहर, 70 लोगों में मिले लक्षण

कोटा। राजस्थान के कोटा जिले के गिरधरपुरा गांव में दूषित पानी पीने से पीलिया फैलने की आशंका ने ग्रामीणों की चिंता बढ़ा दी है। गांव में करीब 70 लोगों में पीलिया के लक्षण सामने आए हैं। इनमें 19 बच्चे भी शामिल हैं। लगातार मरीज सामने आने के बाद चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग अलर्ट हो गया है। प्रशासन ने गांव में एहतियाती कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। शुरूआती जांच में बोरिंग और जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग (पीएचईडी) की सरकारी नल लाइन से घरों तक पहुंच रहे पानी के दूषित होने की आशंका जताई गई है।

स्वामीः गायत्री मीडिया, प्रकाशक व संपादकः शैलेन्द्र कुमार शर्मा, मुद्रकः रजनी कुमारी द्वारा सांई प्रिंटिंग प्रैस, बी-42, नोएडा, सेक्टर-7, गौतमबुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश से मुद्रित व बी-102, पांडव नगर, नियर एमसीडी स्कूल, नई दिल्ली-110092 से प्रकाशित। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र दिल्ली होगा।
RNI No-DELHIN/2017/75336 (M) 9818087861

पहला प्रयास विफल, चक्काकोम्बन हाथी को रेडियो कॉलर लगाने की नई योजना

इडुक्की (केरलम), एजेंसी।



वन अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को कहा कि वे जिले के चिन्नाकनाल इलाके में घूम रहे जंगली हाथी चक्काकोम्बन को पकड़ने और रेडियो कॉलर लगाने के लिए नई योजना तैयार कर रहे हैं। मुख्य वन संरक्षक डी के विनोद कुमार ने कहा कि बुधवार को कम दृश्यता और खराब मौसम के कारण अभियान रोक दिए जाने के बाद अब नई रणनीति अपनाई जाएगी।

चिन्नाकनाल की 301 कॉलोनी में हाल ही में हाथी के बार-बार रिहायशी इलाकों में घुसने, कटहल की तलाश में लोगों पर हमला करने और संपत्ति को नुकसान पहुंचाने की घटनाओं के विरोध में प्रदर्शन हुए थे।

इसके बाद सरकार ने हाथी को बेहोश कर रेडियो कॉलर लगाने का फैसला किया, ताकि उसकी नियमित निगरानी की जा सके और उसे मानव बस्तियों के आसपास आने से रोका जा सके।

अभियान के दूसरे दिन कुमार ने पत्रकारों को बताया कि हाथी चेम्बरथुकुझी आदिवासी बस्ती के एक इलायची बागान में है, लेकिन कम दृश्यता के कारण फिलहाल अभियान चलाना संभव नहीं है।

उन्होंने कहा, "दृश्यता कम होने से डार्ट चलाने के लिए सही दिशा का अनुमान लगाना मुश्किल है। हाथी के खुले स्थान पर आने के बाद फिर अभियान चलाया जाएगा।"

कुमार ने कहा कि सभी दल मौके पर तैनात हैं और बुधवार के अभियान में सामने आई कमियों को दूर कर लिया गया है।

बेहतर तालमेल और सुरक्षा के लिए चार दलों की जगह अब दो दल अभियान में शामिल होंगे। कर्मियों की सुरक्षा को प्राथमिकता दी जाएगी। कुमार के मुताबिक, चक्काकोम्बन फिलहाल इलायची के बागान में रुका हुआ है। वह आमतौर पर सुबह आराम करता है और दोपहर के आसपास फिर चलना शुरू करता है। यह हाथी चेम्बरथुकुझी, इडुक्कुझी और 301 कॉलोनी समेत कई बस्तियों से होकर गुजर रहा था जहां बुधवार को उसको पकड़ने का प्रयास किया गया था। उन्होंने कहा कि वन विभाग के कर्मचारी चिन्नाकनाल इलाके में मौजूद सभी 17 हाथियों की गतिविधियों पर लगातार नजर रख रहे हैं। हाथियों की आवाजाही की जानकारी प्राथमिकता के आधार पर स्थानीय लोगों के साथ साझा की जा रही है। जरूरत पड़ने पर संवेदनशील इलाकों में लोगों की आवाजाही पर प्रतिबंध भी लगाया जा सकता है।

हाथी को बेहोश करने की प्रक्रिया के बारे में कुमार ने कहा कि शुरूआती खुराक देने के 10 से 15 मिनट के भीतर पशु चिकित्सकों की टीम हाथी पर दवा के असर का आकलन करेगी। हाथी के पास जाने से पहले उसकी गतिविधियों और अन्य शारीरिक मानकों की निगरानी की जाएगी।

उन्होंने कहा कि हाथी की सांस और अन्य महत्वपूर्ण शारीरिक संकेतों के आधार पर उसे दवा की अतिरिक्त खुराक दी जाएगी और इस तरह अभियान पूरा किया जाएगा।

जंगल में लगी आग के बीच जलता पेड़ कार पर गिरने से महिला की मौत, दो घायल



शिमला, एजेंसी।

हिमाचल प्रदेश के किन्नौर जिले में जंगल में लगी आग के दौरान एक जलता हुआ पेड़ कार पर गिरने से कार सवार एक महिला की मौत हो गई, जबकि दो अन्य लोग घायल हो गए। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

पुलिस के अनुसार, मृतका की पहचान चगांव गांव निवासी संजोकी कुमारी (57) के रूप में हुई है। हादसे में घायल वीरेंद्र सिंह (43) और अभिषेक कुमार (36) भी इसी गांव के रहने वाले हैं। उसने बताया कि हादसा बुधवार शाम चगांव के पास हुआ, जहां जंगल में आग लगी हुई थी। इसी दौरान अचानक एक जलता हुआ पेड़ कार पर गिर गया, जिससे उसमें सवार तीनों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

स्थानीय लोगों ने हादसे की सूचना पुलिस को दी। इसके बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घायलों को कार से निकालकर शोल्टू स्थित जिंदल संजीवनी अस्पताल पहुंचाया। इलाज के दौरान संजोकी कुमारी ने दम तोड़ दिया। वहीं, अन्य दोनों घायल पुरुषों का उपचार जारी है।

किन्नौर के पुलिस अधीक्षक सुशील शर्मा ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच की जा रही है।

मणिपुर में करीब 40 एकड़ में अवैध रूप से की जा रही अफीम की खेती नष्ट की गई

इंफाल, एजेंसी।

मणिपुर के उखरुल और कांगपोकपी जिलों में करीब 40 एकड़ भूमि पर अवैध रूप से की जा रही अफीम की खेती को नष्ट कर दिया गया। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

पुलिस के अनुसार, उखरुल जिले में सेना की महार रेजिमेंट, आठवीं बिहार रेजिमेंट, सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ), स्वापक नियंत्रण ब्यूरो (एनसीबी) और राज्य पुलिस के जवानों की संयुक्त टीम ने लिटन थाना क्षेत्र में करीब 20 एकड़ में फैली अफीम की फसल नष्ट कर दी।

इस दौरान कथित तौर पर खेती करने वालों द्वारा इस्तेमाल की जा रही तीन झोपड़ियों को भी आग लगा दी गई। एक अन्य अभियान में कांगपोकपी जिला पुलिस, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ), वन विभाग, एनसीबी और सैतु-गामफाजोल के उपमंडल अधिकारियों की संयुक्त टीम ने कौब्रू आरक्षित वन क्षेत्र में के ल्हांगनोम गांव की पहाड़ी श्रृंखलाओं में करीब 20 एकड़ भूमि पर की जा रही अफीम की अवैध खेती को नष्ट कर दिया।

पुलिस ने बताया कि अवैध खेती में कथित तौर पर इस्तेमाल की जा रही दो झोपड़ियों को जला दिया गया। इसके अलावा, खरपतवारनाशक और खेती के उपकरण भी नष्ट कर दिए गए। इस संबंध में गामनोम-सापोरमेइना थाने में मामला दर्ज किया गया है।

इस बीच, पुलिस ने इंफाल पूर्वी जिले में पोरमपाट डीसी रोड से एक कथित मादक पदार्थ तस्कर को गिरफ्तार किया और उसके पास से 27.76 किलोग्राम डब्ल्यूवाई टैबलेट बरामद कीं। आरोपी की पहचान 33 वर्षीय मोहम्मद इमरान खान के रूप में हुई है। इसके बाद की गई कार्रवाई में एक अन्य व्यक्ति को भी गिरफ्तार किया गया। उसकी पहचान बिष्णुपुर जिले के क्वाक्ता सेवला निवासी 33 वर्षीय मोहम्मद अब्दुल रहमान के रूप में हुई है।

शरद पवार की तबीयत फिर बिगड़ी, डिहाइड्रेशन की वजह से ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती

मुंबई, एजेंसी।



राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के प्रमुख शरद पवार को एक बार फिर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस बार उन्हें डिहाइड्रेशन की वजह से मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

उनकी बेटी और लोकसभा सांसद सुप्रिया सुले ने एक्स पोस्ट के जरिए इस जानकारी को साझा किया। उन्होंने लिखा, ह्लहम बाबा को ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती कर रहे हैं। ऐसा लगता है कि यह डिहाइड्रेशन है।

सुप्रिया सुले ने ह्यएक्सह्ल पोस्ट में लिखा, ह्लउन्हें कम यात्रा करनी चाहिए, लेकिन बाबा सुनते ही नहीं हैं। उन्हें अपने काम से बहुत ज्यादा प्यार है। आप सभी की चिंता और शुभकामनाओं के लिए धन्यवाद।ह्व

रोहित पवार ने भी ह्यएक्सह्ल पर पोस्ट करके जानकारी दी। ह्यएक्सह्ल पोस्ट में रोहित पवार ने लिखा, ह्लशरद पवार साहेब को डिहाइड्रेशन के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सुप्रिया ताई इस समय उनसे व्यक्तिगत रूप से मिल रही हैं और बैठक के लिए वापस आएंगी। शरद पवार साहेब की हालत फिलहाल स्थिर और ठीक है, और डॉक्टरों की सलाह के अनुसार अगले दो दिनों तक उन्हें उचित इलाज मिलता रहेगा। इसलिए साहेब के स्वास्थ्य को लेकर किसी को चिंता नहीं करनी चाहिए।

बता दें कि इससे पहले 2 नवंबर को भी शरद पवार को पुणे के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उन्हें लगातार खांसी आने के बाद छाती में दर्द की शिकायत हुई थी।

उन्हें पुणे के रूबी हॉल क्लिनिक ले जाया गया था। अस्पताल की ओर से जारी एक आधिकारिक बयान में रूबी हॉल क्लिनिक के चीफ कार्डियोलॉजिस्ट, चेयरमैन और मैनेजिंग ट्रस्टी डॉ. परवेज के. ग्रांट ने उनके भर्ती होने की पुष्टि की थी और बताया कि इस वरिष्ठ नेता की हालत स्थिर है।

डॉ. ग्रांट ने कहा था, ह्लछाती में दर्द की शिकायत के बाद शरद पवार को रूबी हॉल क्लिनिक में सामान्य स्वास्थ्य जांच और मेडिकल निगरानी के लिए भर्ती किया गया है। उनकी स्थिति में सुधार की उम्मीद है और एहतियात के तौर पर उन्हें डॉक्टरों की निगरानी में रखा जाएगा।

पवार की बेटी और लोकसभा सांसद सुप्रिया सुले ने लोगों की चिंता को देखते हुए सोशल मीडिया पर जानकारी दी थी कि उनके पिता के सभी महत्वपूर्ण स्वास्थ्य पैरामीटर सामान्य और स्थिर हैं।

कोलकाता में पुलिसकर्मी का शव अपने क्वार्टर में फंदे से लटका मिला, जांच जारी



कोलकाता, एजेंसी।

दक्षिण कोलकाता के बांसद्रोणी पुलिस थाने में एक पुलिसकर्मी का शव अपने क्वार्टर के अंदर फंदे से लटका मिला। इस घटना के बाद उसकी मौत के कारणों की जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस आत्महत्या की संभावना की जांच कर रही है, साथ ही मौत से जुड़े हालात का पता लगाने के लिए अन्य सभी पहलुओं पर भी गौर कर रही है।

मृतक की पहचान संजय हलदर के रूप में हुई है। वह कोलकाता पुलिस में ड्राइवर के तौर पर काम करते थे। उनका शव पुलिस बैरक की दूसरी मंजिल पर स्थित एक कमरे में फंदे से लटका मिला, जहां वे रहते थे।

पुलिस के अनुसार, बुधवार रात हलदर अपने कमरे में अकेले थे। गुरुवार सुबह, जब ज्यादातर कर्मचारी नीचे आ गए, तो उनके साथियों ने देखा कि वे अपने कमरे से बाहर नहीं आए हैं। इसके बाद कुछ साथी उन्हें देखने ऊपर गए, जहां उन्होंने उन्हें फंदे से लटका हुआ पाया।

पुलिस ने सुबह करीब 8 बजे शव को बरामद किया और पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया। जांचकर्ता फिलहाल इसे आत्महत्या का मामला मानकर चल रहे हैं, लेकिन मौत के असली कारणों का पता लगाने के लिए हर पहलू की जांच कर रहे हैं।

घटना की सूचना मिलते ही कोलकाता पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंच गए। पुलिस परिसर के अंदर एक पुलिसकर्मी की अचानक मौत से वहां मौजूद कर्मचारियों और आसपास के निवासियों में चिंता बढ़ गई।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि हलदर का घर कोलकाता के दक्षिणी बाहरी इलाके सरसुना में था। जांचकर्ता उनके परिवार के सदस्यों और साथियों से संपर्क कर रहे हैं ताकि उनके निजी जीवन और हाल के हालात के बारे में जानकारी जुटाई जा सके।

पुलिस उनके मोबाइल फोन की भी जांच कर रही है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि क्या कोई बातचीत, मैसेज या अन्य जानकारी इस घटना पर रोशनी डाल सकती है। जांचकर्ता यह भी पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि क्या वे मानसिक तनाव से गुजर रहे थे या कोई अन्य कारण उनकी मौत का कारण बना।

कोलकाता पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि मामले की जांच शुरू कर दी गई है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट से मौत के सही कारण का पता चल सकेगा।

अधिकारी ने कहा कि शुरूआती पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने के बाद ही मौत का असली कारण स्पष्ट हो पाएगा।

संविधान दिवस पर तेलंगाना में सियासी घमासान, कांग्रेस की संविधान बचाओ रैली पर भाजपा का पलटवार



हैदराबाद, एजेंसी।

संविधान दिवस के मौके पर तेलंगाना में कांग्रेस की संविधान बचाओ रैली को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष आमने-सामने आ गए हैं। कांग्रेस ने भारतीय जनता पार्टी पर संविधान और मताधिकार खत्म करने का आरोप लगाया, तो भाजपा प्रवक्ता प्रकाश रेड्डी ने पलटवार करते हुए कांग्रेस के 55 साल के शासन, आपातकाल और अनुच्छेद 356 के दुरुपयोग का मुद्दा उठाकर उसके संविधान प्रेम पर ही सवाल खड़े कर दिए।

भाजपा प्रवक्ता प्रकाश रेड्डी ने कहा, ह्लकांग्रेस पार्टी का पाखंड देखिए। संविधान दिवस पर उन्होंने इस देश में संविधान की रक्षा का आह्वान किया। 26 नवंबर 1949 को, जब डॉ. अंबेडकर ने संविधान सौंपा और संविधान सभा ने उसे स्वीकार किया, तब इसे डॉ. राजेंद्र प्रसाद को सौंपा गया था। यही वह दिन है। कांग्रेस पार्टी ने 55 वर्षों तक शासन किया। उसने कई बार संविधान की भावना का उल्लंघन किया, जिसमें आपातकाल भी शामिल है। उसने आपातकाल लगाया और संविधान में डॉ. अंबेडकर द्वारा दिए गए मौलिक अधिकारों को समाप्त कर दिया। उन्होंने कहा कि दुर्भाग्य से कांग्रेस पार्टी ने अनुच्छेद 356 का 100 से अधिक बार इस्तेमाल करके राज्य सरकारों को बर्खास्त किया जबकि अनुच्छेद 356 का उपयोग केवल संवैधानिक दायित्वों के तहत किया जाना चाहिए। कांग्रेस पार्टी ने कई बार, यहां तक कि आपातकाल के दौरान भी संविधान में संशोधन किए। उसने सभी विपक्षी नेताओं को जेल में डाल दिया। यही कांग्रेस का विश्वास है, यही संविधान के प्रति कांग्रेस पार्टी की आस्था है। और आज वे संविधान की रक्षा करना चाहते हैं।

कांग्रेस सांसद अनिल कुमार यादव ने कहा, ह्लहम लोगों को बताना चाहते हैं कि भाजपा संविधान को पूरी तरह से खत्म करने की कोशिश कर रही है। आज भाजपा संविधान को खत्म करने की कोशिश कर रही है और वोट देने के संवैधानिक अधिकार, मताधिकार को भी खत्म करने की कोशिश कर रही है। उसे रोकने के लिए हम आज संविधान बचाओ रैली कर रहे हैं। थोड़ी ही देर में हमारे प्रभारी संदीप जी यहां पहुंचेंगे, हमारे मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी पहुंचेंगे, हमारे पीसीसी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ पहुंचेंगे, सभी मंत्री पहुंचेंगे, सभी इस रैली में हिस्सा लेंगे।

कांग्रेस नेता वी. हनुमंत राव ने कहा कि हिंदुस्तान की आजादी के बाद जो संविधान लिखा गया, वह अपने देश का दस्तूर बोलता है। संविधान को बदलना संविधान के साथ भी अन्याय होगा। सबसे बड़ी बात यह है कि हमारे हिंदुस्तान के गृह मंत्री अमित शाह ने सबसे ज्यादा संविधान का अपमान किया। जिन्होंने संविधान लिखा, उनके साथ ही बेईमानी हो रही है। उन्होंने कहा कि अब तो आने वाले दिनों में ये नया संविधान लिखने वाले हैं। जो स्वतंत्र संस्थाएं हैं जैसे सीईसी, ईडी, सीबीआई, उनके सदस्यों की नियुक्ति में किन लोगों के नाम हैं? एक प्रधानमंत्री, दूसरा विपक्ष का नेता और तीसरा चीफ जस्टिस।

संविधान दिवस पर एनडीए नेताओं ने दी शुभकामनाएं विपक्ष पर लगाया बाबासाहेब के अपमान का आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी।



संविधान दिवस के अवसर पर एनडीए नेताओं ने देशवासियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने संविधान के महत्व, लोकतंत्र में उसकी भूमिका और नागरिकों के अधिकारों व कर्तव्यों पर अपने विचार रखे। नेताओं ने संविधान को देश की सबसे बड़ी ताकत बताया, साथ ही विपक्ष पर संविधान के नाम पर राजनीति करने का आरोप भी लगाया।

गुजरात विधानसभा के अध्यक्ष शंकर चौधरी ने कहा कि हमारा लोकतंत्र संविधान के माध्यम से ही चलता है और भारत का संविधान दुनिया के सबसे विस्तृत और सबसे लंबे लिखित संविधानों में से एक है।

शंकर चौधरी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उस ऐतिहासिक क्षण को याद किया, जब तत्कालीन मुख्यमंत्री के रूप में उन्होंने हाथी पर संविधान की प्रति रखकर नंगे पैर जुलूस निकाला था। उन्होंने कहा कि इसके पीछे उद्देश्य नागरिकों के मन में संविधान के प्रति सम्मान और विश्वास को बढ़ाना था। उन्होंने कहा कि अपने अधिकारों और कर्तव्यों को समझना हर नागरिक का कर्तव्य और जिम्मेदारी है। संविधान जितना मजबूत होगा, देश भी उतना ही मजबूत होगा। वहीं, संविधान दिवस पर पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने कहा कि इस बार राज्य में हुए चुनाव में 93 प्रतिशत मतदान हुआ, यह संविधान की ही देन है। उन्होंने कहा कि इतनी बड़ी संख्या में मतदान पहले कभी नहीं हुआ। मुख्यमंत्री ने संविधान दिवस पर विपक्ष द्वारा देशभर में निकाले जा रहे संविधान बचाओ मार्च को लेकर कहा कि संविधान हमारा मंदिर है। यहां राजनीति की बात नहीं होनी चाहिए। देश का संविधान बहुत मजबूत है। जो लोग आपातकाल लेकर आए थे, वे संविधान के बारे में जितना कम बोलें, उतना ही अच्छा है। संविधान को सबसे बड़ा आघात आपातकाल के दौरान ही लगा था। हमारे लिए देश का संविधान ही सर्वोपरि है और बाबासाहेब द्वारा दिखाए गए रास्ते पर ही चलना चाहिए।

कोलकाता के अस्पताल में एक्स-रे कक्ष की छत का हिस्सा गिरा, कोई हताहत नहीं

कोलकाता। पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा संचालित एक अस्पताल के एक्स-रे कक्ष की छत का एक हिस्सा बृहस्पतिवार को गिर गया, जिससे स्वास्थ्य केंद्र में रखरखाव के कामकाज को लेकर चिंता पैदा हो गई है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि यह घटना यहां स्थित नील रतन सरकार (एनआरएस) मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के रेडियोलॉजी विभाग में हुई, हालांकि इसमें किसी के घायल होने की कोई सूचना नहीं है। स्वास्थ्य मंत्री शारद्वत मुखर्जी ने कहा, हमें इस घटना की जानकारी मिली है। यह एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना है और हम जांच कर रहे हैं कि यह कैसे हुआ। पिछले 15 दिन से हम लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के अधिकारियों से अस्पतालों में मरम्मत की जरूरत वाले स्थानों का मूल्यांकन करने के लिए कह रहे हैं। इसकी सूची तैयार की जा रही है।

दुरई वाइको का डीएमके नेतृत्व पर आरोप, कहा-अन्नादुरई के आदर्शों को छोड़ दिया

तिरुचिरापल्ली, एजेंसी।



एमडीएमके सांसद दुरई वाइको ने डीएमके नेतृत्व पर उन सिद्धांतों को छोड़ने का आरोप लगाया, जिन पर सीएन अन्नादुरई ने पार्टी की स्थापना की थी। उन्होंने मदुरै में तिरुप्परंकुंद्रम पहाड़ी पर कार्तिगाई दीपम जलाने के मुद्दे पर पार्टी की चुप्पी पर भी सवाल उठाया।

तिरुचिरापल्ली हवाई अड्डे पर पत्रकारों से बात करते हुए सांसद ने सोशल मीडिया पर चल रहे उन पोस्ट्स का भी खंडन किया, जिनमें उन्हें कल्लाकुरिची विधायक को गलत काम से क्लीन चिट देते हुए दिखाया गया था। उन्होंने कहा कि उन्होंने मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय से हस्तक्षेप करने और विधायक के खिलाफ शिकायत पर कार्रवाई करने का आह्वान किया था। दुरई वाइको ने कहा कि अन्नादुरई ने डीएमके की स्थापना धर्मनिरपेक्षता, राज्य स्वायत्तता और सामाजिक न्याय के प्रति प्रतिबद्धता पर की थी, जिसमें आम लोगों के हित राजनीति के केंद्र में थे।

उन्होंने कहा कि पार्टी में कई लोग अब भी उन सिद्धांतों में विश्वास करते हैं लेकिन उन्होंने मौजूदा नेतृत्व पर उनसे विश्वासघात करने का आरोप लगाया।

उन्होंने तमिल अभिव्यक्ति थिल्लुमुल्लु कषगम का इस्तेमाल किया, जो एक तंज है जिसका मतलब है कि पार्टी धोखेबाजी करने वाला संगठन बन गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि इसके नेताओं ने इसे लुटेरों का अड्डा बना दिया है।

तिरुप्परंकुंद्रम मुद्दे पर सांसद ने कहा कि दीपक मंदिर पूजा को नियंत्रित करने वाले आगम नियमों के अनुसार जलाया गया था। उन्होंने कहा कि जिस तरह से समारोह आयोजित किया गया, उसमें धार्मिक भावनाओं का सम्मान किया गया और सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने में मदद मिली। उन्होंने कहा कि एमडीएमके ने दीपक जलाने का स्वागत किया था, जैसा कि डीएमके के नेतृत्व वाले गठबंधन में अल्पसंख्यक संगठनों ने भी किया था।

उन्होंने कहा कि जबकि भाजपा और एआईएडीएमके ने अलग रुख अपनाया था, डीएमके अपने सहयोगियों के बीच सार्वजनिक रूप से प्रशंसा का कोई शब्द नहीं कहने के लिए अलग खड़ी रही।

कल्लाकुरिची विधायक के खिलाफ शिकायत पर दुरई वाइको ने कहा कि ऑनलाइन फैल रहा दावा उनकी टिप्पणियों को गलत तरीके से पेश करता है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री से कार्रवाई करने की उनकी अपील को इस तरह पेश किया गया, जैसे उन्होंने घोषणा की हो कि विधायक ने कुछ गलत नहीं किया है।

सांसद ने अपने पिता व दिग्गज एमडीएमके नेता वाइको के साथ सोशल मीडिया पर हो रहे व्यवहार की भी आलोचना की। उन्होंने कहा कि 84 वर्षीय वाइको को कई बार चीजें याद करने में दिक्कत होती है और सवालों का जवाब देते समय वे भावुक हो सकते हैं। उन्होंने डीएमके पर युवाओं को उनके पिता से सवाल पूछने के लिए प्रोत्साहित करने, भावनात्मक प्रतिक्रिया को लेकर भड़काने और फिर उनकी टिप्पणियों को ऑनलाइन फैलाने का आरोप लगाया। दुरई वाइको ने कहा कि जो कोई भी उनके राजनीतिक विचारों को चुनौती देना चाहता है, वह सीधे उनसे मुकाबला करने के लिए स्वतंत्र है। उन्होंने कहा कि वे सोशल मीडिया पर अपने आलोचकों को जवाब देने के लिए तैयार हैं।

सीएम हेमंत ने एमएमडीआर एक्ट के खिलाफ विधानसभा में पेश किया प्रस्ताव, कहा- झारखंड को 13 हजार करोड़ का होगा नुकसान

रांची, एजेंसी।

झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने केंद्र सरकार के माइन्स एंड मिनरल्स (डेवलपमेंट एंड रेग्युलेशन) एक्ट में नए संशोधन का विरोध करते हुए इसे वापस लेने की मांग की है। झारखंड विधानसभा के विशेष सत्र के दूसरे दिन गुरुवार को उन्होंने इस संबंध में राजकीय संकल्प प्रस्ताव पेश किया।

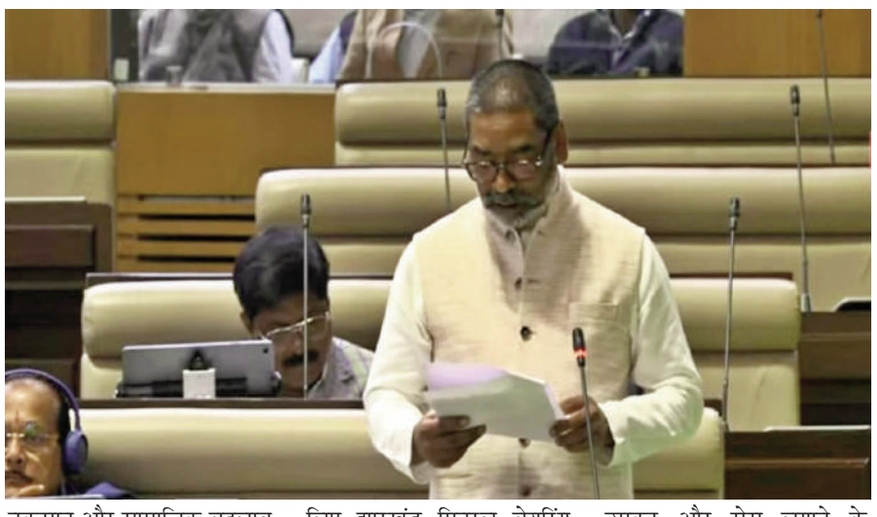

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि संसद में पारित नए संशोधन से झारखंड को हर साल करीब 13 हजार करोड़ रुपये के राजस्व का नुकसान होने की आशंका है। इससे राज्य की कई जनकल्याणकारी योजनाओं पर असर पड़ेगा। झारखंड खनिज संपदा से समृद्ध राज्य है, लेकिन खनन का नुकसान यहां के स्थानीय लोगों को उठाना पड़ता है। खनन क्षेत्रों में रहने वाले आदिवासी, दलित और अन्य वंचित समुदायों को विस्थापन, जमीन से बेदखली, पर्यावरणीय नुकसान और सामाजिक बदलाव जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। ऐसे में खनिज से होने वाली कमाई का एक हिस्सा इन क्षेत्रों के विकास और प्रभावित लोगों के कल्याण पर खर्च किया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने खनन प्रभावित क्षेत्रों और वहां रहने वाले लोगों के विकास के लिए झारखंड मिनरल बेयरिंग लैंड सेस एक्ट, 2024 लागू किया था। इसके जरिए करीब 13 हजार करोड़ रुपये का राजस्व जुटाने की व्यवस्था की गई थी, जिसका उपयोग विकास और जनकल्याणकारी योजनाओं के लिए किया जा रहा है। लेकिन, केंद्र के नए संशोधन से खनिज वाली जमीन पर कर, उपकर और सेस लगाने के राज्यों के अधिकार सीमित हो गए हैं। पुराने बकाया और वसूली नहीं हुई राशि से जुड़े दावों को भी प्रभावित किया गया है। सीएम हेमंत सोरेन ने कहा कि नए कानून से खनन प्रभावित क्षेत्रों के विकास के लिए उपलब्ध संसाधन कम होंगे। इससे उन समुदायों के सामाजिक और आर्थिक उत्थान के लिए चलाए जा रहे प्रयासों पर भी असर पड़ेगा, जिन्हें खनन के कारण विस्थापन और पर्यावरणीय नुकसान झेलना पड़ता है। उन्होंने जुलाई 2024 में सुप्रीम कोर्ट के खनिज और खनिज वाली जमीन पर कर लगाने से संबंधित फैसले का हवाला देते हुए कहा कि संविधान की सातवीं अनुसूची के तहत राज्यों को भूमि पर कर लगाने का अधिकार है। खनिज वाली जमीन भी भूमि है और उसके मूल्य या उत्पादन के आधार पर कर लगाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि खनिज संपदा से मिलने वाले लाभ का हिस्सा खनन प्रभावित क्षेत्रों के आदिवासियों, दलितों और अन्य वंचित समुदायों के विकास पर खर्च करना राज्य का दायित्व है। मुख्यमंत्री ने केंद्र से संशोधन कानून पर पुनर्विचार करने और इसे वापस लेने की मांग की। विधानसभा में पेश राजकीय संकल्प पारित कर दिया गया।

अलग बोडोलैंड राज्य की मांग को लेकर 'बोडोलैंड स्टेट डिमांड कमेटी' का गठन

कोकराझार, एजेंसी।



सोनकोष से सदिया तक अलग बोडोलैंड की राज्य की मांग को लेकर कोकराझार में 'बोडोलैंड स्टेट डिमांड कमेटी' नामक नए संगठन का गठन किया गया है। कमेटी के नेतृत्व में आगामी दिसंबर में दिल्ली में राष्ट्रीय परिचर्चा का आयोजन होने जा रहा है। जीके पिल्लई कमेटी को पुनर्जीवित करने की मांग कमेटी ने उठाई है। अलग बोडोलैंड की मांग को लेकर कोकराझार में 'बोडोलैंड स्टेट डिमांड कमेटी' नामक नए संगठन ने बोड़ो समुदाय के लंबे समय से राजनीतिक आत्म-निर्णय के अधिकार और अलग राज्य के सपने को साकार करने के लक्ष्य के साथ बुधवार की देर शाम को कोकराझार के देवरगांव स्थित बोडोलैंड शहीद समाधि स्थल परिसर में एक महत्वपूर्ण बैठक हुई। बैठक में बोड़ो जातीय संगठन, सहायोगी संगठन, बुद्धिजीवी और छात्र संगठनों की मौजूदगी में आयोजित इस बैठक में अलग बड़ेलैंड राज्य के गठन के आंदोलन को नई गति देने के लिए ह्यबड़ोलैंड स्टेट डिमांड कमेटीह्व नामक नये संगठन बनाने की बात औपचारिक रूप से घोषित की गई। इस महत्वपूर्ण बैठक में बोड़े नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन (बनसू), ऑल बोड़ोलैंड सीनियर सिटिजन्स फोरम, बोड़े राइटर्स अकादमी, एक्स वॉलंटियर फोर्स, बोड़ोलैंड जनजाति सुरक्षा मंच, संपूर्ण असम ट्राइबल स्टूडेंट्स यूनियन, यूनाइटेड ट्राइबल ऑर्गेनाइजेशन ऑफ असम, गांवबूढ़ा एसोसिएशन, यूनाइटेड बोड़े पीपल्स फोरम, यूनाइटेड एक्स एनडीएफबी और बोड़े नेशनल पार्टी (बीएनपी) के प्रतिनिधि शामिल हुए।

बैठक के अंत में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कमेटी के नेतृत्वों ने कहा कि नवगठित 'बोड़ोलैंड स्टेट डिमांड कमेटी' के अध्यक्ष और चेयरपर्सन के रूप में बोड़ा नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन (बनसू) के अध्यक्ष बंजीत मंजिल बसुमतारी और समन्वयक (कोऑर्डिनेटर) के रूप में बोडोसु के महासचिव नवज्योति स्वगीर्यारी को जिम्मेदारी सौंपी गई है। बैठक में शामिल सभी सहयोगी संगठनों को इस समिति में सहयोगी सदस्य के रूप में शामिल किया गया है और आने वाले कुछ दिनों में इन संगठनों से उप-सभापति, उपाध्यक्ष, समन्वयक और सलाहकार चुने जाएंगे ताकि समिति को एक पूर्ण रूप दिया जा सके।

वहीं, बैठक में लिए गए दूसरे महत्वपूर्ण फैसलों के अनुसार, 2014 में नरेन्द्र मोदी नेतृत्व वाली एनडीए सरकार द्वारा अलग बोड़ोलैंड राज्य बनाने की संभावना को परखने और उस पर रिपोर्ट जमा कराने के लिए मध्यस्थ के रूप में जीके पिल्लई को जिम्मेदारी देकर बनाई गई 'वन मैन एक्सपर्ट कमेटी' को तत्कालीन रूप में पुनर्जीवित करने के लिए केंद्र सरकार से मांग की गई है।

शादी से पहले पार्टनर से एचआईवी-पॉजिटिव होने की बात छिपाने पर कोलकाता में युवक गिरफ्तार

कोलकाता, एजेंसी।



कोलकाता के बांसद्रोणी इलाके में बुधवार को एक युवक को अपनी पार्टनर से शादी से पहले अपना एचआईवी-पॉजिटिव होने की बात छिपाकर कथित तौर पर धोखा देने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने गुरुवार को यह जानकारी दी।

पुलिस के अनुसार, युवक एक निजी संस्थान में काम करता है। उसकी मुलाकात महिला से कुछ साल पहले सोशल मीडिया के जरिए हुई थी। महिला एक निजी अस्पताल में नर्स के तौर पर काम करती है। धीरे-धीरे उनकी दोस्ती प्यार में बदल गई और दोनों बाद में शारीरिक रूप से भी करीब आ गए। महिला ने आरोप लगाया कि उसके पार्टनर ने अपनी बीमारी के बारे में जानते हुए भी पूरे रिश्ते के दौरान अपने एचआईवी-पॉजिटिव होने की बात छिपाए रखी। यह बात तब सामने आई, जब उसने उससे शादी और परिवार शुरू करने की बात शुरू की।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि महिला ने हाल ही में घर बसाने और परिवार शुरू करने की इच्छा जताई थी। हालांकि, युवक इस विषय को टालता रहा, जिससे उसका शक बढ़ गया। हालांकि वह अभी भी उससे शादी करने की इच्छुक थी, उसने शादी की तैयारियों के तहत कई मेडिकल टेस्ट कराने का फैसला किया।

युवक ने शुरू में टेस्ट कराने से मना किया, लेकिन महिला के बार-बार कहने पर वह आखिरकार मान गया। मेडिकल जांच के दौरान वह एचआईवी-पॉजिटिव पाया गया, जिससे महिला को गहरा झटका लगा।

इसके बाद महिला ने खुद भी एचआईवी टेस्ट कराया। उसने यह भी आरोप लगाया कि उसके पार्टनर को रिश्ते में आने से पहले ही अपने संक्रमण के बारे में पता था और उसने यह जानकारी उससे छिपाई थी। उसकी शिकायत के अनुसार, युवक ने यह भी बताया था कि अतीत में उसके कई अन्य महिलाओं के साथ शारीरिक संबंध रहे थे। इस खुलासे के बाद महिला बांसद्रोणी पुलिस स्टेशन पहुंची और उसके खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। उसने उस पर विश्वासघात और धोखाधड़ी का आरोप लगाया।

चेन्नई में स्टोर से 10 लाख रुपये का सामान चोरी करने के आरोप में चार लोग गिरफ्तार

चेन्नई, एजेंसी।



तमिलनाडु के चेन्नई स्थित रॉयपेट्टा इलाके में एक स्टोर से करीब 10 लाख रुपये के इलेक्ट्रॉनिक सामान और सौंदर्य प्रसाधन उत्पादों की चोरी करने के आरोप में पुलिस ने चार लोगों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने इसकी जानकारी दी।

पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों में स्टोर के दो मौजूदा एवं दो पूर्व कर्मचारी शामिल हैं।

पुलिस की ओर से जारी बयान के अनुसार, चोरी का मामला 16 नवंबर को सामने आया था, जब स्टोर के एक कर्मचारी ने देखा कि वहां लगे सीसीटीवी कैमरे काम नहीं कर रहे हैं। बयान में बताया गया कि उसने इसकी जानकारी स्टोर प्रबंधक कीर्तिवासन (31) को दी। कीर्तिवासन तमिलनाडु के डिंडीगुल के रहने वाले हैं और मायलापुर में रहते हैं। इसके बाद तकनीकी विशेषज्ञों ने स्टोर का निरीक्षण किया तो पता चला कि वहां से करीब 1.4 लाख रुपये कीमत की सात सीसीटीवी हार्ड डिस्क के अलावा ब्लूटूथ हेडसेट, ईयरबड्स, स्मार्टवॉच और कॉस्मेटिक उत्पाद गायब हैं।

पुलिस के मुताबिक, चोरी किए गए सभी सामान की कुल कीमत करीब 10 लाख रुपये आंकी गई है। पुलिस ने मामले की जांच के बाद चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

संविधान एक जीवंत और पवित्र दस्तावेज है जो नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करता है: हिमंत

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बृहस्पतिवार को कहा कि संविधान केवल एक कानूनी ढांचा नहीं है बल्कि एक जीवंत पवित्र दस्तावेज है जो प्रत्येक नागरिक के लिए न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व के अधिकारों की रक्षा करता है। संविधान दिवस के अवसर पर सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में शर्मा ने संविधान सभा के उन सदस्यों के योगदान को याद किया जिन्होंने देश के जीवंत लोकतंत्र की नींव रखी। उन्होंने कहा कि संविधान संस्थाओं को सशक्त बनाता है, मौलिक अधिकारों की गारंटी देता है और राष्ट्र निर्माण के प्रति नागरिकों को उनके कर्तव्यों की याद दिलाता है। उन्होंने कहा, इस अमृत काल में आगे बढ़ते हुए आइए हम संवैधानिक मूल्यों को बनाए रखने, राष्ट्र की एकता को मजबूत करने और अटूट समर्पण के साथ मातृभूमि की सेवा करने के प्रति अपनी सामूहिक प्रतिबद्धता को दोहराएं।

सरकार ने बिजली कर्मचारियों के विरोध-प्रदर्शन के बीच सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी

भुवनेश्वर, एजेंसी।

ओडिशा के उपमुख्यमंत्री के वी सिंह देव ने बुधवार को विरोध-प्रदर्शन कर रहे संविदा बिजली कर्मचारियों को चेतावनी दी कि बिजली आपूर्ति बाधित करने की कोशिश करने पर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

सिंह देव ने जारी आंदोलन पर विधानसभा में बयान देते हुए कहा कि प्रदर्शनकारी तीन स्थानों पर हाईटेंशन बिजली टावरों पर चढ़ गए हैं, जिससे बिजली आपूर्ति बाधित होने का खतरा उत्पन्न हो गया है और आवश्यक सेवाएं भी प्रभावित हो सकती हैं। ये कर्मचारी पिछले 55 दिनों से हड़ताल पर हैं।

कर्मचारियों की मांग है कि टाटा पावर और राज्य सरकार के संयुक्त स्वामित्व वाली बिजली वितरण कंपनी द्वारा काम से हटाए गए कर्मचारियों को दोबारा बहाल किया जाए।

सिंह देव ने कहा, ह्यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि प्रदर्शनकारियों ने 33 किलोवोल्ट (केवी), 132 केवी और 400 केवी बिजली नेटवर्क के टावरों पर चढ़कर टीपीसीओडीएल क्षेत्र में बिजली आपूर्ति बाधित करने की कोशिश की है। यह तोड़फोड़ और व्यवस्था को बाधित करने की कोशिश है, जिसे किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जा सकता।

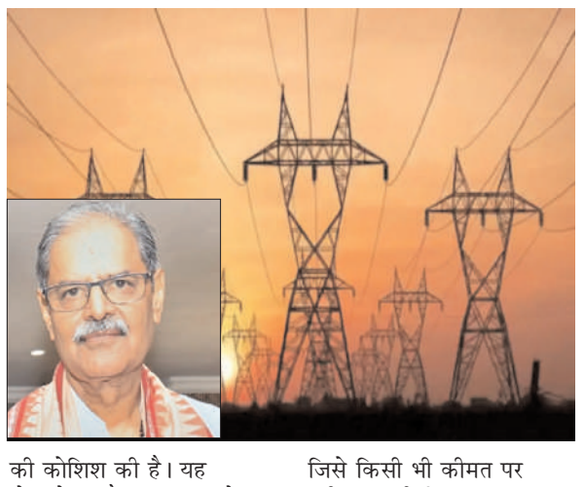

सिंह देव ऊर्जा विभाग का भी प्रभार संभाल रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि बिजली आपूर्ति बाधित होने से एम्स और एससीबी मेडिकल कॉलेज अस्पताल सहित अन्य अस्पतालों का कामकाज प्रभावित हो सकता है, जिससे हजारों मरीजों की जान खतरे में पड़ सकती है।

उपमुख्यमंत्री ने कहा, सरकार ने फैसला किया है कि वह जनसेवाओं को प्रभावित नहीं होने देगी और ऐसी अनुचित तथा गैरकानूनी मांगों के दबाव में नहीं आएगी। इस तरह की अवैध गतिविधियों में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

बंगाल के मुख्यमंत्री ने 26/11 मुंबई हमले के मृतकों को दी श्रद्धांजलि, सुरक्षाकर्मियों को किया नमन

कोलकाता, एजेंसी।



पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने 18 साल पहले मुंबई में हुए आतंकी हमलों में मारे गए लोगों को बृहस्पतिवार को श्रद्धांजलि दी और देश की रक्षा करते हुए अपने प्राणों की आहुति देने वाले सुरक्षाकर्मियों को भी नमन किया।

अधिकारी ने सोशल मीडिया मंच ह्यएक्सह्व पर एक पोस्ट में इस आतंकी हमले को ह्यकायरतापूर्ण हमलाह्व बताया। उन्होंने कहा कि सुरक्षाकर्मियों की वीरता और निस्वार्थ सेवा हर भारतीय की स्मृतियों में हमेशा अंकित रहेगी।

उन्होंने एक्स पर लिखा, 26/11 के भयावह मुंबई आतंकी हमले की बरसी पर इस कायरतापूर्ण हमले में जान गंवाने वाले सभी निर्दोष लोगों को मेरी भावभीनी श्रद्धांजलि। उनकी आत्मा को शांति मिले।

मुख्यमंत्री ने कहा, मैं गहरी कृतज्ञता के साथ अपने बहादुर सुरक्षाकर्मियों और उन वीरों को नमन करता हूं, जिन्होंने देश की संप्रभुता और अखंडता की रक्षा करते हुए सर्वोच्च बलिदान दिया। उनकी वीरता और निस्वार्थ सेवा हर भारतीय की स्मृतियों में हमेशा अंकित रहेगी।

मुंबई में 26/11 के आतंकी हमलों को लश्कर-ए-तैयबा के 10 भारी हथियारों से लैस आतंकवादियों ने अंजाम दिया था। ये सभी समुद्र के रास्ते पाकिस्तान से मुंबई पहुंचे थे। इस हमले में विदेशियों समेत 166 लोगों की मौत हो गई थी, जबकि 300 से अधिक लोग घायल हुए थे।

पलक्कड़ में आरपीएफ ने यात्री के पास से 19.5 लाख रुपये की नकदी जब्त की



पलक्कड़ (केरलम), एजेंसी।

रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने पलक्कड़ रेलवे स्टेशन पर एक यात्री के पास से 19.5 लाख रुपये की नकदी जब्त की है। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

आरपीएफ जवानों ने बुधवार को मलप्पुरम जिले के नीलांबुर के पास सेल्वराज (59) को रोका। सेल्वाराज मूल रूप से नादुविलकम का निवासी है।

अधिकारियों के अनुसार, रेलवे स्टेशन पर मादक पदार्थों की तस्करी रोकने के लिए चलाए जा रहे जांच अभियान के दौरान सेल्वराज को रोका गया था।

ट्रेन से यात्रा कर कोयंबटूर से पलक्कड़ रेलवे स्टेशन पहुंचे सेल्वराज जब नीलांबुर की ओर जा रहे थे, तभी अधिकारियों ने उनके सामान की तलाशी ली।

आरपीएफ अधिकारियों ने बताया कि नकदी को बैग में एक गुप्त जेब में छिपाकर रखा गया था।

उन्होंने बताया कि पूछताछ के दौरान सेल्वराज नकदी के संबंध में कोई संतोषजनक स्पष्टीकरण नहीं दे सके, जिसके बाद आरपीएफ ने इसे जब्त कर लिया और आगे की कार्रवाई के लिए नकदी आयकर विभाग की जांच टीम को सौंप दिया।

विजयन ने संघ परिवार से संविधान को खतरे की आशंका जताई

तिरुवनंतपुरम। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के वरिष्ठ नेता और केरलम में विपक्ष के नेता पिनराई विजयन ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि अपनी सांप्रदायिक विचारधारा थोपने और लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर करने की संघ परिवार की कोशिशें देश के संविधान के लिए गंभीर खतरा पैदा कर रही हैं। संविधान दिवस पर सोशल मीडिया मंच ह्यएक्सह्व पर एक पोस्ट में विजयन ने न्यायपूर्ण, धर्मनिरपेक्ष और लोकतांत्रिक भारत की संवैधानिक परिकल्पना के प्रति नए सिरे से प्रतिबद्धता जताने का आह्वान किया। पूर्व मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि कॉरपोरेट हितों के समर्थन से संघ परिवार संघवाद को कमजोर करने और लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर करने की कोशिश कर रहा है, जिससे देश की बहुलतावादी नींव को खतरा है। उन्होंने कहा, इस हमले से संविधान को बचाना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है।

उच्च न्यायालय ने नाबालिग दुष्कर्म पीड़िता को गंभीर जोखिम के बावजूद गर्भपात की अनुमति दी

कोच्चि, एजेंसी।



केरल उच्च न्यायालय ने 27 माह से अधिक की गर्भवती एक नाबालिग दुष्कर्म पीड़िता को चिकित्सीय रूप से गर्भपात कराने की अनुमति दे दी क्योंकि पीड़िता चिकित्सकों के सुझाव के अनुसार 32 सप्ताह तक गर्भावस्था जारी रखने के लिए तैयार नहीं थी। हालांकि मेडिकल बोर्ड ने आशंका जताई कि इस प्रक्रिया में उसकी मृत्यु भी हो सकती है।

न्यायमूर्ति हरिशंकर वी. मेनन ने कहा कि चूंकि पीड़िता नाबालिग है और पढ़ाई कर रही है, इसलिए उसकी इच्छा को भी सर्वोच्च सम्मान दिया जाना आवश्यक है।

अदालत ने कहा, इसलिए, तथ्यों और कानूनी स्थिति पर विचार करने के बाद मेरी राय है कि याचिकाकर्ता की प्रार्थना तत्काल स्वीकार की जानी चाहिए।

अदालत के आदेश पर गठित मेडिकल बोर्ड ने पीड़िता की जांच के बाद अपनी रिपोर्ट सौंपी थी जिसमें कहा गया था कि गर्भावस्था के इस चरण में चिकित्सीय रूप से गर्भपात कराने से अत्यधिक रक्तस्राव, गर्भनाल के अवशेष गर्भाशय में रह जाने, गर्भाशय फटने, गर्भ की झिल्ली समय से पहले फटने और संक्रमण का खतरा बढ़ सकता है। इसके अलावा, एनेस्थीसिया से जुड़े जोखिम, हृदय गति रुकने और यहां तक कि पीड़िता की मृत्यु होने की आशंका भी जताई गई थी।

मेडिकल बोर्ड ने यह भी कहा था कि इस प्रक्रिया का पीड़िता की भविष्य में गर्भधारण करने की क्षमता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।

पीड़िता के गर्भावस्था जारी रखने की इच्छुक नहीं होने के मद्देनजर अदालत ने राज्य सरकार को निर्देश दिया कि उसकी सहमति से संबंधित शपथपत्र लेने के बाद बिना किसी देरी के गर्भपात के लिए कदम उठाए जाएं। अदालत ने कहा, यदि गर्भपात की प्रक्रिया के बाद शिशु जीवित रहता है, तो राज्य सरकार उचित व्यवस्था करने के साथ ही उसे देखभाल उपलब्ध कराएगी।

अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि यदि पीड़िता शिशु को अपने पास नहीं रखना चाहती है, तो उसे बिना किसी शर्त के बाल देखभाल संस्थान या विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी को सौंपा जा सकता है, ताकि उसे गोद देने की प्रक्रिया में शामिल किया जा सके।

अदालत ने कहा कि यदि शिशु जीवित नहीं रहता है, तो अस्पताल डीएनए, फिंगरप्रिंटिंग और अन्य आवश्यक पहचान संबंधी परीक्षणों के लिए भ्रूण के ऊतकों तथा रक्त के नमूनों को सुरक्षित रखेगा क्योंकि इस मामले में प्राथमिकी पहले ही दर्ज की जा चुकी है।

आईएमएस-बीएचयू में सांस्कृतिक मूल्यों और समग्र मनोदैहिक उत्कर्ष पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन शुरू

भारत, नेपाल और श्रीलंका सहित विभिन्न देशों के प्रतिनिधि प्रस्तुत करेंगे 150 शोधपत्र, होंगे 12 वैज्ञानिक सत्र



वाराणसी, एजेंसी।

उत्तर प्रदेश के वाराणसी स्थित काशी हिन्दू विश्वविद्यालय (बीएचयू) के चिकित्सा विज्ञान संस्थान आयुर्वेद संकाय के संहिता एवं संस्कृत विभाग तथा सिद्धांत दर्शन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में गुरुवार को के.एन. उडुपा सभागार में दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ हुआ। ह्यनई पीढ़ी के समग्र मनोदैहिक उत्कर्ष हेतु सांस्कृतिक मूल्यों के समावेश की अनिवार्यताह्व विषय पर आयोजित इस सम्मेलन में भारत, नेपाल और श्रीलंका सहित विभिन्न देशों के प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं। सम्मेलन में कुल 150 वैज्ञानिक शोधपत्र प्रस्तुत किए जाएंगे। 27 नवंबर तक चलने वाले इस सम्मेलन में दो पूर्ण सत्र (प्लेनरी सेशन) और 12 वैज्ञानिक सत्र आयोजित होंगे। इससे पूर्व बुधवार को प्री-कॉन्फ्रेंस ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया गया था। सम्मेलन का उद्घाटन राष्ट्रगीत वंदे मातरम् के गायन के साथ हुआ। इसके बाद भारत रत्न महामना पंडित मदन मोहन मालवीय की प्रतिमा पर माल्यार्पण, मंगलाचरण और पारंपरिक दीप प्रज्वलन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलगीत के गायन के साथ उद्घाटन समारोह की औपचारिक शुरूआत हुई। आयोजन अध्यक्ष प्रो. रानी सिंह ने अतिथियों एवं प्रतिभागियों का स्वागत किया। आयोजन अध्यक्ष प्रो. पी.के. गोस्वामी ने सम्मेलन की रूपरेखा, विषय की प्रासंगिकता और अकादमिक उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने समकालीन स्वास्थ्य सेवाओं, विज्ञान और शिक्षा के क्षेत्र में सांस्कृतिक मूल्यों तथा भारतीय ज्ञान परंपरा के व्यवस्थित समावेश की आवश्यकता पर जोर दिया।

बतौर मुख्य अतिथि एवं आईएमएस-बीएचयू के निदेशक प्रो. एस.एन. शंखवार ने कहा कि इक्कीसवीं सदी की स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों का प्रभावी समाधान पारंपरिक ज्ञान और आधुनिक चिकित्सा विज्ञान के बीच अंतरविषयक समन्वय से संभव है। उन्होंने चिकित्सा के क्षेत्र में दोनों ज्ञान प्रणालियों के बीच सार्थक संवाद और सहयोग को महत्वपूर्ण बताया। विशिष्ट अतिथि नेपाल के प्रो. शिव मंगल प्रसाद ने युवा पीढ़ी में मनोदैहिक सुदृढ़ता के विकास के लिए पारंपरिक मूल्य प्रणालियों की महत्ता और उनकी अंतर-सांस्कृतिक प्रासंगिकता को रेखांकित किया। आयुर्वेद संकाय के संकाय प्रमुख प्रो. के. एच. एच. वी. एस. एस. एन. मूर्ति ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

खादी महोत्सव में उमड़ रही भीड़, ग्रामोद्योगी उत्पाद बने आकर्षण का केंद्र

बनारस रेल इंजन कारखाना में महाप्रबंधक ने कराया भारतीय संविधान की उद्देशिका का सामूहिक पाठन

वाराणसी, एजेंसी।

वाराणसी में बनारस रेल इंजन कारखाना (बरेका) में गुरुवार को संविधान दिवस को उत्साह, गरिमा और राष्ट्रप्रेम की भावना के साथ मनाया गया। बनारस रेल इंजन कारखाना में महाप्रबंधक आशुतोष पंत के मौजूदगी में प्रशासन भवन स्थित स्वागती हॉल में अधिकारियों और कर्मचारियों ने भारतीय संविधान की उद्देशिका का सामूहिक पठन किया गया।



बरेका के महाप्रबंधक आशुतोष पंत ने अधिकारियों और कर्मचारियों को संविधान में वर्णित स्वतन्त्रता, समानता, न्याय और बंधुत्व के मूल्यों पर जोर देते हुए राष्ट्र की एकता और अखंडता के संवर्धन हेतु निरंतर प्रयास करने का संदेश दिया। इस अवसर पर प्रमुख मुख्य यांत्रिक इंजीनियर विवेक शील, प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक आलोक अग्रवाल, प्रधान वित्त सलाहकार मुक्तेश मित्तल, प्रमुख मुख्य इंजीनियर राम जन्म, प्रमुख मुख्य कार्मिक अधिकारी लालजी चौधरी, प्रमुख मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ सुनील कुमार, मुख्य सतर्कता अधिकारी अंकुर चंद्रा, उप महाप्रबंधक सागर तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण, कर्मचारी परिषद के सदस्य नवीन कुमार सिन्हा तथा सुशील कुमार सिंह, जनसंपर्क अधिकारी राजेश कुमार सहित बड़ी संख्या में कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

भाजपा छोड़कर प्रवीण सिंह सैकड़ों कार्यकर्ताओं संग बसपा में शामिल



अमेठी, एजेंसी।

उत्तर प्रदेश में अमेठी जिले की अमेठी विधानसभा में संविधान दिवस के अवसर पर बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की ओर से गुरुवार को विशाल कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित किया गया। सम्मेलन में बसपा प्रदेश अध्यक्ष विश्वनाथ पाल, एमएलसी सहित पार्टी के तमाम पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। इस दौरान भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और समाजवादी पार्टी (सपा) से छोड़कर बसपा ज्वाइन की है।

मीडिया से बातचीत करते हुए विश्वनाथ पाल ने कहा कि अमेठी में भाजपा को बड़ा झटका लगा है। भाजपा नेता नेता व भादर के ब्लॉक प्रमुख प्रवीण सिंह के नेतृत्व में कई हजार लोगों ने भाजपा और सपा छोड़कर बसपा की सदस्यता ग्रहण की है। इससे पार्टी को अमेठी में बड़ी राजनीतिक ताकत मिलेगी। संविधान दिवस पर देशवासियों को बधाई देते हुए विश्वनाथ पाल ने कहा कि भारतीय संविधान के प्रति पूरी ईमानदारी से चलने वाली पार्टी बसपा है। उन्होंने कहा कि दूसरी राजनीतिक पार्टियां चुनाव के समय अपना-अपना घोषणा पत्र जारी करती हैं, लेकिन बसपा का मानना है कि सत्ता में आने पर बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर द्वारा बनाए गए भारतीय संविधान को ही अपना घोषणा पत्र मानकर लागू किया जाएगा।भाजपा पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 के चुनाव में विदेश से काला धन वापस लाने, लोगों के खाते में 15-20 लाख रुपये भेजने, बुलेट ट्रेन चलाने, अच्छे दिन लाने और दो करोड़ नौकरियां देने जैसे वादे किए गए थे। लेकिन जब इन वादों को लेकर सवाल उठाए जाते हैं तो उन्हें जुमला बता दिया जाता है।

पीवीवीएनएल में संविधान दिवस पर अधिकारियों-कर्मचारियों ने ली शपथ

उत्तम भारत संवाददाता



मेरठ। पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (पीवीवीएनएल) कार्यालय में 26 नवंबर को संविधान दिवस गरिमापूर्ण ढंग से मनाया गया। प्रबंध निदेशक रवीश गुप्ता की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक वाचन कर संवैधानिक मूल्यों के प्रति निष्ठा की शपथ ली।

इस दौरान न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुता के आदर्शों को अपनाने तथा लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत बनाने का संकल्प लिया गया। अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने निष्पक्षता, पारदर्शिता और जनसेवा की भावना से कार्य करने की प्रतिबद्धता भी दोहराई। कार्यक्रम में निदेशक आशु कालिया, संजय जैन, एनके मिश्रा, स्वतंत्र कुमार तोमर, मुख्य अभियंता मो. सगीर सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

स्वास्थ्य सेवाओं में लापरवाही बर्दाश्त नहीं, मरीजों से अच्छा व्यवहार करें अधिकारी: डीएम

मेरठ। विकास भवन सभागार में जिलाधिकारी डॉ. वीके सिंह की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति एवं पोषण समिति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। जिलाधिकारी ने सीएम डैशबोर्ड पर स्वास्थ्य विभाग की खराब रैंकिंग पर नाराजगी जताते हुए सीएमओ को नियमित समीक्षा और प्रभावी निगरानी के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मरीजों को बेहतर उपचार के साथ सम्मानजनक व्यवहार भी मिलना चाहिए। अस्पतालों में अनावश्यक रेफरल पर रोक लगाकर स्थानीय स्तर पर उपचार सुनिश्चित किया जाए। बैठक में टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत जांच और सैंपलिंग बढ़ाने तथा शत-प्रतिशत टीकाकरण के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने जननी सुरक्षा योजना के लाभार्थियों को तीन दिन में शत-प्रतिशत भुगतान सुनिश्चित करने को कहा।

संविधान के आदर्शों को आत्मसात कर निष्ठा से निभाएं दायित्व: डीएम

औरैया, एजेंसी।

उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद में संविधान दिवस के अवसर पर गुरुवार को कलेक्ट्रेट स्थित मानस सभागार में जिलाधिकारी बृजेश कुमार ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को भारतीय संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक पाठ कराकर संविधान के प्रति निष्ठा एवं समर्पण की शपथ दिलाई। इस दौरान उन्होंने संविधान में निहित आदर्शों, मूल्यों एवं लोकतांत्रिक सिद्धांतों को आत्मसात कर अपने शासकीय दायित्वों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करने का आह्वान किया।

जिलाधिकारी ने कहा कि भारतीय संविधान देश के लोकतंत्र की आधारशिला है। यह प्रत्येक नागरिक को समानता, स्वतंत्रता, न्याय एवं बंधुता का अधिकार प्रदान करने के साथ ही देश की एकता, अखंडता और सामाजिक समरसता बनाए रखने की प्रेरणा देता है। संविधान की प्रस्तावना में उल्लेखित संप्रभुता, समाजवाद, पंथनिरपेक्षता, लोकतंत्र एवं गणराज्य जैसे आदर्श राष्ट्र की मूल भावना को प्रदर्शित करते हैं।

उन्होंने कहा कि संविधान दिवस हमें अपने संवैधानिक अधिकारों एवं कर्तव्यों के प्रति जागरूक होने का अवसर प्रदान करता है। प्रत्येक नागरिक का दायित्व है कि वह संविधान के आदर्शों का सम्मान करे और लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत बनाने में सक्रिय भूमिका निभाए। अधिकारियों एवं कर्मचारियों को भी संविधान के मूल्यों को अपनी कार्यशैली में शामिल करना चाहिए।

अस्सीघाट पर 29 नवंबर को सजेगी कथक की महफिल, नटराज संगीत अकादमी का 31वां महोत्सव

मुंबई की निधि प्रभु पहली बार बनारस में देंगी एकल कथक प्रस्तुति, दिल्ली की गौरी दिवाकर भी करेंगी नृत्य

वाराणसी, एजेंसी।



उत्तर प्रदेश की धार्मिक नगरी काशी में कथक की समृद्ध परंपरा को समर्पित नटराज संगीत अकादमी का 31वां कथक महोत्सव आगामी 29 नवंबर (रविवार) को अस्सीघाट पर आयोजित होगा। सुबहे बनारस के सहयोग से आयोजित इस महोत्सव का शुभारंभ शाम चार बजे होगा। इस वर्ष महोत्सव 'विरासत : पंडित बिरजू महाराज परंपरा' को समर्पित रहेगा। अकादमी की निदेशक संगीता सिन्हा ने गुरुवार को बताया कि नटराज संगीत अकादमी पिछले 30 वर्षों से निरंतर कथक महोत्सव का आयोजन कर रही है। इस मंच के माध्यम से अकादमी की छात्राओं के साथ ही देश के उभरते और प्रतिष्ठित कथक कलाकारों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर दिया जाता है। उन्होंने बताया कि महोत्सव का आयोजन लगातार 22 वर्षों तक वाराणसी के डॉ. राजेंद्र प्रसाद घाट पर हुआ। इसके बाद पिछले दो वर्षों से अस्सीघाट पर इसका आयोजन किया जा रहा है। संगीता सिन्हा ने कहा कि उनके गुरु पद्म विभूषण पंडित बिरजू महाराज इस महोत्सव में नियमित रूप से उपस्थित रहते थे। उनकी स्मृतियों और कथक की विशिष्ट परंपरा को आगे बढ़ाना ही इस आयोजन का प्रमुख उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि वह अपने गुरु की विरासत और कथक की समृद्ध परंपरा को आगे ले जाने के लिए संकल्पित हैं। इस वर्ष महोत्सव में नटराज संगीत अकादमी की वाराणसी और मुंबई शाखाओं की छात्राएं भी अपनी प्रस्तुतियां देंगी। कार्यक्रम का विशेष आकर्षण मुंबई से पहली बार बनारस आ रहीं निधि प्रभु का एकल कथक नृत्य होगा। वहीं, दिल्ली की प्रतिष्ठित कथक नृत्यांगना गौरी दिवाकर भी अपने एकल नृत्य की प्रस्तुति से दर्शकों को मंत्रमुग्ध करेंगी।

समय से घोषित होंगे परीक्षा परिणाम, निष्पक्षता से करें उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन : कुलपति

जौनपुर, एजेंसी।

उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिले में वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में विषम सेमेस्टर सत्र 2026-27 की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन गुरुवार को विधि-विधान से पूजा-अर्चना के साथ शुरू हुआ। बाला साहब देवरस केंद्रीय मूल्यांकन भवन में कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने पूजन-अर्चन कर मूल्यांकन कार्य के सफल संचालन की कामना की। इसके बाद उन्होंने स्वयं शिक्षकों को मूल्यांकन के लिए उत्तर पुस्तिकाएं सौंपीं। इस अवसर पर कुलपति ने कहा कि उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन परीक्षा व्यवस्था का महत्वपूर्ण और जिम्मेदारीपूर्ण कार्य है। इसकी गुणवत्ता से ही विद्यार्थियों की शैक्षणिक प्रतिभा और परिश्रम का सही आकलन होता है। सभी परीक्षक पूरी निष्पक्षता, पारदर्शिता और गंभीरता के साथ मूल्यांकन करें। विश्वविद्यालय का प्रयास है कि निर्धारित समयावधि में परीक्षा परिणाम घोषित किए जाएं, ताकि विद्यार्थियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।



परीक्षा नियंत्रक डॉ. विनोद कुमार सिंह ने कहा कि मूल्यांकन की निष्पक्षता और शुद्धता विद्यार्थियों के शैक्षणिक भविष्य से जुड़ी है। सभी परीक्षक निर्धारित दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए पूरी निष्ठा और सावधानी से कार्य करें। मूल्यांकन समन्वयक डॉ. योगेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि मूल्यांकन कार्य को सुचारु और समयबद्ध ढंग से संपन्न कराने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं की गई हैं। पूजन-अर्चन शशिकांत त्रिपाठी ने कराया।

इस दौरान प्रो. गिरिधर मिश्र, डॉ. अमरेंद्र कुमार सिंह, डॉ. अजय कुमार, डॉ. ममता सिंह, डॉ. श्याम सुंदर उपाध्याय सहित विश्वविद्यालय के शिक्षक, अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

रेलवे ओवरब्रिज से गिरकर युवक की मौत

मीरजापुर, एजेंसी।

उत्तर प्रदेश के मीरजापुर जिले में विंध्याचल थाना क्षेत्र स्थित गैपुरा चौकी से करीब पांच सौ मीटर उत्तर रेलवे ओवरब्रिज पर बुधवार रात बाइक असंतुलित होकर डिवाइडर से टकरा गई। हादसे में बाइक पर पीछे बैठा 28 वर्षीय युवक पुल से नीचे गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। अस्पताल में उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही बारात में शामिल लोगों में शोक छा गया। भदोही जिले के कोइरौना थाना क्षेत्र के चैनपट्टी भीखीपुर गांव निवासी अंशुल यादव बुधवार रात करीब दस बजे बाइक से खम्हरिया दमुआन गांव में बारात में शामिल होने जा रहा था। बाइक रतन यादव चला रहा था। रतन के मुताबिक, ओवरब्रिज की टर्निंग पर बाइक अचानक असंतुलित होकर डिवाइडर से टकरा गई, जिससे पीछे बैठा अंशुल पुल के नीचे जा गिरा। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल अंशुल को पीएचसी सरोंई पहुंचाया।

आंबेडकर की प्रतिमा क्षतिग्रस्त पुलिस ने किया केस

देवरिया, एजेंसी।



उत्तर प्रदेश में देवरिया जिले के गौरी बाजार थाना क्षेत्र स्थित कठोरा गांव में स्थापित डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा क्षतिग्रस्त किए जाने का मामला सामने आया है। मामले में ग्राम प्रधान की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि प्रतिमा क्षतिग्रस्त करने वाले आरोपितों की तलाश की जा रही है और जल्द ही घटना का खुलासा कर लिया जाएगा।

क्षेत्राधिकारी रुद्रपुर राजेश चतुर्वेदी ने बताया कि कठोरा गांव में स्थापित आंबेडकर प्रतिमा को किसी व्यक्ति द्वारा क्षतिग्रस्त किए जाने की सूचना प्राप्त हुई थी। सूचना मिलने के बाद मामले को गंभीरता से लेते हुए आवश्यक कार्रवाई की गई। ग्राम प्रधान कठोरा की तहरीर के आधार पर थाना गौरी बाजार में सुसंगत धाराओं में मुकदमा पंजीकृत किया है। उन्होंने बताया कि पुलिस मामले की जांच कर रही है। प्रतिमा को किसने और किन परिस्थितियों में क्षतिग्रस्त किया, इसकी जानकारी जुटाई जा रही है। घटना में शामिल लोगों की पहचान करने के लिए पुलिस टीम प्रयासरत है।

सीओ ने कहा कि दोषियों को चिह्नित कर उनके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी, जल्द ही मामले का अनावरण कर लिया जाएगा। घटना के बाद गांव में प्रतिमा की सुरक्षा और मामले के शीघ्र खुलासे को लेकर लोगों में चर्चा है। पुलिस ने मामले में आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मंडलायुक्त एस. राजलिंगम ने कलेक्ट्रेट में परखी प्रशासनिक व्यवस्था

फरुर्खाबाद, एजेंसी।



कलेक्ट्रेट की कार्य प्रणाली को पारदर्शी, जवाबदेह और व्यवस्थित बनाए रखने के उद्देश्य से गुरुवार को कानपुर मंडलायुक्त एस. राजलिंगम ने फतेहगढ़ स्थित कलेक्ट्रेट का सघन निरीक्षण किया। जिलाधिकारी डॉ. अंकुर लाठर के साथ उन्होंने राजस्व विभाग के विभिन्न अनुभागों में पहुंचकर कामकाज की हकीकत परखी। ई-गवर्नेंस सेल, आयुध अनुभाग, संग्रह अनुभाग, संयुक्त कार्यालय, निर्वाचन कार्यालय और राजस्व अभिलेखागार का निरीक्षण करते हुए अभिलेखों, पत्रावलियों और पंजिकाओं की स्थिति देखी।

मंडलायुक्त ने पटल सहायकों से कार्यों की जानकारी लेकर स्पष्ट निर्देश दिए कि शासकीय कामकाज में लापरवाही की कोई गुंजाइश न रहे और लंबित प्रकरणों का समयबद्ध निस्तारण किया जाए। निरीक्षण के दौरान मंडलायुक्त ने प्रत्येक अनुभाग में उपलब्ध अभिलेखों और महत्वपूर्ण दस्तावेजों का बारीकी से अवलोकन किया। उन्होंने पत्रावलियों के रखरखाव, पंजिकाओं के अद्यतन होने और कार्यों के निष्पादन की स्थिति की जानकारी ली। संबंधित पटल सहायकों से पूछा कि उनके अनुभाग में किस तरह के कार्य संपादित किए जा रहे हैं और लंबित मामलों के निस्तारण की क्या स्थिति है।

उन्होंने निर्देशित किया कि सभी कर्मचारी अपने दायित्वों को गंभीरता से निभाएं और अभिलेखों को इस तरह व्यवस्थित रखें कि जरूरत पड़ने पर कोई भी महत्वपूर्ण दस्तावेज तत्काल उपलब्ध हो सके। लंबित मामलों पर नियमित नजर रखने के निर्देश मंडलायुक्त ने कहा कि सरकारी कार्यालयों में पारदर्शिता और जवाबदेही तभी प्रभावी होगी, जब प्रत्येक कार्य निर्धारित प्रक्रिया और समयसीमा के अनुरूप पूरा किया जाए। पटल सहायकों को निर्देश दिए कि लंबित प्रकरणों की नियमित निगरानी करें और अनावश्यक रूप से किसी भी पत्रावली को रोके न रखें। अभिलेखों को अद्यतन रखने के साथ कार्यालयों की कार्यप्रणाली को अधिक सुव्यवस्थित और प्रभावी बनाया जाए।

उन्होंने ई-गवर्नेंस से जुड़े कार्यों को भी निर्धारित प्रक्रिया के तहत समयबद्ध ढंग से संपादित करने पर जोर दिया। निर्वाचन और राजस्व अभिलेखागार की व्यवस्था भी जांची निरीक्षण के दौरान मंडलायुक्त ने निर्वाचन कार्यालय में उपलब्ध अभिलेखों और राजस्व अभिलेखागार के रखरखाव का भी जायजा लिया। उन्होंने महत्वपूर्ण दस्तावेजों की सुरक्षा और व्यवस्थित रखरखाव सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कहा कि अभिलेखों की उपलब्धता और उनकी सुरक्षित व्यवस्था प्रशासनिक कामकाज का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसलिए इस कार्य में किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं होनी चाहिए।

जिलाधिकारी डॉ. अंकुर लाठर की मौजूदगी में हुए इस निरीक्षण में मुख्य विकास अधिकारी विनोद कुमार गौड़, अपर जिलाधिकारी न्यायिक दिनेश कुमार, नगर मजिस्ट्रेट पारुल तरार, उप जिलाधिकारी सदर संजय कुमार, जिला विकास अधिकारी श्याम कुमार तिवारी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

सरस मेले में परिवार संग पहुंचे सीडीओ, खरीदारी कर महिला समूहों का बढ़ाया हौसला

उत्तम भारत संवाददाता

हल्द्वानी। महिला स्वयं सहायता समूहों के उत्पादों को बाजार उपलब्ध कराने और स्थानीय हुनर को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आयोजित सरस मेले में मुख्य विकास अधिकारी अरविंद कुमार पाण्डेय ने अनूठी पहल की। गुरुवार को वह परिवार सहित मेले में पहुंचे और विभिन्न स्टॉलों से 37,325 रुपये की खरीदारी की। उन्होंने खास तौर पर महिला स्वयं सहायता समूहों की ओर से तैयार स्थानीय उत्पादों, पहाड़ी खाद्य सामग्री और हस्तशिल्प को प्राथमिकता दी।



सीडीओ ने कहा कि स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देना केवल खरीदारी तक सीमित नहीं, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने का महत्वपूर्ण माध्यम है। 'लोकल फॉर वोकल' की भावना को धरातल पर उतारने के लिए जरूरी है कि स्थानीय उत्पादों और पारंपरिक हस्तशिल्प को अधिक से अधिक बाजार मिले। इससे महिला स्वयं सहायता समूहों की आमदनी बढ़ेगी और मातृशक्ति आर्थिक रूप से सशक्त बनेगी। उन्होंने आमजन से भी अपील की कि सरस मेले में पहुंचकर स्थानीय उत्पादों की खरीदारी करें और महिला समूहों के मेहनत व हुनर को प्रोत्साहित करें। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से ग्रामीण क्षेत्रों में तैयार होने वाले उत्पादों को नई पहचान और विपणन के बेहतर अवसर मिलते हैं। सरस मेले में उत्तराखंड सहित देश के विभिन्न राज्यों के पारंपरिक और स्थानीय उत्पादों की बड़ी श्रृंखला लोगों को आकर्षित कर रही है। यहां झंगोरा, मांडुवा, लाल चावल, पहाड़ी नमक, विभिन्न प्रकार की बड़ियां और बद्री गाय का देसी घी उपलब्ध है। इसके अलावा ड्राई फ्रूट, काष्ठ शिल्प, हस्तनिर्मित कपड़े, शॉल और अन्य हस्तशिल्प उत्पाद भी लोगों की पसंद बने हुए हैं। मेले में खरीदारी के साथ बच्चों और बड़ों के मनोरंजन के लिए विभिन्न प्रकार के झूलों की व्यवस्था भी की गई है।

संविधान में जनता मालिक, फिर जनता के वोट का मालिक कौन?

उत्तम भारत संवाददाता

बाजपुर। संविधान दिवस पर शिक्षक एवं समाजसेवी डॉ. सौरभ परमार ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (रक्फ़) को लेकर सवाल उठाते हुए कहा कि लोकतंत्र में जनता सर्वोच्च है, लेकिन यदि किसी पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची से गायब हो जाए तो उसके लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा कौन करेगा?

डॉ. परमार ने कहा कि संविधान दिवस पर सरकारी कार्यालयों में प्रस्तावना पढ़ी जाएगी, विद्यालयों में कार्यक्रम होंगे और डॉ. भीमराव अंबेडकर के विचारों का गुणगान किया जाएगा, लेकिन संविधान के सिद्धांतों को जमीन पर उतारना भी जरूरी है। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची का शुद्धिकरण आवश्यक है, मगर किसी पात्र जीवित नागरिक का नाम गलत तरीके से काटना लोकतंत्र के लिए गंभीर चिंता का विषय है। उन्होंने चुनाव आयोग से पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने की मांग करते हुए कहा कि नाम हटाने से पहले उचित सूचना और सुनवाई का अवसर दिया जाना चाहिए। गरीब, मजदूर, बुजुर्ग और प्रवासी नागरिकों के मताधिकार की विशेष सुरक्षा होनी चाहिए।

डॉ. परमार ने कहा कि संविधान किसी राजनीतिक दल की निजी संपत्ति नहीं, बल्कि देश के नागरिकों की सामूहिक विरासत है। उन्होंने सवाल उठाया कि ह्लसंविधान दिवस पर हम प्रस्तावना तो पढ़ते हैं, लेकिन क्या उन लोगों की पीड़ा भी पढ़ेंगे, जिनका नाम मतदाता सूची से गायब हो गया है?

प्रतापपुर चौकी पुलिस ने स्मैक के साथ युवक को किया गिरफ्तार

उत्तम भारत संवाददाता

नानकमत्ता (उधमसिंहनगर)। गस्त पर निकली पुलिस ने एक युवक को मादक पदार्थ के साथ गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया ।

गुरुवार को पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार नशे के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत प्रभारी निरीक्षक शंकर सिंह बिष्ट के नेतृत्व में बंगाली कालोनी प्रतापपुर चौकी पुलिस ने ग्राम प्रतापपुर नम्बर तीन में आनन्दनगर की ओर जाने वाले कच्चे रास्ते से एक मोटरसाइकिल सवार को शक होने पर गिरफ्तार किया तलाशी लेने के दौरान आरोपी के कब्जे से पुलिस को 4.90, ग्राम स्मैक बरामद हुई, पुलिस पूछताछ में पकड़े गये युवक ने अपना नाम लवप्रीत सिंह उर्फ लवी पुत्र स्वर्गीय मक्खन सिंह निवासी प्रतापपुर नंबर 7 जोगीठेर नानकमत्ता बताया हैं । पकड़े गए आरोपी ने बताया कि वह स्मैक गांव के ही मंगल सिंह से 2600 प्रति ग्राम के हिसाब से खरीद कर लाया था। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध धारा 8/21/60 नारकोटी एक्ट के तहत मुकदमा पंजीकृत कर आरोपी का चलन न्यायालय के समक्ष पेश किया है। पकड़ने वाली पुलिस टीम में प्रतापपुर चौकी प्रभारी उप निरीक्षक राजेंद्र पन्त, सिपाही गिरीश चंद, दिनेश पांडे शामिल है।

24 हजार मानदेय और 10 लाख रिटायरमेंट फंड की मांग पर अड़ीं आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां

उत्तम भारत संवाददाता

बाजपुर। तहसील परिसर में अपनी विभिन्न मांगों को लेकर आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों का धरना-प्रदर्शन 15वें दिन भी जारी रहा। कार्यकत्रियां 24 हजार रुपये मासिक मानदेय, सेवानिवृत्ति पर 10 लाख रुपये की एकमुश्त धनराशि और अन्य सरकारी सुविधाओं सहित चार प्रमुख मांगों को लेकर आंदोलन कर रही हैं।

धरना स्थल पर पहुंचे जिला पंचायत सदस्य पंडित जितेंद्र शर्मा उर्फ सोनू शर्मा ने कार्यकत्रियों को अपना समर्थन दिया। इस दौरान जिला उपाध्यक्ष मंजू



गोस्वामी ने कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों से लगातार अतिरिक्त कार्य लिया जा रहा है, लेकिन इसके अनुरूप उन्हें मानदेय नहीं दिया जा रहा। उन्होंने सरकार से मुख्यमंत्री की घोषणा के अनुसार मांगों पर जल्द लिखित शासनादेश जारी करने की मांग की। कार्यकत्रियों ने नारेबाजी करते हुए कहा, 9 हजार में दम नहीं, 24 हजार से कम नहीं। मंजू गोस्वामी ने स्पष्ट किया कि जब तक मांगों के संबंध में लिखित आदेश जारी नहीं होता, तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा। शासनादेश जारी होते ही धरना समाप्त कर दिया जाएगा।

इस मौके पर ब्लॉक अध्यक्ष ललित भट्ट, कोषाध्यक्ष रेखा पांडे, मीडिया प्रभारी मेघा आहूजा, ममता, वीना, रितिका, माधुरी, अनीता, कमलेश, ममता भटनागर, संगीता, मोना, कृष्णा, उर्मिला, गीता और नजमा सहित बड़ी संख्या में आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां मौजूद रहीं।

संविधान दिवस पर बाबा साहेब को किया नमन, मिष्ठान वितरण

उत्तम भारत संवाददाता

बाजपुर। उत्तराखंड वाल्मीकि दलित समाज सुधार संगठन के अध्यक्ष अनिल वाल्मीकि ने संविधान दिवस के अवसर पर आलापुर वार्ड नंबर 4 में भारत रत्न डॉ. भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा का जलाभिषेक व माल्यार्पण कर मिष्ठान वितरित किया। इस दौरान अनिल वाल्मीकि ने कहा कि 2 वर्ष 11 माह 18 दिन में बनकर तैयार हुए संविधान ने समाज के हर वर्ग को समान अधिकार दिए हैं। उन्होंने बाबा साहेब के संदेश को दोहराते हुए कहा



कि शिक्षा ही समाज की सबसे बड़ी पूंजी है और शिक्षित होकर ही समाज आगे बढ़ सकता है। कार्यक्रम में उत्तराखंड देवभूमि सफाई कर्मचारी संघ अध्यक्ष सुरेश कुमार लाला, महामंत्री मुकेश कुमार, उमेश कुमार, दीपक, सौरभ और कपिल सहित कई लोग मौजूद रहे।

पर्यटन छात्रों को मिलेगा उद्योग जगत का व्यावहारिक ज्ञान

उत्तम भारत संवाददाता

श्रीनगर गढ़वाल। पर्यटन शिक्षा को उद्योग जगत की वास्तविक कार्यप्रणाली से जोड़ने के उद्देश्य से पर्वतीय पर्यटन एवं आतिथ्य अध्ययन केंद्र में तीन दिवसीय इंडस्ट्री एक्सपर्ट लेक्चर सीरीज का शुभारंभ किया गया। नई शिक्षा नीति के तहत आयोजित इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों को पर्यटन उद्योग की आधुनिक कार्यशैली, व्यावहारिक अनुभव और रोजगार की संभावनाओं से परिचित कराया जा रहा है। व्याख्यान श्रृंखला में अंतरराष्ट्रीय पर्यटन उद्योग में 20 वर्षों से अधिक का अनुभव रखने वाले वरिष्ठ ट्रैवल एंड टूरिज्म प्रोफेशनल हरीश सुंदरियाल विद्यार्थियों को प्रशिक्षण दे रहे हैं। उन्होंने 20 से अधिक देशों में अंतरराष्ट्रीय टूर कार्यक्रमों के आयोजन का अनुभव साझा करते हुए सर्विस मैनेजमेंट, ऑपरेशन मैनेजमेंट, प्रोडक्शन और डेस्टिनेशन मैनेजमेंट जैसे विषयों की जानकारी दी। कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए केंद्र के निदेशक प्रोफेसर राकेश ड्योढ़ी ने कहा कि वर्तमान समय में पर्यटन शिक्षा को केवल किताबी ज्ञान तक सीमित रखना पर्याप्त नहीं है। विद्यार्थियों को उद्योग जगत की जरूरतों और व्यावहारिक कार्यप्रणाली से परिचित कराना जरूरी है। उन्होंने कहा कि अनुभवी विशेषज्ञों के मार्गदर्शन से विद्यार्थियों का कौशल विकसित होगा और उन्हें रोजगार की चुनौतियों के लिए तैयार होने में मदद मिलेगी।

उद्योग, रोजगार और आय में बढ़ोतरी से बदल रही उत्तराखंड की आर्थिक तस्वीर

उत्तम भारत संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड की अर्थव्यवस्था में बीते साढ़े चार वर्षों के दौरान उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। औद्योगिक गतिविधियों के विस्तार, रोजगार के नए अवसरों और प्रति व्यक्ति आय में बढ़ोतरी से प्रदेश की आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है। वर्ष 2024-25 में राज्य का सकल घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) बढ़कर 3,81,889 करोड़ रुपये पहुंच गया, जो वर्ष 2021-22 के मुकाबले डेढ़ गुने से अधिक है। प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय भी वर्ष 2021-22 के 1,94,670 रुपये से बढ़कर 2024-25 में 2,73,921 रुपये हो गई। इस दौरान आर्थिक विकास दर 7.23 प्रतिशत दर्ज की गई। वहीं, वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए 1,11,703.21 करोड़ रुपये का बजट पारित किया गया है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 10.41 प्रतिशत अधिक है।

एमएसएमई और स्टार्टअप से बढ़ा रोजगार

प्रदेश में एमएसएमई इकाइयों की संख्या वर्ष 2021-22 के 59,798 से बढ़कर 2024-25 में 79,394 हो गई है। इन इकाइयों में रोजगार पाने वालों की संख्या भी 3,43,922 से बढ़कर 4,56,605 पहुंच गई। इसके अलावा राज्य में 128 बड़े उद्योग भी संचालित हैं। स्टार्टअप के क्षेत्र में भी तेजी आई है। वर्ष 2017 में शून्य रही स्टार्टअप की संख्या 2024-25 में बढ़कर 1,750 हो गई।

गरीबी दर में आई गिरावट

आर्थिक विकास के साथ सामाजिक संकेतकों में भी सुधार दर्ज किया गया है। बहुआयामी गरीबी सूचकांक वर्ष 2021-22 के 9.7 प्रतिशत से घटकर 2024-25 में 6.92 प्रतिशत रह गया। इसी अवधि में श्रम बल भागीदारी दर 60.1 प्रतिशत से बढ़कर 64.4 प्रतिशत हो गई। स्वास्थ्य क्षेत्र में शिशु मृत्यु दर घटकर 20 और मातृ मृत्यु दर 91 दर्ज की गई है। औद्योगिक विकास, रोजगार सृजन और सामाजिक संकेतकों में सुधार को प्रदेश की आर्थिक प्रगति के महत्वपूर्ण संकेतक माना जा रहा है।

पांच साल में 3.10 लाख महिलाएं बनीं लखपति दीदी

उत्तम भारत संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड में महिला सशक्तीकरण और आर्थिक स्वावलंबन को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार विभिन्न योजनाएं संचालित कर रही है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में पिछले पांच वर्षों में 3.10 लाख महिलाएं लखपति दीदी बन चुकी हैं। वहीं, स्वयं सहायता समूहों को स्वरोजगार के लिए पांच लाख रुपये तक ब्याजमुक्त ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है।

प्रदेश में सरकारी नौकरियों में महिलाओं को 30 प्रतिशत आरक्षण और सहकारी प्रबंध समितियों में 33 प्रतिशत आरक्षण दिया गया है। उत्तराखंड राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत 5,19,943 महिलाओं को जोड़कर 70,767 स्वयं सहायता समूहों का गठन किया गया है। महिला समूहों के उत्पादों को बाजार उपलब्ध कराने के लिए शुरू किए गए 'हाउस ऑफ हिमालयाज' ब्रांड की बिक्री छह करोड़ रुपये से अधिक पहुंच चुकी है। इससे करीब 5,500 महिलाएं सीधे आर्थिक गतिविधियों से जुड़ी हैं। वहीं, नमो ड्रोन दीदी योजना के तहत महिला समूहों को ड्रोन संचालन का प्रशिक्षण देकर कृषि क्षेत्र में रोजगार के अवसर दिए जा रहे हैं। बेटियों की शिक्षा और आर्थिक सुरक्षा के लिए नंदा गौरा योजना संचालित की जा रही है। इसके तहत बेटी के जन्म पर 11 हजार रुपये तथा 12वीं उत्तीर्ण करने पर 51 हजार रुपये की सहायता दी जाती है। अक्टूबर 2026 तक चार लाख से अधिक बेटियां इस योजना से लाभान्वित हो चुकी हैं।

इसके अलावा मुख्यमंत्री महालक्ष्मी किट योजना के माध्यम से प्रसव के बाद महिलाओं को मातृ एवं शिशु देखभाल के लिए आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराई जा रही है। सरकार का उद्देश्य महिलाओं को रोजगार, स्वरोजगार, शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाकर उनकी सामाजिक एवं आर्थिक भागीदारी को मजबूत करना है।

8.26 ग्राम स्मैक के साथ दो तस्कर गिरफ्तार, बाइक बरामद

उत्तम भारत संवाददाता

बाजपुर। नशा मुक्त देवभूमि अभियान के तहत बाजपुर कोतवाली पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से कुल 8.26 ग्राम स्मैक (हेरोइन) बरामद की है। एक आरोपी के पास से तस्करी में इस्तेमाल की जा रही मोटरसाइकिल भी बरामद हुई है। पुलिस के अनुसार, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ऊधम सिंह नगर के निर्देश पर जिले में नशे के अवैध कारोबार पर अंकुश लगाने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में 25 नवंबर को पुलिस की अलग-अलग टीमों ने कार्रवाई करते हुए राजेन्द्र सिंह रौतेला निवासी वार्ड नंबर एक, कालाढूंगी (नैनीताल) को 4.49 ग्राम स्मैक के साथ गिरफ्तार किया। वहीं, दूसरे आरोपी विक्की निवासी नंदपुर नरका टोपा, बाजपुर के कब्जे से 3.77 ग्राम स्मैक और तस्करी में प्रयुक्त मोटरसाइकिल बरामद की गई।

पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ कोतवाली बाजपुर में एनडीपीएस एक्ट के तहत अलग-अलग मुकदमे दर्ज किए हैं। राजेन्द्र सिंह रौतेला के खिलाफ एफ आई आर संख्या 449/2026 तथा विक्की के खिलाफ एफआईआर संख्या 450/2026 दर्ज की गई है। आवश्यक वैधानिक कार्रवाई के बाद दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया।

कार्रवाई करने वाली पुलिस टीम में कोतवाली प्रभारी जसविन्दर सिंह, उपनिरीक्षक प्रहलाद सिंह, बन्नाखेड़ा चौकी प्रभारी सुरेन्द्र सिंह खड़ायत, एएसआई राकेश सिंह रौंकली, कांस्टेबल अमित देवरानी और मोहम्मद इरफान शामिल रहे। पुलिस ने बताया कि क्षेत्र में नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा।

17 दिसंबर को हल्द्वानी में मनेगा जिला स्तरीय पेंशनर दिवस

उत्तम भारत संवाददाता

हल्द्वानी। हल्द्वानी में आगामी 17 दिसंबर को जिला स्तरीय पेंशनर दिवस आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर 80 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ पेंशनरों को सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम के आयोजन को लेकर मुख्य कोषाधिकारी कमलेश भंडारी की अध्यक्षता में बुधवार को कोषागार हल्द्वानी में पेंशनर संगठनों के पदाधिकारियों के साथ बैठक हुई, जिसमें आयोजन की रूपरेखा और व्यवस्थाओं पर चर्चा कर आवश्यक निर्णय लिए गए।

शासन के निदेर्शों के अनुसार प्रत्येक



वर्ष 17 दिसंबर को जिलाधिकारी की अध्यक्षता और मुख्य कोषाधिकारी के समन्वय से जिला स्तरीय पेंशनर दिवस आयोजित किया जाता है।

बैठक में वरिष्ठ पेंशनरों के सम्मान के साथ उनकी समस्याओं पर संवाद और समाधान को भी कार्यक्रम का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाने पर जोर दिया गया। वक्ताओं ने कहा कि पेंशनर समाज के अनुभवी और सम्मानित सदस्य हैं। उनके लंबे सेवाकाल और समाज के प्रति योगदान को सम्मान देना सभी का दायित्व है। पेंशनर दिवस उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने और उनकी समस्याओं के समाधान का महत्वपूर्ण अवसर है। बैठक में मुख्य कोषाधिकारी कमलेश भंडारी, कोषाधिकारी हल्द्वानी द्वारिका प्रसाद वर्मा, सहायक कोषाधिकारी तथा पेंशनर संगठनों के पदाधिकारी एससी पंत, जेसी पंत, ईपीसी जोशी, विजय कुमार तिवारी, रमेश चंद्र पांडे, एलएम लोहनी, बीएस गैड़ा, वीर सिंह बिष्ट, यतीश पंत और गणेश चंद्र जोशी सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय और स्विट्जरलैंड के बीच शैक्षणिक समझौता

उत्तम भारत संवाददाता

हल्द्वानी। उत्तराखंड मुक्त विश्व विद्यालय ने उच्च शिक्षा में तकनीकी नवाचार और अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देने के लिए स्विट्जरलैंड की स्विस यूनिवर्सिटी ऑफ एप्लाइड साइंसेज (एफएफएचएस) के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर किए हैं। इस अवसर पर पाठ्यक्रम निर्माण एवं शिक्षण में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के उपयोग को लेकर अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी भी आयोजित की गई।



कुलपति प्रो. नवीन चंद्र लोहनी और कुलसचिव ने समझौते पर हस्ताक्षर किए। संगोष्ठी में विशेषज्ञों ने एआई आधारित पाठ्यक्रम विकास, डिजिटल शिक्षा और साइबर सुरक्षा के महत्व पर विचार रखे। कुलपति ने कहा कि बदलती तकनीक के अनुरूप शिक्षा व्यवस्था को विकसित करना समय की आवश्यकता है। इस साझेदारी से विद्यार्थियों को आधुनिक शिक्षण संसाधनों, शोध और अंतरराष्ट्रीय शैक्षणिक अनुभवों का लाभ मिलेगा।

शीतलहर से निपटने को पौड़ी प्रशासन अलर्ट

उत्तम भारत संवाददाता

पौड़ी/श्रीनगर गढ़वाल। शीतलहर से आमजन की सुरक्षा और जरूरतमंदों को राहत पहुंचाने के लिए पौड़ी जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। जिलाधिकारी स्वाति एस. भदौरिया ने जिला कार्यालय के एनआईसी कक्ष में संबंधित अधिकारियों की बैठक लेकर शीतकालीन व्यवस्थाओं की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि ठंड के दौरान कोई भी निराश्रित या जरूरतमंद व्यक्ति खुले में रात बिताने को मजबूर न हो।

डीएम ने नगर निकायों और उपजिलाधिकारियों को रैन बसेरों में बिस्तर, कंबल, पेयजल, शौचालय और हीटर की पर्याप्त व्यवस्था करने को कहा। साथ ही बस स्टेशन, चौराहों, बाजारों और सार्वजनिक स्थलों पर नियमित अलाव जलाने तथा जरूरतमंदों को निःशुल्क कंबल वितरित करने के निर्देश दिए। पाला प्रभावित क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश देते हुए उन्होंने लोक निर्माण विभाग को संवेदनशील मार्गों और तीखे मोड़ों पर चूना व नमक



का छिड़काव कराने को कहा। बर्फबारी की आशंका वाले क्षेत्रों में भी आवश्यक तैयारियां रखने के निर्देश दिए। वहीं निराश्रित पशुओं के लिए गौशालाओं में सुरक्षित आश्रय, चारा, अलाव और दवाओं की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा।

स्वास्थ्य विभाग को ठंड से होने वाली बीमारियों, विशेषकर गर्भवती महिलाओं और स्ट्रोक के मरीजों की सुरक्षा को लेकर जागरूकता अभियान चलाने तथा प्रमुख स्थानों पर होर्डिंग लगाने के निर्देश दिए। इसके अलावा दूरस्थ क्षेत्रों में खाद्यान्न की उपलब्धता बनाए रखने और बिजली आपूर्ति बाधित होने पर तत्काल कार्रवाई करने को कहा। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि शीतलहर, पाला और बर्फबारी के दौरान जनसुरक्षा में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

कमिश्नरी में आग लगने का मॉक ड्रिल, 20 मिनट में पहुंची फायर और एसडीआरएफ की टीम

उत्तम भारत संवाददाता

नैनीताल। मंडलायुक्त कार्यालय में गुरुवार को शॉर्ट सर्किट से आग लगने की काल्पनिक घटना को लेकर मॉक ड्रिल आयोजित की गई। अभ्यास के दौरान आग बुझाने, घायलों को सुरक्षित निकालने और राहत-बचाव कार्यों का वास्तविक परिस्थितियों के अनुरूप परीक्षण किया गया। सूचना मिलने के करीब 20 मिनट के भीतर फायर सेफ्टी और एसडीआरएफ की टीमें मौके पर पहुंच गईं।

मॉक ड्रिल के दौरान दोपहर 12:17 बजे कमिश्नरी कार्यालय में शॉर्ट सर्किट से धुआं निकलने की सूचना आपदा कंट्रोल रूम को दी गई। जिला आपातकालीन परिचालन केंद्र के टोल फ्री नंबर 1077 पर सूचना मिलते ही संबंधित टीमें रवाना हो गईं। मौके पर पहुंचकर सबसे पहले बिजली आपूर्ति बंद कराई गई और आग बुझाने का अभियान शुरू किया गया। अभ्यास में आग से झुलसे दो तथा अफरातफरी में घायल हुए तीन कर्मचारियों को रेस्क्यू कर बीडी पांडे अस्पताल पहुंचाया गया।



अभ्यास के दौरान कमिश्नरी और जिला न्यायालय के समीप लगे फायर हाइड्रेंट का प्रेशर कम मिलने तथा बिजली के तारों के कारण अग्निशमन वाहन के कमिश्नरी गेट तक नहीं पहुंच पाने जैसी खामियां सामने आईं। इस पर मंडलायुक्त दीपक रावत ने नाराजगी जताते हुए संबंधित अधिकारियों को तत्काल सुधार के निर्देश दिए। उन्होंने जल संस्थान के अभियंताओं को ऐतिहासिक, लकड़ी से निर्मित इमारतों और संवेदनशील क्षेत्रों में लगे सभी फायर हाइड्रेंट का प्रेशर जांचने तथा कमियों को दूर करने को कहा। साथ ही विद्युत तारों और अन्य केबलों की भी जांच कराने के निर्देश दिए। मंडलायुक्त ने कहा कि जिन क्षेत्रों में अग्निशमन विभाग के बड़े वाहन नहीं पहुंच सकते या रास्तों में सीढ़ियों के कारण आवागमन बाधित है, वहां का विस्तृत आकलन कर वैकल्पिक राहत एवं बचाव व्यवस्था तैयार की जाए। उन्होंने कहा कि मॉक ड्रिल का उद्देश्य आपात स्थिति में विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय, त्वरित प्रतिक्रिया और आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित करना है।

इस दौरान अपर आयुक्त त्रिलोक सिंह मर्तोलिया सहित संबंधित विभागों के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

ऑपरेशन ट्रैक-7 में नैनीताल पुलिस की बड़ी कार्रवाई, भारी मात्रा में नशीले पदार्थ बरामद

उत्तम भारत संवाददाता

हल्द्वानी। नशे के अवैध कारोबार और आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए नैनीताल पुलिस ने दो दिवसीय विशेष अभियान ऑपरेशन ट्रैक-7 के तहत व्यापक कार्रवाई की। एसएसपी डॉ. मंजूनाथ टीसी के निर्देशन में चलाए गए अभियान के दौरान पुलिस ने 48.14 ग्राम स्मैक, 103 ग्राम चरस और 34.308 किलोग्राम गांजा बरामद किया। इसके अलावा नशीले इंजेक्शन और टैबलेट भी जब्त किए गए। विभिन्न मामलों में आरोपियों के कब्जे से 3.54 लाख रुपये से अधिक की नकदी भी बरामद हुई।

पुलिस ने कार्रवाई के दौरान चार एविल इंजेक्शन, चार ब्यूप्रेन इंजेक्शन और 22 ब्यूप्रेन टैबलेट भी बरामद कीं। अभियान के तहत संदिग्ध व्यक्तियों के खिलाफ 218 चालान किए गए तथा 54,500 रुपये का संयोजन शुल्क वसूला गया। वहीं, आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त एक आरोपी को जिला बदर किया गया, जबकि बीएनएसएस की धारा 172(2) के तहत पांच आरोपियों को निरुद्ध किया गया।

एसएसपी डॉ. मंजूनाथ टीसी ने अभियान के माध्यम से नशे के अवैध कारोबार में संलिप्त लोगों और संदिग्ध गतिविधियों में शामिल व्यक्तियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। पुलिस ने स्पष्ट किया कि जनपद में कानून व्यवस्था बनाए रखने और नशे के कारोबार पर प्रभावी रोक लगाने के लिए इस तरह के अभियान आगे भी जारी रहेंगे।

संविधान दिवस पर कांग्रेस का राजभवन कूच

उत्तम भारत संवाददाता

देहरादून। संविधान दिवस पर उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने गुरुवार को केंद्र और प्रदेश की भाजपा सरकार के खिलाफ ह्यसंविधान बचाओ मार्चह्न निकाला। प्रदेश प्रभारी कुमारी शैलजा के नेतृत्व में कांग्रेस मुख्यालय से राजभवन तक निकाले गए मार्च में नेताओं और कार्यकताओं ने भ्रष्टाचार की प्रतीकात्मक पोटली लेकर विरोध जताया।

कांग्रेस नेताओं ने भाजपा सरकार पर भ्रष्टाचार, जनहित के मुद्दों की अनदेखी और संवैधानिक मूल्यों को कमजोर करने के आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि संविधान में दिए गए समानता, स्वतंत्रता और न्याय के अधिकारों की रक्षा के लिए कांग्रेस संघर्ष जारी रखेगी।



मार्च में प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल, पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत, नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा, प्रीतम सिंह, डॉ. हरक सिंह रावत सहित अनेक वरिष्ठ नेता, विधायक और कार्यकर्ता शामिल रहे।

चंद्रशेखरन की तीसरे कार्यकाल के लिए नियुक्ति को बंबई उच्च न्यायालय में चुनौती देगा टाटा ट्रस्ट

मुंबई (एजेंसी)। सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट (एसडीटीटी) और आर डी टाटा ट्रस्ट (आरडीटीटी) बंबई उच्च न्यायालय में टाटा संस और उसके छह निदेशकों के खिलाफ मुकदमा दायर करेंगे।

वे एन चंद्रशेखरन को कंपनी के कार्यकारी चेयरमैन के रूप में तीसरे पांच साल के कार्यकाल के लिए फिर से नियुक्त किए जाने को चुनौती देंगे। एसडीटीटी 50 करोड़ रुपये और आरडीटीटी 15 करोड़ रुपये के हजार्ने की मांग करेंगे। दोनों ट्रस्ट इस राशि पर सालाना 18 प्रतिशत ब्याज भी मांगेंगे। दोनों ट्रस्टों की ओर से दायर किए जाने वाले मुकदमों के अनुसार, चंद्रशेखरन को दोबारा नियुक्त करने का 17 सितंबर का फैसला अमान्य था, क्योंकि इसे कंपनी के अंतर्नियमों के अनुच्छेद 121 के तहत जरूरी समर्थन में मत नहीं मिला था।

यह विवाद 17 सितंबर को निदेशक मंडल की बैठक में चंद्रशेखरन को टाटा संस का कार्यकारी चेयरमैन अगले पांच साल के लिए फिर से नियुक्त किए जाने के बाद शुरू हुआ।

दोनों ट्रस्ट ने बुधवार रात बंबई उच्च न्यायालय जाने के प्रस्तावों को मंजूरी दी। उनका कहना है कि 17 सितंबर के बाद से इस मामले में भेजे गए पत्रों का कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिला है। ट्रस्ट तत्काल राहत के तौर पर यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि 30 नवंबर की बैठक में निदेशकों के बीच मतभेद होने की स्थिति में चेयरमैन अपने निर्णायक मताधिकार का इस्तेमाल न कर सकें। नोएल टाटा की अध्यक्षता वाले टाटा ट्रस्ट के पास टाटा संस की करीब 66 प्रतिशत हिस्सेदारी है। ट्रस्ट ने 17 सितंबर को पारित निदेशक मंडल के प्रस्ताव को चुनौती दी है। ट्रस्ट ने 20 सितंबर को जारी बयान में कहा था कि यह प्रस्ताव वैध रूप से पारित नहीं हुआ और इसका कोई कानूनी प्रभाव नहीं है। इस विवाद के केंद्र में टाटा संस के अंतर्नियम और ट्रस्ट की ओर से नामित निदेशकों को दिए गए विशेष अधिकार हैं। टाटा संस के निदेशक मंडल में ट्रस्ट के दो नामित निदेशक नोएल टाटा और वेणु श्रीनिवासन हैं। 17 सितंबर को नोएल टाटा ने चंद्रशेखरन की दोबारा नियुक्ति के खिलाफ मतदान किया था, जबकि वेणु श्रीनिवासन ने इसके समर्थन में मतदान किया था।

ट्रस्ट के अनुसार, दोनों नामित निदेशकों का इस फैसले के समर्थन में मतदान करना जरूरी था। ट्रस्ट ने सितंबर में जारी बयान में कहा था कि टाटा संस के अंतर्नियमों के मुताबिक, टाटा ट्रस्ट की ओर से नामित कम से कम अधिकतर निदेशकों का समर्थन मिले बिना कोई फैसला नहीं लिया जा सकता। उसने कहा था कि अंतर्नियमों में यह एक अलग शर्त है और निदेशक मंडल का कोई फैसला केवल निदेशकों की कुल संख्या के आधार पर नहीं लिया जा सकता।

एमएसएमई पंजीकरण में महिलाओं की हिस्सेदारी 50 प्रतिशत करने का लक्ष्यः मांझी



नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम (एमएसएमई) मंत्री जीतन राम मांझी ने बुधवार को कहा कि सरकार का लक्ष्य उद्यम पोर्टल पर पंजीकृत एमएसएमई में महिलाओं की हिस्सेदारी मौजूदा 37.6 प्रतिशत से बढ़ाकर 50 प्रतिशत करना है। मांझी ने फिक्की-सीएमएसएमई के 12वें वार्षिक शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि एमएसएमई क्षेत्र की वृद्धि को अधिक समावेशी बनाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि महिला उद्यमियों, युवाओं, कारीगरों और कम प्रतिनिधित्व वाले समुदायों के उद्यमियों के लिए अधिक अवसर पैदा किए जाने चाहिए।

उन्होंने कहा कि एमएसएमई का देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 31.1 प्रतिशत, विनिर्माण उत्पादन में करीब 35.4 प्रतिशत और निर्यात में 48.58 प्रतिशत योगदान है। यह क्षेत्र रोजगार, उद्यमिता और निर्यात को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। एमएसएमई मंत्रालय के मुताबिक, उद्यम पंजीकरण पोर्टल और उद्यम असिस्ट प्लेटफॉर्म पर पंजीकृत उद्यमों की संख्या 10 करोड़ का आंकड़ा पार कर गई है।

शुरूआती कारोबार में रुपया 20 पैसे टूटकर 92.40 प्रति डॉलर पर



मुंबई (एजेंसी)। रुपया बृहस्पतिवार को शुरूआती कारोबार में 20 पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 92.40 पर आ गया।

विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि विदेशी पूंजी का प्रवाह रुपये के पक्ष में रहा, लेकिन कच्चे तेल की कीमतों में नरमी के बाद फिर तेजी आने और इनके 95 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर रहने से घरेलू मुद्रा पर दबाव पड़ा।

कारोबारियों ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन के प्रमुख व्यापारिक साझेदारों के साथ व्यापार युद्ध बढ़ाने के ताजा प्रस्ताव से भी मुद्रास्फीति को लेकर चिंता बढ़ी है।

अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 92.50 प्रति डॉलर पर खुला। कारोबार के दौरान यह मजबूत होकर 92.39 तक पहुंचा, लेकिन फिर गिरकर 92.40 प्रति डॉलर पर आ गया। यह पिछले बंद भाव के मुकाबले 20 पैसे की गिरावट है। रुपया बुधवार को 65 पैसे की बढ़त के साथ 92.20 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। यह चालू वित्त वर्ष में अब तक का इसका सबसे ऊंचा बंद स्तर था। इससे पहले इस साल 16 मार्च को रुपया 92.28 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति बताने वाला डॉलर सूचकांक 0.17 प्रतिशत बढ़कर 103.79 पर पहुंच गया।

अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड वायदा कारोबार में 0.77 प्रतिशत की बढ़त के साथ 95.34 डॉलर प्रति बैरल पर था। घरेलू शेयर बाजार में सेंसेक्स 138.54 अंक बढ़कर 84,076.82 अंक पर था, जबकि निफ्टी 26.05 अंक गिरकर 25,793.20 अंक पर आ गया।

शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने बुधवार को शुद्ध रूप से 4,479.08 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

अमेरिका के साथ व्यापार समझौते को जल्द अंतिम रूप देने के लिए भारत प्रतिबद्ध



नई दिल्ली (एजेंसी)। सरकार ने बुधवार को कहा कि भारत एक द्विपक्षीय व्यापार समझौते को जल्द अंतिम रूप देने के लिए अमेरिका के साथ मिलकर काम करने को प्रतिबद्ध है। साथ ही उसने विनिर्माण क्षेत्र में संरचनात्मक अतिरिक्त उत्पादन क्षमता होने के अमेरिकी आरोप को खारिज किया।

ये टिप्पणियां अमेरिका द्वारा बुधवार को भारत से आयात पर 25 प्रतिशत शुल्क लगाने का प्रस्ताव किये जाने के बाद आईं। इसमें प्रावधान है कि यदि दोनों देश द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर सहमत होते हैं तो शुल्क को घटाकर 17 प्रतिशत किया जा सकता है। इससे भारत को एशियाई प्रतिस्पर्धियों के मुकाबले थोड़ी बढ़त मिलेगी। यह प्रस्ताव अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय (यूएसटीआर) की ओर से 16 देशों एवं आर्थिक क्षेत्रों के खिलाफ विनिर्माण क्षेत्रों में अतिरिक्त उत्पादन क्षमता से संबंधित जांच का हिस्सा है। इन 16 देशों एवं आर्थिक क्षेत्रों में चीन, यूरोपीय संघ, सिंगापुर, स्विट्जरलैंड, इंडोनेशिया, मलेशिया, कंबोडिया, थाईलैंड, कोरिया, वियतनाम, ताइवान, बांग्लादेश, जापान, नॉर्वे, मेक्सिको और भारत शामिल हैं। वाणिज्य मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि भारत ने विनिर्माण क्षेत्रों में अतिरिक्त उत्पादन क्षमता से संबंधित 14 अर्थव्यवस्थाओं, जिनमें भारत भी शामिल है, के कृत्यों, नीतियों और तौर-तरीकों को लेकर अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि (यूएसटीआर) द्वारा धारा 301 के तहत की जा रही जांच के संबंध में जारी निर्धारण संबंधी नोटिस और टिप्पणियां आमंत्रित करने के अनुरोध पर ध्यान दिया है। मंत्रालय ने कहा कि इस नोटिस पर फिलहाल गौर किया जा रहा है।

बयान में कहा गया, 'भारत ने इस पूरी जांच के दौरान रचनात्मक तरीके से सहयोग किया। जांच शुरू करने संबंधी नोटिस के जवाब में और उसके बाद की कार्यवाही के दौरान वाणिज्य विभाग ने स्पष्ट किया कि भारत के किसी भी क्षेत्र में अतिरिक्त उत्पादन क्षमता नहीं है।'

केरल में नई आबकारी नीति पर सुझाव देने के लिए यूडीएफ ने उपसमिति गठित की



तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। केरल के मुख्यमंत्री वी डी सतीशन ने बृहस्पतिवार को कहा कि सत्तारूढ़ संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) ने राज्य की नई आबकारी नीति पर चर्चा करने और अपनी सिफारिशें देने के लिए एक उपसमिति गठित की है। मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से जारी बयान के अनुसार, पूर्व विधायक के. शिवदासन नायर इस समिति के संयोजक होंगे। समिति में पी जे जॉय, जॉय अब्राहम, विधायक के जयंथ और विष्णु मोहन, वक्कनाड राधाकृष्णन तथा सी ए अजीर सदस्य होंगे।

यूडीएफ के अध्यक्ष सतीशन ने समिति के गठन की घोषणा की।

यह कदम ऐसे समय उठाया गया है, जब कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूडीएफ सरकार पिछली वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) सरकार की ओर से बनाई गई आबकारी नीति की जगह नई नीति लाने की तैयारी कर रही है। राज्य के आबकारी मंत्री एम. लिजू ने पिछले महीने कहा था कि नई नीति पर चर्चा लगभग पूरी हो चुकी है और सरकार नवंबर के अंत तक इसकी घोषणा करने का लक्ष्य लेकर चल रही है।

राकेश रंजन भारत और दक्षिण एशिया के अध्यक्ष नियुक्त

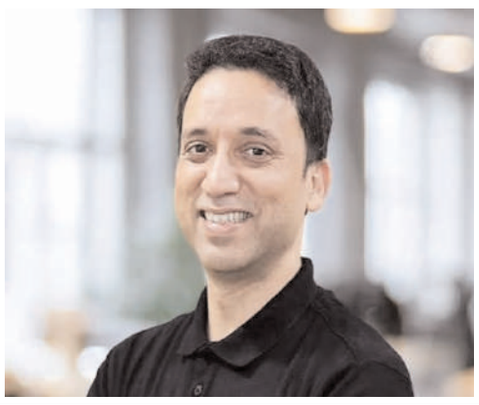

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑनलाइन कैब बुकिंग मंच उबर ने जोमैटो के पूर्व मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) राकेश रंजन को उबर इंडिया और दक्षिण एशिया का अध्यक्ष नियुक्त किया है। कंपनी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। यह नियुक्ति चार जनवरी, 2027 से प्रभावी होगी। रंजन उबर के एशिया प्रशांत क्षेत्र के महाप्रबंधक डोम टेलर को रिपोर्ट करेंगे।

उबर से जुड़ने से पहले रंजन शिक्षा प्रौद्योगिकी कंपनी एलन ऑनलाइन के सीईओ थे। इससे पहले वह 2017 में जोमैटो से जुड़े थे और वहां आठ साल तक काम किया। इस दौरान उन्होंने कंपनी के खाद्य ऑर्डर और डिलिवरी कारोबार के सीईओ की जिम्मेदारी संभाली। उन्होंने जोमैटो गोल्ड और बिक्री विभाग में भी नेतृत्व की भूमिका निभाई।

टेलर ने कहा, "तीन महीने से अधिक समय तक चली तलाश के बाद राकेश का उबर में स्वागत करते हुए हमें खुशी हो रही है। भारत और दक्षिण एशिया उबर के भविष्य के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं।"

यात्राओं की संख्या के लिहाज से भारत, अमेरिका और ब्राजील के बाद उबर का तीसरा सबसे बड़ा बाजार है। वहीं, मंच के जरिये कमाई करने वाले लोगों की संख्या के लिहाज से भारत दुनिया में उसका दूसरा सबसे बड़ा बाजार है।

रंजन ने कहा कि उबर ने ऐसा कारोबार खड़ा किया है जो भारत और दक्षिण एशिया में लोगों के आवागमन और कमाई के लिए महत्वपूर्ण है।

मनोरंजन

अमला पॉल को क्यों था हाफ पर इतना भरोसा ?



मुंबई (एजेंसी)। अभिनेत्री और प्रोड्यूसर अमला पॉल अपनी फिल्म ह्यहाफह्ल को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में गोवा में आयोजित इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडिया (आईएफएफआई) में फिल्म की स्क्रीनिंग के दौरान उन्होंने अपना उत्साह साझा किया और बताया कि फिल्म की पहली नैरेशन सुनने के बाद से ही उन्हें यकीन हो गया था कि यह प्रोजेक्ट आगे चलकर बड़ी पहचान बनाएगा।

निर्देशक के साथ पहली वीडियो कॉल पर ही उन्हें इस फिल्म की खासियत का अंदाजा हो गया था। अमला ने कहा, मुझे याद है कि निर्देशक के साथ मेरी पहली वीडियो कॉल हुई थी। उन्होंने मुझे फिल्म की कहानी सुनाई और फिर पूरे प्रोजेक्ट की प्रक्रिया और बाकी चीजों के बारे में समझाया। उसी वक्त मुझे महसूस हो गया था कि यह फिल्म बहुत आगे तक जाएगी।

उन्होंने कहा, कुछ प्रोजेक्ट ऐसे होते हैं, जिनके साथ बेहद जुनूनी प्रोड्यूसर जुड़े होते हैं।

वे पूरी लगन से फिल्म बनाना चाहते हैं और कलाकार भी उसमें अपना पूरा दिल और मेहनत लगा देते हैं। इस फिल्म के साथ भी कुछ ऐसा ही था। मुझे लगता है कि हम सभी को पहले से पता था कि यह फिल्म कुछ खास करने वाली है। समजाद के निर्देशन में बनी इस ड्रामा फिल्म में रंजीत सजीव, ऐश्वर्या, अब्बास और श्रीकांत मुरली अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म की एडिटिंग की जिम्मेदारी नेशनल अवॉर्ड विजेता एडिटर महेश भुवनेंद्रन ने संभाली है। वह आट्टम, वेला और मधुरम जैसी फिल्मों में अपने काम के लिए जाने जाते हैं। वहीं, प्रोडक्शन डिजाइनिंग का काम मोहनदास ने किया है, जो 2018, अय्यप्पनम कोशियुम और लूसिफर जैसी फिल्मों से जुड़े रहे हैं।

पुलिस कंपनी में बिल्कुल नए अंदाज में नजर आएंगे फरदीन खान



मुंबई (एजेंसी)। अभिनेता फरदीन खान जल्द ही निर्देशक राम गोपाल वर्मा की आने वाली फिल्म पुलिस कंपनी में बिल्कुल नए और दमदार अंदाज में नजर आने वाले हैं। फिल्म से उनका एक नया लुक सामने आया है, जिसमें उनका अंदाज पहले से काफी अलग और गंभीर दिखाई दे रहा है। फरदीन का यह बदला हुआ रूप उनके फैंस के लिए किसी सरप्राइज से कम नहीं है। फिल्म से जुड़े एक सूत्र ने बताया कि फरदीन ने अपने इस किरदार के लिए खुद को पूरी तरह बदल लिया है। उनका नया लुक और किरदार को निभाने का अंदाज काफी प्रभावशाली है। उनका यह लुक दर्शकों ने पहले कभी नहीं देखा होगा। सेट पर भी उनके इस बदलाव ने पूरी टीम को प्रभावित किया है और हर कोई बड़े पर्दे पर उनका किरदार देखने के लिए उत्साहित है। फिल्म से फरदीन की एक तस्वीर भी सोशल मीडिया पर सामने आई है, जिसमें उनका अंदाज काफी डरावना और रौबदार नजर आ रहा है। इस तस्वीर में वह बिल्कुल अलग दिखाई दे रहे हैं। उनके लुक को देख फैंस अंदाजा लगा रहे हैं कि फिल्म में वह ग्रे शेड वाला किरदार निभा सकते हैं। हालांकि, उनके किरदार से जुड़ी बाकी जानकारी अभी सामने नहीं आई है। फिल्म पुलिस कंपनी का निर्देशन राम गोपाल वर्मा कर रहे हैं, जबकि भूषण कुमार इसके निमार्ता हैं। फिल्म में हर्षवर्धन राणे मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। इसकी कहानी मुंबई पुलिस के चर्चित एनकाउंटर स्पेशलिस्ट दया नायक के जीवन पर आधारित है। ऐसे में फिल्म में पुलिस और अपराध की दुनिया से जुड़े कई दिलचस्प पहलू देखने को मिल सकते हैं।

वहीं, फरदीन खान साल 2026 में आई फिल्म राजा शिवाजी में नजर आए थे। इस फिल्म में उन्होंने मुगल बादशाह शाहजहां का किरदार निभाया था।

इम्तियाज अली की ओ साथी रे का ट्रेलर रिलीज, शादी के बाहर प्यार की तलाश में उलझे अदिति-अविनाश



मुंबई (एजेंसी)। नेटफ्लिक्स ने बुधवार को निर्देशक इम्तियाज अली की आने वाली ड्रामा सीरीज ह्यओ साथी रे का ट्रेलर रिलीज कर दिया है। इस सीरीज में अदिति राव हैदरी, अविनाश तिवारी और अर्जुन रामपाल मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। ट्रेलर में एक ऐसी शादी की कहानी दिखाई गई है, जो टूटने की कगार पर पहुंच चुकी है। रोशनी (अदिति राव हैदरी) और करण (अविनाश तिवारी) अपनी शादी को बचाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन इसी बीच रोशनी की जिंदगी में प्रद्युम्न (अर्जुन रामपाल) की एंट्री होती है। वह उसकी ओर आकर्षित होने लगती है। इसके बाद रिश्तों, प्यार और भावनाओं के बीच एक नई उलझन शुरू हो जाती है। ट्रेलर को देख अंदाजा लगाया जा सकता है कि सीरीज की कहानी यह समझने की कोशिश करती है कि प्यार में सिर्फ दूसरे इंसान को समझना ही जरूरी नहीं, बल्कि खुद को समझना भी उतना ही अहम है। सीरीज में करण का किरदार निभा रहे अविनाश तिवारी ने अपने रोल को लेकर कहा, ह्यमुझे इस किरदार में सबसे दिलचस्प उसका प्यार करने का अंदाज लगा। करण की पूरी दुनिया रोशनी के इर्द-गिर्द घूमती है और उसकी पहचान भी काफी हद तक रोशनी के पति होने से जुड़ी है। लेकिन, उसके इस प्यार के पीछे अपनी असुरक्षा की भावना और कमजोरियां भी हैं। करण चाहता है कि रोशनी खुश रहे, लेकिन उसके सामने मुश्किल तब आती है, जब वह रोशनी की खुशी में अपनी खुद की जगह नहीं देख पाता है। इस किरदार के जरिए मुझे प्यार के कई अलग-अलग रंगों को समझने और पर्दे पर उतारने का मौका मिला। वहीं, रोशनी का किरदार निभा रहीं अदिति राव हैदरी ने कहा, मेरा किरदार एक ऐसी महिला का है, जो खुद को समझने की कोशिश कर रही है। वह किसी की बेटी, पत्नी और बहन और भावनाओं वाली एक अलग इंसान भी है।

खेल

मैनचेस्टर यूनाइटेड और स्पोर्टिंग सीपी का मुकाबला 2-2 से रहा ड्रॉ



नई दिल्ली (एजेंसी)। चैंपियंस लीग में लिवरपूल ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए क्लब ब्रुग को 3-0 से हराया। इस मैच में अलेक्जेंडर इसाक ने दो गोल किए, जबकि फ्लोरियन विर्ट्ज ने भी एक शानदार लॉन्ग-रेंज गोल दागा।

जान ब्रेयडेल स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले की शुरूआत में ही अलेक्जेंडर इसाक ने करीब से गोल करके लिवरपूल को बढ़त दिला दी। लिवरपूल का डिफेंस भी मुकाबले में काफी मजबूत नजर आया और मैच के अंत में फ्लोरियन विर्ट्ज और इसाक के बेहतरीन गोलों की मदद से 3 अंक पक्के कर लिए।

डोमिनिक सोबोस्जलाई के पास पर इसाक ने गोल करके लिवरपूल को हाफ-टाइम तक बढ़त दिला दी। इस दौरान यान सोमर ने हंगरी के खिलाड़ी सोबोस्जलाई के करीब से लिए गए शॉट को रोक दिया, जबकि दूसरे हाफ में लिवरपूल के गोलकीपर एलिसन बेकर ने फेलिक्स लेमारेचल के शॉट को बाहर कर दिया।

मैच खत्म होने से 11 मिनट पहले रियो न्युमोहा के पास पर विर्ट्ज ने गेंद को पोस्ट के सहारे गोल में बदल दिया। इसके बाद, एलिसन की लंबी पास पर इसाक ने शानदार तरीके से गेंद को कंट्रोल करते हुए एक और गोल दागा। एंडोनी इराओला की टीम ने लीग चरण में अब तक 15 में से 12 अंक हासिल कर लिए हैं। उनका अगला मुकाबला घरेलू मैदान पर एफसी पोर्टो के खिलाफ होगा। वहीं, स्पोर्टिंग सीपी में वापसी करते हुए ब्रूनो फर्नांडीस ने दो गोल किए, लेकिन मैनचेस्टर यूनाइटेड को मौरिसियो पोचेटिनो के नेतृत्व में अपनी पहली जीत नहीं मिल सकी और मैच 2-2 से ड्रॉ रहा।

बार्सिलोना ने सबाह एफके को 4-1 से हराया



नई दिल्ली (एजेंसी)। एफसी बार्सिलोना ने बाकू में सबाह एफके को 4-1 से हराया। एंथनी गॉर्डन के दो गोल और करीम अदेयेमी तथा गेब्रियल जीसस के एक-एक गोल की मदद से बार्सिलोना ने यूईएफए चैंपियंस लीग के लीग चरण में अपने पांचवें मैच में चौथी जीत दर्ज की।

शुरूआत से ही गेंद पर अपना दबदबा बनाए रखने के बावजूद, बार्सिलोना को अजरबैजानी टीम के अनुशासित डिफेंस को भेदने में शुरूआती संघर्ष करना पड़ा। हाफ-टाइम के बाद, गेब्रियल जीसस के शॉट को पोकातिलोव ने रोका, लेकिन गेंद रिबाउंड होकर गॉर्डन के पास आई, जिन्होंने बार्सिलोना के लिए पहला गोल दागा। इसके बाद करीम अदेयेमी ने दूसरा गोल किया। जीसस ने तीसरा गोल किया, जबकि जॉय-लांस मिकल्स ने एक शानदार फिनिश के साथ अपनी टीम के लिए एक गोल किया। अदेयेमी पांचवां गोल करने के करीब थे, लेकिन पेनल्टी एरिया के अंदर से लगाया गया उनका जोरदार शॉट क्रॉसबार से टकरा गया। हालांकि, बार्सिलोना ने तीन महत्वपूर्ण अंक हासिल करने और राउंड ऑफ 16 में सीधे क्वालिफिकेशन की ओर एक और बड़ा कदम बढ़ाने के लिए पर्याप्त काम कर लिया था।

इस बीच, पेरिस सेंट-जर्मेन (पीएसजी) ने अपने घरेलू मैदान पर एएस रोमा के साथ 2-2 से ड्रॉ खेलकर यूईएफए चैंपियंस लीग में अपना अजेय रिकॉर्ड बरकरार रखा। मारियो हमोसो (5वें मिनट) के शुरूआती गोल के जवाब में इल्या जबार्नी (31वें मिनट) ने पीएसजी के लिए अपना पहला कॉन्टिनेंटल गोल किया।

सुरेश रैनाः टी20 इंटरनेशनल में शतक लगाने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज



नई दिल्ली (एजेंसी)। टीम इंडिया के पूर्व बल्लेबाज सुरेश रैना ने अपने इंटरनेशनल करियर में कई बड़े मुकाम हासिल किए। वह टी20 इंटरनेशनल में शतक लगाने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज रहे। इसके साथ ही उन्होंने वनडे विश्व कप 2011 में टीम इंडिया को चैंपियन बनाने में भी अहम भूमिका निभाई।

सुरेश रैना का जन्म 27 नवंबर 1986 को उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद जिले के मुरादनगर में हुआ। रैना की क्रिकेट में दिलचस्पी अपने बड़े भाई मुकेश को क्रिकेट खेलते देखकर जागी। वह मुरादनगर के वीनस क्रिकेट क्लब में भाई के साथ जाया करते थे। रैना ने जल्द ही इस खेल में अपना करियर बनाने की ठान ली। रैना ने क्लब स्तर पर लगातार अच्छा प्रदर्शन किया और जल्द ही उत्तर प्रदेश की अंडर-16 टीम में जगह बना ली। अंडर-17 और अंडर-19 टीमों के लिए दमदार प्रदर्शन करने के बाद रैना ने फर्स्ट-क्लास क्रिकेट में अपना डेब्यू साल 2003 में किया।

अरुणाचल प्रदेश मामले पर चीन को भारत ने सुनाई खरी-खोटी

उत्तम भारत न्यूज डेस्क

भारत और चीन के बीच वास्तविक नियंत्रण रेखा पर तनाव भले ही फिलहाल नियंत्रण में दिखाई दे रहा हो, लेकिन अरुणाचल प्रदेश के सीमावर्ती इलाकों में दोनों देशों की सेनाओं की गतिविधियां इस बात का संकेत दे रही हैं कि सीमा पर स्थिति अब भी बेहद संवेदनशील है। चीन की ओर से लगातार विवादित दावे, गश्त के निर्धारित तौर-तरीकों से अलग गतिविधियां और भारतीय क्षेत्रों में घुसपैठ की कोशिशों के बीच भारत ने सीमा प्रबंधन को लेकर अपना रुख पूरी मजबूती से सामने रखा है। इसी कड़ी में अरुणाचल प्रदेश के सीमावर्ती क्षेत्र में भारत और चीन के वरिष्ठ सैन्य कमांडरों के बीच हुई दूसरी दौर की बातचीत बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही है। बताया जा रहा है कि करीब 10 दिनों तक चली इस बातचीत का मकसद केवल मौजूदा तनाव को कम करना नहीं, बल्कि सीमा पर दोनों सेनाओं के बीच टकराव की आशंका को रोकने के लिए स्पष्ट नियम और संवाद की व्यवस्था तैयार करना भी था।



भारतीय विदेश मंत्रालय ने 26 नवंबर को पहली बार आधिकारिक तौर पर इन सैन्य वार्ताओं की पुष्टि की। मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया कि पूर्वी सेक्टर में दोनों देशों के वरिष्ठ सैन्य कमांडरों की बैठक हुई, जिसमें वास्तविक नियंत्रण रेखा पर सीमा प्रबंधन बेहतर बनाने और लंबित मुद्दों को सुलझाने पर चर्चा की गई। उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत और चीन के बीच राजनयिक तथा सैन्य स्तर पर नियमित संवाद की व्यवस्था मौजूद है और इन बैठकों का उद्देश्य सीमावर्ती इलाकों में शांति बनाए रखना तथा किसी भी तरह के तनाव को बढ़ने से रोकना है।

देखा जाये तो इस बातचीत की अहमियत इसलिए भी बढ़ जाती है क्योंकि यह बैठक ऐसे समय हुई है जब अरुणाचल प्रदेश के कई इलाकों में भारतीय और चीनी सैनिकों की बड़ी संख्या में तैनाती है। रिपोर्ट के मुताबिक, दिवाली के तत्काल बाद 8 नवंबर से शुरू हुई यह बातचीत बीच में थोड़े अंतराल के साथ करीब 10 दिनों तक चली। भारतीय पक्ष का नेतृत्व सेना की थ्री कॉर्प्स यानी स्पीयर कॉर्प्स के जनरल ऑफिसर कमांडिंग लेफ्टिनेंट जनरल गिरिश कालिया ने किया। उनके साथ विदेश मंत्रालय का एक अधिकारी भी मौजूद था। दूसरी ओर चीनी सेना के उनके समकक्ष अधिकारी और अन्य सैन्य प्रतिनिधि बातचीत में शामिल हुए।

इस बैठक का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह था कि दोनों सेनाओं के बीच जमीनी स्तर पर टकराव रोकने के लिए संवाद के स्पष्ट नियम तय करने पर जोर दिया गया। सीमा पर गश्त के दौरान सैनिकों के आमने-सामने आने, एक-दूसरे की गतिविधियों को लेकर गलतफहमी पैदा होने और स्थानीय स्तर पर तनाव बढ़ने की आशंका को देखते हुए दोनों पक्षों के बीच संचार व्यवस्था को खुला रखने पर चर्चा हुई। सर्दियों के पूरी तरह शुरू होने से पहले सीमा पर तनाव कम करना भी इस बातचीत का एक प्रमुख उद्देश्य था। अरुणाचल के ऊंचाई वाले इलाकों में सर्दियों के दौरान मौसम बेहद कठोर हो जाता है और सैन्य रसद तथा सैनिकों की तैनाती अपने आप में बड़ी चुनौती बन जाती है।

सुप्रीम कोर्ट ने एफएसएसएआई को दिया सख्त निर्देश

पैकेटबंद खाद्य पदार्थों पर हाई शुगर, हाई सॉल्ट और हाई फैट चेतावनी लेबल लगवाएं



नई दिल्ली, एजेंसी। पैकेटबंद खाद्य और पेय पदार्थों की बढ़ती खपत तथा उससे जुड़े स्वास्थ्य जोखिमों को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को एक महत्वपूर्ण निर्णय में केंद्र सरकार और भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) को चेतावनी लेबलिंग संबंधी नियमों को जल्द अंतिम रूप देने का निर्देश दिया है। अदालत ने कहा है कि जिन खाद्य उत्पादों में नमक, चीनी या सैचुरेटेड फैट की मात्रा निर्धारित सीमा से अधिक होगी, उनके पैकेट के सामने वाले हिस्से पर स्पष्ट चेतावनी दी जानी चाहिए, ताकि उपभोक्ता खरीदारी से पहले सही निर्णय ले सकें।

सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि चेतावनी लेबल



तय करते समय केवल अतिरिक्त मिलाई गई चीनी या फैट को आधार नहीं बनाया जाना चाहिए, बल्कि उत्पाद में मौजूद कुल शुगर और सैचुरेटेड फैट को ध्यान में रखा जाए। अदालत का मानना है कि उपभोक्ताओं को किसी खाद्य पदार्थ की वास्तविक पोषण स्थिति की सही जानकारी मिलनी चाहिए।

कोर्ट ने निर्देश दिया कि पैकेट के मुख्य डिस्प्ले क्षेत्र पर तीन अलग-अलग षट्कोण (हेक्सागोन) बनाए जाएं, जिन पर क्रमशः हाई सुगर, हाई सॉल्ट और हाई फैट लिखा हो। प्रत्येक चेतावनी चिन्ह पैकेट के सामने के हिस्से का कम से कम 4-5 प्रतिशत हिस्सा घेरे और उसमें इस्तेमाल किया गया फॉन्ट इतना बड़ा और स्पष्ट हो कि ग्राहक उसे आसानी से पढ़ सकें।

जनहित याचिका पर सुनवाई

अदालत ने यह भी कहा कि नमक, चीनी और सैचुरेटेड फैट की सीमा वैज्ञानिक अध्ययनों के आधार पर तय की जानी चाहिए। यह सीमा न तो इतनी कम हो कि लगभग हर पैकेज्ड उत्पाद पर चेतावनी लगानी पड़े और न ही इतनी अधिक हो कि स्वास्थ्य के लिए हानिकारक उत्पाद चेतावनी के दायरे से बाहर रह जाएं।

सुनवाई के दौरान कोर्ट ने बच्चों और आम नागरिकों में पोषण संबंधी जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। पीठ ने सुझाव दिया कि स्कूलों और कॉलेजों के पाठ्यक्रम में पोषण संबंधी शिक्षा को अधिक महत्व दिया जाना चाहिए ताकि लोग कम उम्र से ही स्वस्थ भोजन संबंधी निर्णय लेना सीख सकें।

सुप्रीम कोर्ट ने एफएसएसएआई को निर्देश दिया है कि वह इन दिशा-निर्देशों के आधार पर नए ड्राफ्ट नियम तैयार करे, संबंधित पक्षों से सुझाव और आपत्तियां आमंत्रित करे तथा नियमों को जल्द से जल्द अधिसूचित करे।

अदालत ने मामले की अगली सुनवाई 10 सप्ताह बाद तय की है, जिसमें यह देखा जाएगा कि ड्राफ्ट नियम तैयार हुए हैं या नहीं और उनके क्रियान्वयन की दिशा में क्या प्रगति हुई है।

यह मामला 3एस एंड आवर हेल्थ सोसाइटी नामक एक सार्वजनिक चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा दायर जनहित याचिका से जुड़ा है। याचिका में मांग की गई थी कि पैकेटबंद खाद्य पदार्थों पर स्पष्ट और अनिवार्य चेतावनी लेबल लगाए जाएं, ताकि उपभोक्ताओं को अधिक नमक, चीनी और वसा वाले उत्पादों के बारे में पहले से जानकारी मिल सके।

यादों में हरिवंश : कभी श्यामा के प्यार में लिखी कविता, तो कभी मधुशाला से जीता दिल

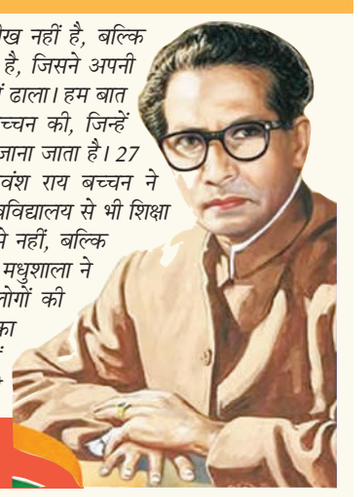

नई दिल्ली, एजेंसी। *27 नवंबर केवल कैलेंडर की एक तारीख नहीं है, बल्कि हिंदी साहित्य के उस महान रचनाकार को याद करने का अवसर है, जिसने अपनी लेखनी से प्रेम, विरह, पीड़ा, आशा और जीवन-दर्शन को शब्दों में ढाला। हम बात कर रहे हैं हिंदी के विख्यात कवि और लेखक हरिवंश राय बच्चन की, जिन्हें साहित्य जगत में विशेष रूप से मधुशाला के रचयिता के रूप में जाना जाता है। 27 नवंबर 1907 को इलाहाबाद (अब प्रयागराज) में जन्मे हरिवंश राय बच्चन ने इलाहाबाद विश्वविद्यालय से पढ़ाई की और बाद में कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय से भी शिक्षा हासिल की। लेकिन बच्चन की असली पहचान उनकी डिग्रियों से नहीं, बल्कि उनकी कविताओं से बनी। साल 1935 में प्रकाशित उनकी रचना मधुशाला ने उन्हें रातोंरात लोकप्रियता दिला दी। इस किताब की पंक्तियां लोगों की जुबान पर चढ़ गईं और देखते ही देखते बच्चन हिंदी साहित्य का बड़ा नाम बन गए। दिलचस्प बात यह है कि जिस मधुशाला ने उन्हें इतनी शोहरत दिलाई, उसके रचयिता हरिवंश राय बच्चन ने कभी*

मंदिर-मस्जिद बैर कराते...मेल कराती मधुशाला

शराब को हाथ तक नहीं लगाया। उनके बेटे और बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन ने भी एक इंटरव्यू में बताया था कि उनके पिता ने जीवन में कभी मदिरापान नहीं किया। अक्सर लोग उनसे सवाल करते थे कि जब उन्होंने शराब पी ही नहीं, तो मधुशाला कैसे लिख दी?

मधुशाला को लेकर उस दौर में काफी विवाद भी हुआ था। कुछ लोगों का मानना था कि यह रचना युवाओं को गलत दिशा में ले जा सकती है। बात महात्मा गांधी तक पहुंची। बताया जाता है कि गांधीजी ने बच्चन को बुलाकर उनकी रचना सुनने की इच्छा जताई। जब बच्चन ने उन्हें मधुशाला सुनाई, तो गांधीजी ने उसमें कोई बुराई नहीं देखी। इसके बाद कवि को काफी राहत मिली।

हरिवंश राय बच्चन की जिंदगी में प्रेम और विरह का भी गहरा स्थान रहा। उनकी पहली शादी श्यामा से हुई थी, लेकिन बीमारी के कारण कम उम्र में ही उनका निधन हो गया। इस घटना ने बच्चन को अंदर तक तोड़ दिया। श्यामा की बीमारी और उनसे बिछड़ने का दर्द उनकी कविताओं में साफ झलकता है। उनकी पंक्तियां रात आधी खींचकर मेरी हथेली, एक उंगली से लिखा था प्यार तुमने आज भी प्रेम और जुदाई का एहसास कराती हैं। बाद में 1942 में उन्होंने तेजी सूरी से दूसरी शादी की। तेजी उनके जीवन में नई उम्मीद बनकर आईं। उनके दो बेटे हुए, अमिताभ और अजिताभ। बच्चन ने मधुबाला, मधुकलश, क्या भूलूं क्या याद करूं, नीड़ का निर्माण फिर और बसेरे से दूर जैसी कई यादगार रचनाएं दीं। उनकी कविता जो बीत गई सो बात गई आज भी मुश्किल समय में लोगों को आगे बढ़ने की हिम्मत देती है। साहित्य में उनके योगदान के लिए उन्हें 1968 में साहित्य अकादमी पुरस्कार और 1976 में पद्म भूषण से सम्मानित किया गया। साल 1966 में उन्हें राज्यसभा के लिए भी मनोनीत किया गया था। 18 जनवरी 2003 को मुंबई में उन्होंने अंतिम सांस ली, लेकिन उनकी कविताएं आज भी जीवित हैं।

काठमांडू के एक होटल से 50.50 लाख नेपाली रुपये के साथ एक विदेशी सहित दो गिरफ्तार

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल की राजधानी काठमांडू के ठमेल स्थित एक होटल से पुलिस ने करीब 50.50 लाख नेपाली रुपये और बड़ी मात्रा में विदेशी मुद्रा के साथ एक विदेशी सहित दो लोगों को गिरफ्तार किया है। इनमें चितवन की रहने वाली 20 वर्षीय स्नेहा रिमाल और मालदीव का नागरिक युटिथ इब्राहिम है।



जिला पुलिस परिसर काठमांडू के एसपी दानबहादुर थापा के अनुसार दोनों को ठमेल स्थित स्नोलाइन होटल से गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने उनके पास से 50 लाख 50 हजार नेपाली रुपये, 4,215 ओमानी रियाल और 55 अरब अमीराती दिरहम बरामद किए हैं। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है। बरामद रकम और विदेशी मुद्रा के स्रोत तथा दोनों आरोपितों की गतिविधियों के संबंध में विस्तृत जानकारी सामने आनी बाकी है।

26/11 की बरसी: इजरायल ने आतंकवाद के खिलाफ भारत के साथ एकजुटता दोहराई

उत्तम भारत न्यूज डेस्क



इजरायल ने गुरुवार को 26/11 मुंबई आतंकी हमलों के पीड़ितों को श्रद्धांजलि दी और भारतीय लोगों के साहस तथा मुश्किल समय में दूसरों की जान बचाने के लिए अपनी जान जोखिम में डालने वाले लोगों को सम्मान दिया। इजरायल के विदेश मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, इजरायल भारतीय लोगों के मजबूत हौसले, दूसरों की रक्षा के लिए अपनी जान जोखिम में डालने वाले बहादुर लोगों और 26/11 मुंबई आतंकी हमलों में मारे गए निर्दोष लोगों की याद को सम्मान देता है। आतंकवाद की कोई सीमा नहीं होती और इसे हराने के हमारे साझा संकल्प की भी कोई सीमा नहीं है। आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में इजरायल मजबूती से भारत के साथ खड़ा है।

इससे पहले दिन में भारत में मौजूद इजरायली राजनयिकों ने भी 26/11 हमलों के पीड़ितों को श्रद्धांजलि अर्पित की और आतंकवाद के खिलाफ संयुक्त लड़ाई के अपने संकल्प को दोहराया। हमलों की 18वीं बरसी पर पश्चिमी भारत के लिए इजरायल के महावाणिज्य दूत यानिव रेवाच मुंबई के लियोपोल्ड कैफे पहुंचे। यह उन जगहों में से एक था, जिसे 26 नवंबर 2008 के आतंकी हमलों के दौरान निशाना बनाया गया था। रेवाच ने कहा, ह्लमैं यहां भारत के प्रति अपनी एकजुटता दिखाने आया हूं। जो कुछ यहां हुआ, उसे हम कभी नहीं भूलेंगे। सिर्फ इस जगह को नहीं, बल्कि पूरे मुंबई



शहर को हम याद रखते हैं। हम भारत का समर्थन करते हैं, भारत के साथ खड़े हैं। हम न कभी भूलेंगे, न माफ करेंगे, और आतंकवाद के खिलाफ मिलकर लड़ाई जारी रखेंगे।ह्व उन्होंने कहा कि भारत और इजरायल को आतंकवाद के खिलाफ और ज्यादा मिलकर काम करना चाहिए। इसमें सिर्फ आतंकवादी संगठनों का ही नहीं, बल्कि उन्हें समर्थन देने वाली सरकारों और देशों का भी मुकाबला करना शामिल है। रेवाच ने कहा, भारत कई क्षेत्रों में काफी आगे है और इन मुद्दों पर हमें भारत से बहुत कुछ सीखने की जरूरत है। आतंकवाद से निपटने के मामले में हमें मिलकर काम करते रहना चाहिए। सिर्फ आतंकवादी समूहों के खिलाफ ही नहीं, बल्कि उन देशों और सरकारों के खिलाफ भी जो इन संगठनों के पीछे खड़े होते हैं।ह्व भारत में इजरायल के राजदूत रूवेन अजार ने भी 26/11 हमलों के पीड़ितों को याद करते हुए निर्दोष लोगों को श्रद्धांजलि दी।

डीयू में राष्ट्र निर्माण में भारतीय संविधान की भूमिका विषय पर सेमिनार

उत्तम भारत संवाददाता

नई दिल्ली। फोरम ऑफ एकेडमिक्स फॉर सोशल जस्टिस (शिक्षक संगठन) के तत्वावधान में दिल्ली विश्वविद्यालय के कला संकाय, उत्तरी परिसर में राष्ट्र निर्माण में भारतीय संविधान की भूमिका विषय पर एक सेमिनार किया गया। सेमिनार की अध्यक्षता फोरम के चेयरमैन प्रोफेसर हंसराज सुमन ने की, मुख्य वक्ता प्रोफेसर कैलाश प्रकाश सिंह यादव व मंच संचालन डॉ. नरपत सिंह नैनवाल ने किया। सेमिनार में काफी संख्या में उपस्थित शिक्षाविदों, बुद्धिजीवियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं विद्यार्थियों ने भाग लिया। सभी वक्ताओं ने भारतीय संविधान के महत्व, उसकी मूल भावना तथा राष्ट्र निर्माण में उसकी भूमिका पर विस्तार से चर्चा की।



अपने अध्यक्षीय वक्तव्य में प्रोफेसर हंसराज सुमन ने कहा कि - भारतीय संविधान केवल शासन संचालन का दस्तावेज नहीं है, बल्कि यह भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था, सामाजिक समरसता, समानता, स्वतंत्रता, न्याय और बंधुत्व का आधार स्तंभ है। संविधान ने देश के प्रत्येक नागरिक को समान अधिकार प्रदान करते हुए एक न्यायपूर्ण, समतामूलक और लोकतांत्रिक समाज के निर्माण का मार्ग प्रशस्त किया है। संविधान में उल्लिखित धाराओं का पालन करते हुए ही भारत को एक मजबूत, समावेशी, लोकतांत्रिक और प्रगतिशील राष्ट्र बनाया जा सकता है। प्रोफेसर कैलाश प्रकाश सिंह यादव ने बाबा साहेब डॉ.भीमराव अम्बेडकर के संविधान निर्माण में योगदान का उल्लेख करते हुए बताया कि बाबा साहेब ने भारत की बहुसंख्यक अभावग्रस्त, उपेक्षित समाज को ध्यान में रखते हुए संविधान में विशिष्ट धाराएँ जोड़ी थीं। सेमिनार में यह भी विचार व्यक्त किया गया कि राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया केवल आर्थिक विकास तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें सामाजिक समानता, मानवीय मूल्यों की गरिमा, न्यायपूर्ण व्यवस्था और सभी नागरिकों की सक्रिय भागीदारी भी होना आवश्यक है।

यरुशलम की कोर्ट के रुख से नेतान्याहू के बेदाग होने की उम्मीद

यरुशलम। इजराइल के कार्यवाहक प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के लिए यरुशलम जिला अदालत का रुख राहत देने वाला है। अदालत ने रिश्वत लेने और अन्य आरोपों के मुकदमे की सुनवाई के दौरान कहा कि अभियोजन के लिए यह साबित करना बहुत मुश्किल होगा। अभियोजन को सलाह है कि वह नेतन्याहू से समझौता कर ले। अदालत की इस टिप्पणी के तत्काल बाद नेतन्याहू ने मुकदमे को खत्म करने की मांग की। कार्यवाहक प्रधानमंत्री ने गुस्से भरे भाषण में कहा कि भ्रष्टाचार के मुकदमे ने उनके परिवार और स्टाफ की जिंदगी 'बर्बाद' कर दी है।

हिंद महासागर की सुरक्षा को भारत ने बताया जरूरी



नई दिल्ली, एजेंसी। हिंद महासागर क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा, आतंकवाद और साइबर खतरों से निपटने के लिए भारत ने क्षेत्रीय सहयोग मजबूत करने पर जोर दिया है। मालदीव में आयोजित कोलंबो सिक्योरिटी कॉन्क्लेव (सीएससी) की आठवीं राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) स्तर की बैठक में सदस्य देशों ने वर्ष 2026-27 के लिए सहयोग का रोडमैप अपनाया। बैठक में भारत की ओर से राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल ने हिस्सा लिया।

विदेश मंत्रालय (एमईए) ने इस बैठक के संपन्न होने पर गुरुवार को एक बयान जारी कर सीएससी के अहम फैसलों से रूबरू कराया। बयान में बताया गया कि मालदीव ने 25 नवंबर को विला नौटिका पैराडाइज आइलैंड में इस उच्चस्तरीय बैठक की मेजबानी की। इसमें भारत, मालदीव, श्रीलंका और बांग्लादेश के प्रतिनिधिमंडलों ने भाग लिया। भारत का प्रतिनिधित्व एनएसए अजीत डोभाल ने किया।

मालदीव के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार इब्राहिम लतीफ, श्रीलंका के रक्षा मंत्रालय के सचिव एयर वाइस मार्शल संपथ थुयाकोन्था और बांग्लादेश के नेशनल डिफेंस कॉलेज के कमांडेंट लेफ्टिनेंट जनरल एमडी फैजुर रहमान भी बैठक में शामिल हुए।

अगले 6 महीने ऊखीमठ में होंगे बाबा केदार के दर्शन, ओंकारेश्वर मंदिर में स्थापित हुई पंचमुखी उत्सव डोली

उत्तराखंड, एजेंसी। उत्तराखंड की वादियों में स्थित बाबा केदारनाथ का धाम सर्दियों में बर्फ से ढक जाता है लेकिन भक्तों की आस्था कभी नहीं रुकती। जब केदारनाथ धाम के कपाट शीतकाल के लिए बंद हो जाते हैं, तब बाबा की पंचमुखी चल विग्रह उत्सव डोली रुद्रप्रयाग जिले के ऊखीमठ स्थित ओंकारेश्वर मंदिर में स्थापित की जाती है। गुरुवार को उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंदिर को लेकर अपने विचार साझा किए। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर मंदिर का एक वीडियो पोस्ट किया, जिसके साथ उन्होंने लिखा, ह्लरुद्रप्रयाग जिल के उखीमठ में स्थित श्री ओंकारेश्वर मंदिर भगवान केदारनाथ का शीतकालीन निवास है और उत्तराखंड की समृद्ध धार्मिक और सांस्कृतिक परंपराओं का प्रतीक है। सर्दियों के लिए जब श्री केदारनाथ धाम के कपाट बंद हो जाते हैं, तो बाबा केदारनाथ के पंचमुखी चल विग्रह को इसी मंदिर में स्थापित किया जाता है, जहां पूजा-अर्चना की जाती है। अपनी शीतकालीन यात्रा के दौरान बाबा केदारनाथ के इस पवित्र शीतकालीन निवास के दर्शन जरूर करें।

ऊखीमठ का ओंकारेश्वर मंदिर सिर्फ एक मंदिर नहीं बल्कि सदियों पुरानी परंपरा और आस्था का प्रतीक है। हाल ही में नवंबर



2026 में कपाट बंद होने के बाद यह डोली ऊखीमठ पहुंच चुकी है और अगले सीजन में यात्रा खुलने पर इसे वापस केदारनाथ लाया जाता है। यह बाबा केदार की उत्सव मूर्ति है, जिसे डोली में रखकर मौसम के अनुसार केदारनाथ धाम और शीतकालीन

केदारनाथ धाम पहुंचने पर वैदिक मंत्रोच्चार और परंपरागत अनुष्ठानों के साथ पंचमुखी विग्रह को मंदिर में स्थापित किया जाता है, जिसके बाद नियमित पूजा-अर्चना और दर्शन का क्रम चलता है। ओंकारेश्वर शिवलिंग की पूजा पूरे वर्ष होती है और यह पंच केदारों के मुख्य पुजारियों (रावल) का भी शीतकालीन निवास स्थल है।



गद्दीस्थल के बीच लाया-ले जाया जाता है। जब गर्मियों में केदारनाथ धाम के कपाट खुलने का समय आता है, तो ऊखीमठ के ओंकारेश्वर मंदिर में विशेष पूजा और पंच स्नान के बाद पंचमुखी डोली केदारनाथ के लिए रवाना होती है।

केदारनाथ धाम पहुंचने पर वैदिक मंत्रोच्चार और परंपरागत अनुष्ठानों के साथ पंचमुखी विग्रह को मंदिर में स्थापित किया जाता है, जिसके बाद नियमित पूजा-अर्चना और दर्शन का क्रम चलता है। ओंकारेश्वर शिवलिंग की पूजा पूरे वर्ष होती है और यह पंच केदारों के मुख्य पुजारियों (रावल) का भी शीतकालीन निवास स्थल है। मान्यता है कि सूर्यवंशी राजा मानधाता ने यहां भगवान शिव के लिए एक पैर पर खड़े होकर 12 वर्षों तक तपस्या की थी। शिव ने ओंकार ध्वनि के रूप में दर्शन दिए, जिससे नाम ओंकारेश्वर पड़ा।